नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 14

अंक : 30

सोमवार, 26 अगस्त से 01 सितम्बर 2024

मूल्य : 5 रू प्रति

रू 250 वार्षिक

NCR समाचार

BY C.R.O. TEAM

www.ncrsamacharlive.in

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

आप के 100 से अधिक नेता कांग्रेस में हुए शामिल 03

द्रोपदी का डर और डर की द्रोपदी 08

रुबीना ने निशानेबाजी में कांस्य पदक जीता 10

पंचतत्वों पर आधारित खानपान रखे स्वस्थ 11

सामंथा की आने वाली फिल्में और वेब सीरीज 12

इस्माईल खान

एक नजर

आठ सितंबर से अमेरिका की यात्रा पर रहेंगे राहुल गांधी

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी आठ सितंबर से अमेरिका की तीन दिन की यात्रा पर रहेंगे जहां वह टेक्सास विश्वविद्यालय में छात्राओं और शिक्षाविदों के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों से बातचीत करेंगे। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने श्री गांधी की अमेरिका यात्रा के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यात्रा के दौरान वह विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख लोगों के साथ ही डैलस क्षेत्र के राजनेताओं से भी विचार विमर्श करेंगे। उन्होंने कांग्रेस नेता की यात्रा का विवरण देते हुए बताया कि श्री गांधी 8 सितंबर को डलास, टेक्सास और 9 तथा 10 सितंबर को वाशिंगटन डीसी का दौरा करेंगे। इस दौरान वह प्रवासी भारतीयों, टेक्नोक्रेट, बिजनेस लीडर, छात्र, मीडिया बिरादरी और राजनीतिक नेताओं से भी मिलेंगे। श्री पित्रोदा ने बताया कि अमेरिका यात्रा के दौरान कांग्रेस नेता टैक्सास विश्व विद्यालय में छात्रों से भी बातचीत करेंगे।

राष्ट्रीय शिक्षक दिवस पुरस्कार के लिए 50 शिक्षक चयनित

नई दिल्ली। शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने इस वर्ष के राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए 50 शिक्षकों का चयन किया है। इसके अलावा, उच्च शिक्षा विभाग के 16 शिक्षकों और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के 16 शिक्षकों को भी सम्मानित किया जाएगा। इन सभी 82 शिक्षकों को 5 सितंबर को विज्ञान भवन में आयोजित एक समारोह में सम्मानित किया जाएगा। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार चयनित 50 शिक्षक 28 राज्यों, 3 केंद्र शासित प्रदेशों और 6 संगठनों से हैं। इनमें से 34 पुरुष, 16 महिलाएं, 2 दिव्यांग और 1 सीडब्ल्यूएसएन के साथ कार्यरत हैं। कठोर पारदर्शी और ऑनलाइन तीन-चरणीय चयन प्रक्रिया के माध्यम से चुने गए देश के सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों को हर साल 5 सितंबर को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

हिमाचल प्रदेश में 72 सड़कों को किया गया बंद

शिमला। हिमाचल प्रदेश में वर्षा के बाद 72 सड़कों को बंद कर दिया गया है और स्थानीय मौसम कार्यालय ने दो सितंबर को भी छिटपुट स्थानों पर भारी बारिश होने की चेतावनी दी है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। राज्य आपात अभियान केंद्र के मुताबिक जिन 72 सड़कों को बंद किया गया है उनमें 35 शिमला में, 15 मंडी में, नौ कुल्लू में तथा एक-एक उना, सिरमौर तथा लाहौल एवं स्पीति जिलों में हैं। उसके अनुसार राज्य में वर्षा के कारण 10 विद्युत एवं 32 जलापूर्ति योजनाएं भी बाधित हुई हैं। केंद्र के मुताबिक 27 जून को मानसून के आगमन से अबतक राज्य में वर्षा जनित घटनाओं में 150 लोगों की मौत हो गयी है । राज्य को वर्षा के चलते 1265 करोड़ रुपये की नुकसान हुआ है। राज्य के कई हिस्सों में शुक्रवार शाम से रूक-रूक कर वर्षा हो रही है। सुंदरनगर में 44.8 मिलीमीटर (मिमी), शिलारू में 43.1 मिमी, जुब्बड़हट्टी में 20.4 मिमी, मनाली में 17 मिमी, शिमला में 15.1 मिमी, स्लेपर में 11.3 मिमी और डलहौजी में 11 मिमी बारिश हुई। स्थानीय मौसम कार्यालय ने दो सितंबर को राज्य में छिटपुट स्थानों पर भारी बारिश, आंधी और बिजली गिरने का 'येलो' अलर्ट जारी किया है।

हरियाणा में वोटिंग की तारीख बदली

हरियाणा में 1 नहीं, 5 अक्टूबर को होगा विधानसभा चुनाव, जम्मू-कश्मीर के साथ 8 तारीख को आएंगे नतीजे

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 1 अक्टूबर को नहीं होगा। चुनाव आयोग ने यह तारीख बढ़ाकर 5 अक्टूबर कर दी है। इसके साथ ही, जम्मू-कश्मीर और हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए मतगणना दिवस को 4 अक्टूबर से बढ़ाकर 8 अक्टूबर कर दिया गया है। इस तरह दोनों ही राज्यों के चुनावी नतीजे 8 अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे। आयोग की ओर से कहा गया, 'यह फैसला बिश्नोई समुदाय के मतदान के अधिकार और परंपराओं का सम्मान करने के लिए लिया गया है, जिन्होंने अपने गुरु जम्भेश्वर की याद में आसोज अमावस्या उत्सव समारोह में भाग लेने की सदियों पुरानी प्रथा को बरकरार रखा है।'

ईसीआई की ओर से कहा गया, 'आयोग को हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए मतदान की तारीख बदलने को लेकर अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा से आवेदन मिला था। इसमें कहा गया कि पंजाब, राजस्थान और हरियाणा के कई परिवार लंबे समय से चली आ रही परंपरा का पालन करते हैं। वे अपने गुरु जम्भेश्वर की स्मृति में बीकानेर जिले में होने वाले वार्षिक उत्सव के लिए राजस्थान में अपने पैतृक गांव मुकाम का दौरा करते हैं। इस साल यह त्योहार 2 अक्टूबर को पड़ेगा। इसलिए सिरसा, फतेहाबाद और हिसार में रहने वाले हजारों बिश्नोई परिवार मतदान के दिन राजस्थान की यात्रा करेंगे, जिससे वे वोटिंग के अधिकार से वंचित हो सकते हैं।'

पहले भी बदली गई हैं मतदान की तारीखें

चुनाव आयोग पहले भी विभिन्न समुदायों की भावनाओं का सम्मान करते हुए वोटिंग की तारीखें बदलता रहा है। उदाहरण के तौर पर 2022 में पंजाब विधानसभा चुनाव के दौरान ऐसा हुआ। एउ ने गुरु रविदास जयंती पर वाराणसी जाने वाले भक्तों के लिए चुनाव सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया था। इसी तरह, मणिपुर में 2022 के विधानसभा चुनाव में आयोग ने ईसाई समुदाय की रविवार की प्रार्थना का सम्मान करते हुए मतदान की तारीखें बदलीं। साल 2023 के राजस्थान विधानसभा चुनाव में भी ऐसा हुआ। ईसी ने देवउठनी एकादशी पर होने वाली वोटिंग की डेट बदल दी, जो राजस्थान में सामूहिक विवाह के लिए महत्वपूर्ण दिन है। इतना ही नहीं, यूपी विधानसभा चुनाव 2012 में बारावफात के कारण मतदान की तारीख बदली गई थी। हरियाणा में मतदान की तारीख बदलने से 30 सितंबर को एक दिन की छुट्टी लेने से 6 दिन का ऑफ वाली चिंता का भी समाधान हो जाएगा।

हरियाणा में प्रत्याशी घोषित करने को लेकर मंथन

इससे पहले, चुनाव आयोग ने घोषणा की थी कि हरियाणा की 90 सदस्यीय विधानसभा के लिए 1 अक्टूबर को मतदान होगा। 4 अक्टूबर को इसके नतीजे घोषित करने का फैसला हुआ था। इस समय राजनीतिक दलों के भीतर अपने-अपने उम्मीदवार घोषित करने को लेकर मंथन जारी है। खबर है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कुरूक्षेत्र की लडवा सीट से विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। भाजपा की हरियाणा इकाई के अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने यह जानकारी दी। करनाल में रोडशो से इतर पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए सैनी ने कहा, मैं करनाल से भी चुनाव लड़ूंगा, आप चिंतित क्यों हैं। जब सैनी से पूछा गया कि क्या वह 2 सीट से नामांकन पत्र दाखिल करेंगे तो मुख्यमंत्री ने सीधा जवाब देने से बचते हुए कहा, मैं करनाल से चुनाव लड़ूंगा।

यह भाजपा की घबराहट : कुमारी शैलजा

निर्वाचन आयोग ने हरियाणा विधानसभा चुनाव की तारीख 1 अक्टूबर से बढ़ाकर 5 अक्टूबर कर दी। जम्मू-कश्मीर और हरियाणा विधानसभा चुनावों की मतगणना अब 4 अक्टूबर के बजाय 8 अक्टूबर को होगी। आयोग की ओर से कहा गया कि बिश्नोई समुदाय के सदियों पुराने त्योहार को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया। इसे लेकर राजनीतिक दलों की मिलीजुली प्रतिक्रिया आई है। कांग्रेस सांसद कुमारी शैलजा ने कहा कि चुनाव आयोग पर हम क्या ही टिप्पणी करें। यह तो भाजपा की कमजोरी को बताता है। उन्होंने कहा, 'जो 10 साल की लंबी रेस नहीं जीत पाए वो 5 दिनों में क्या कर लेंगे? कांग्रेस के सिपाही जमीन पर टिके हुए हैं। 90 की 90 सीटों पर हमारी नजर है। हम हर सीट को जीतने की कोशिश करेंगे।' कुमारी शैलजा ने कहा, 'भाजपा पहले से ही कोशिश कर रही थी। भाजपा घबराई हुई है। यह निर्णय भाजपा की घबराहट की ही निशानी है। जब आप जनता में जनाधार खो देते हैं तो आप कुछ भी कर लें उससे फर्क नहीं पड़ता है।' कांग्रेस नेता दीपक बाबरिया ने कहा कि इस पूरे एपिसोड में भाजपा की सरकार, उसके मुख्यमंत्री और उनके प्रदेश अध्यक्ष की अपरिपक्वता झलकती है। उन लोगों ने पूरे प्रदेश की जनता को एक अनिश्चित टाइम टेबल में खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा, 'आखिर में नामांकन की तारीख वहीं की वहीं है।

कम हो सकता था मतदान : नायब सिंह सैनी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा, 'हमारे प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने पत्र लिखकर चुनाव आयोग को इस समस्या से अवगत करवाया कि लगातार छुट्टियां हैं। उसमें कहीं न कहीं यह चिंता भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने जताई कि कहीं इससे वोट प्रतिशत कम न हो जाए। इसके साथ-साथ अन्य दलों ने भी इस बात पर चिंता जताई। बिश्नोई समाज ने भी चिंता जाहिर की। मैं चुनाव आयोग का धन्यवाद करना चाहता हूं कि उन्होने इस बात को समझा। ज्यादा वोटिंग होगी तो इससे प्रदेश और देश को भी लाभ मिलेगा। मैं चुनाव आयोग के इस फैसले का स्वागत करता हूं कि उन्होंने आम जन की भावनाओं को समझते हुए यह निर्णय लिया है।'

भाजपा बुरी तरह डरी हुई : सुशील गुप्ता

'आप' हरियाणा अध्यक्ष सुशील गुप्ता ने चुनाव आयोग के फैसले पर कहा, 'भाजपा बुरी तरह डरी हुई है। हरियाणा की जनता इस अहंकारी, भ्रष्ट सरकार को उखाड़ फेंकने का मन बना चुकी है। हरियाणा का चुनाव जनता लड़ेगी। जनता ने तय कर लिया है कि जेजेपी और भाजपा का हरियाणा की सत्ता में कोई स्थान नहीं है। आम आदमी पार्टी ने पहले भी चुनाव की तारीखों का स्वागत किया था और अब भी कर रही है। हम सभी 90 विधानसभा सीटों पर मजबूती से लड़ने के लिए तैयार हैं।' जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के उम्मीदवार अर्जुन सिंह ने कहा, 'जम्हूरियत का तकाजायही होता है हर एक समाज के लोगों की भावनाओं का सम्मान किया जाता है। इससे बहुत बड़ा फर्क नहीं पड़ेगा। इस फैसले से हमें कोई एतराज नहीं है बल्कि हम तो इस फैसले का स्वागत ही करते हैं कि किसी समाज के लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए तारीख आगे बढ़ाई गई है।'

महिलाओं के खिलाफ अत्याचार समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय : मोदी

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में त्वरित न्याय का आह्वान किया और कहा कि महिला अत्याचार समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

श्री मोदी ने आज यहां भारत मंडपम में उच्चतम न्यायालय की ओर से आयोजित जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, देश में कई कानून हैं जो महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे को संबोधित करते हैं। वर्ष 2019 में फास्ट-ट्रैक विशेष अदालतों के लिए कानून पारित किया गया था, जिसके तहत गवाह बयान केंद्र बनाये गये थे। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इन केंद्रों को और मजबूत किया जाये ताकि महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े मामलों में तेजी से फैसले सुनाए जा सकें।

उन्होंने कहा कि न्याय में विलंब को खत्म करने के लिए पिछले एक दशक में कई स्तरों पर काम किया गया है। पिछले 25 वर्षों में न्यायिक बुनियादी ढांचे पर खर्च की गई राशि का 75 प्रतिशत करीब 8000 करोड़ रुपए गत 10 वर्षों में ही खर्च किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत की जनता ने न्यायपालिका पर कभी अविश्वास नहीं किया तथा लोकतंत्र की जननी के रूप में शीर्ष न्यायालय के 75 साल देश के गौरव को और बढ़ाते हैं।

लोकतंत्र में न्यायपालिका की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि न्यायपालिका को संविधान का रक्षक माना जाता है और यह अपने आप में एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, हम संतोष के साथ कह सकते हैं कि शीर्ष न्यायालय ने इस जिम्मेदारी को निभाने का बेहतरीन प्रयास किया है।

इस मौके पर श्री मोदी ने भारत के उच्चतम न्यायालय की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में डाक टिकट और सिक्के का अनावरण भी किया। कार्यक्रम में देश भर के जिला न्यायपालिका के प्रतिभागियों ने भाग लिया।

रेलवे बनेगी गरीब, मध्यम वर्ग के सुखद यात्रा की गारंटी : मोदी

एनसीआर समाचार

चेन्नई/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को कहा कि भारतीय रेल गरीबों और मध्यम वर्ग सहित सभी के लिए सुखद यात्रा की गारंटी सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और वह अपनी मेहनत से दशकों पुरानी समस्याओं से निजात पाने में कामयाब हो रही है।

श्री मोदी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उत्तर प्रदेश में मेरठ-लखनऊ, तमिलनाडु में चेन्नई-नागरकोइल और तमिलनाडु के मदुरै-बेंगलुरु (कर्नाटक) तक तीन नई वंदे भारत रेलगाड़ियों को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया।

श्री मोदी ने इस अवसर पर चेन्नई, मदुरै और मेरठ के रेलवे स्टेशनों पर आयोजित कार्यक्रमों को संबोधित करते हुए कहा कि आज उत्तर से दक्षिण तक, देश की विकास यात्रा में एक और अध्याय जुड़ रहा है। आज से मदुरै-बेंगलुरु, चेन्नई नागरकोइल और मेरठ -लखनऊ के बीच वंदे भारत ट्रेनों की सेवा शुरू हो रही है।

उन्होंने कहा,ह्ववंदे भारत ट्रेनों का ये विस्तार, ये आधुनिकता, ये रफ्तार... हमारा देश विकसित भारत के लक्ष्य की ओर कदम दर कदम बढ़ रहा है।ह्ल उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने के लिए दक्षिण के राज्यों का तेज विकास बहुत जरूरी है। दक्षिण भारत में अपार प्रतिभा है, अपार संसाधन और अवसर हैं। इसलिए तमिलनाडु और कर्नाटक समेत पूरे दक्षिण का विकास हमारी सरकार की प्राथमिकता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते 10 वर्षों में इन राज्यों में रेलवे की विकास यात्रा इसका उदाहरण है। इस साल के बजट में हमने तमिलनाडु को छह हजार करोड़ रुपए से ज्यादा रेलवे बजट दिया है। ये बजट 2014 की तुलना में सात गुना से अधिक है। इसी तरह कर्नाटक के लिए भी इस बार सात हजार करोड़ से ज्यादा का बजट आवंटित हुआ है। ये बजट भी 2014 की तुलना में नौ गुना अधिक है।

श्री मोदी ने कहा कि वंदे भारत आधुनिक होती भारतीय रेलवे का नया चेहरा है। आज शहर में, हर रूट पर वंदे भारत की मांग है। हाई-स्पीड ट्रेनों के आने से लोगों में अपने व्यापार और रोजगार को, अपने सपनों को विस्तार देने का भरोसा जगता है। आज देशभर में 102 वंदे भारत रेलवे सेवाएं संचालन हो रही है। आज शुरू की गई तीन वंदे भारत ट्रेनें देश के महत्वपूर्ण शहरों और ऐतिहासिक स्थानों को जोड़ने वाली हैं।

उन्होंने कहा कि मंदिरों का शहर मदुरै अब सीधे आईटी सिटी बेंगलुरु से जुड़ जाएगा। इससे तीर्थयात्रियों और कर्मचारियों दोनों को लाभ होता है। इसी तरह, चेन्नई से नागरकोइल वंदे भारत कनेक्टिविटी से छात्रों, किसानों और कामकाजी पेशेवरों को लाभ होगा। आज मेरठ-लखनऊ रूट पर वंदे भारत ट्रेन के जरिए उत्तर प्रदेश और खासकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लोगों को भी खुशखबरी मिली है। मेरठ और पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्रांति की धरती है। आज यह क्षेत्र विकास के नई क्रांति का साक्षी बन रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि रेल का आधुनिक बुनियादी ढांचा विकसित भारत के विजन का एक मजबूत स्तंभ है। रेलवे लाइनों का दोहरीकरण हो, विद्युतीकरण हो, नई ट्रेनों को चलाना हो, नए मार्गों का निर्माण हो, इन सभी पर तेजी से काम हो रहा है।

वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर 39 रुपये महंगा

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक रसोई गैस (एलपीजी) गैस सिलेंडर की कीमत में 39 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी की है।

इस बढ़ोतरी से 01 सितंबर 2024 से दिल्ली में 19 किलोग्राम का वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर 1691.50 रुपये में उपलब्ध होगा। इससे पहले इस वर्ष जुलाई में तेल विपणन कंपनियों ने उपभोक्ताओं को राहत देते हुए वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में 30 रुपये प्रति सिलेंडर की कटौती की थी।

तेल विपणन कंपनियां वैश्विक बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों और मुद्रा विनिमय दर जैसे विभिन्न

कारकों को ध्यान में रखते हुए वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में बदलाव करती हैं।

उल्लेखनीय है कि 19 किलोग्राम के वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर का इस्तेमाल आम तौर पर होटल, रेस्तरां और खाने-पीने की दुकानों में किया जाता है।

नई दिल्ली. सितंबर महीने के पहले दिन यानी आज से एलपीजी सिलेंडर महंगा हो गया है. तेल मार्केटिंग कंपनियों ने 1 सितंबर से कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में इजाफा कर दिया है. वहीं घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है. अगर क्डउछ की वेबसाइट पर नजर डालें तो दिल्ली से मुंबई तक कमर्शियल गैस सिलेंडर की नई कीमतें दिख रही हैं.

1 सितंबर 2024 को सुबह 6 बजे से यह नई दर लागू हो चुकी है. आज से दिल्ली में कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 39 रुपये तक महंगा हो चुका है. देश के अन्य राज्यों में कमर्शियल गैस सिलेंडर के क्या दाम हैं, आइए जानते हैं.

किस राज्य में कितनी बढ़ी एलपीजी सिलेंडर की कीमत

दिल्ली में 19 किलो वाला एलपीजी सिलेंडर 1652.50 रुपये से बढ़कर 1691.50 रुपये हो चुका है, जबकि कोलकाता में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर का दाम 1764.50 रुपये से बढ़ाकर अब 1802.50 रुपये कर दिया गया है. यानी राजधानी दिल्ली में प्रति सिलेंडर 39 रुपये और कोलकाता में 38 रुपये की वृद्धि हुई है.

अब अगस्त के मुकाबले सितंबर में इन सिलेंडर की खरीद पर आपको अधिक कीमत चुकानी होगी। मुंबई में 19 किलो वाले इस सिलेंडर की कीमत (ट्ठ्ठं छढ्रू ढ्ढ्र) 1644 रुपये हो गई है, जो अगस्त में 7 रुपये बढ़कर 1605 रुपये की गई थी. चेन्नई में भी एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़े नजर आ रहे हैं, यहां पर 1817 रुपये में मिलने वाला कॉर्मशियल सिलेंडर अब 1855 रुपये का हो चुका है.

क्या घरेलू सिलेंडर के दाम भी बढ़े?

इस साल तेल मार्केटिंग कंपनियों ने कई बार कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में इजाफा किया है. वहीं लंबे समय से घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में बदलाव नहीं किया गया है. केंद्र सरकार की ओर से महिला दिवस पर बड़ी राहत दी गई थी.

सरकार को किसानों की बात सुननी चाहिए : विनेश फोगाट

एनसीआर समाचार

चंडीगढ़। ओलंपियन पहलवान विनेश फोगाट ने शनिवार को शंभू बॉर्डर पहुंच किसानों के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया और कहा कि केंद्र सरकार को उनकी मांगों पर ध्यान देना चाहिए व उन्हें प्राथमिकता के आधार पर हल करना चाहिए।

संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा ने अपने 'दिल्ली चलो' मार्च के 200 दिन पूरे होने के उपलक्ष्य में यहां किसान महापंचायत का आयोजन किया। किसान संगठनों ने दिल्ली चलो मार्च न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए कानूनी गारंटी सहित अन्य मांगों को लेकर दबाव बनाने के लिए शुरू किया था।

एनसीआर समचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन :
8888883968
9811111715

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में
आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली- 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 सम्पर्क करें।

हरियाणा में बीफ खाने के आरोप में मजदूर की पीट-पीट कर हत्या

चरखी दादरी । हरियाणा में विधानसभा चुनाव के बीच चरखी दादरी से बड़ी खबर है। यहां बीफ खाने के आरोप में एक प्रवासी की पीट पीट कर हत्या कर दी गई है। गौरक्षा दल के सदस्यों पर पिटाई करने का आरोप लगा है। पिटाई का एक वीडियो सामने आया है। मारपीट में जहां एक युवक की मौत हुई है, एक अन्य घायल है। फिलहाल, पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा, दो नाबालिग को भी डिटेन किया है। जानकारी के अनुसार, 27 की घटना है, जिसकी जानकारी पुलिस को 28 अगस्त को मिली थी। पश्चिम बंगाल के दो युवक चरखी दादरी में कूड़ा बीनने का काम करते हैं। गौरक्षा दल के सदस्यों को शक था कि शब्बीर खान (23) ने अपने साथी के साथ बीफ पकाकर खाया। इस दौरान 27 अगस्त को भीड़ ने उन्हें घेरकर लाठी और डंडों से बुरे तरीके से मारा। इस दौरान पिटाई से शब्बीर की मौत हो गई, जबकि साथी घायल हो गया। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर दो नाबालिगों को भी डिटेन किया, जबकि पांच अन्य को भी अरेस्ट किया है। हालांकि, पुलिस ने पुरे मामले पर चुप्पी साध ली है। मामले को लेकर एसपी पूजा वशिष्ठ ने भी घटना स्थल का निरीक्षण किया था, लेकिन मीडिया से बात नहीं की है। गिरफ्तार किए गए 4 आरोपी स्थानीय हैं। पुलिस को दी शिकायत में युवक ने बताया कि उसका जीजा और वहां कूड़ा बीनने का काम करते हैं और बीफ खाने के शक में उनके साथ मारपीट की गई। इससे उनके जीजा की मौत हो गई। उनकी बहन भी यहीं रहती है। बाद में आरोपियों ने मारपीट कर उन्हें खाली प्लाट में फेंक दिया था। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें कुछ लोग दोनों युवकों को बेरहमी से मोटे-मोटे डंडों से पिटते हुए नजर आ रहे हैं मौके पर 10-15 लोग जुटे हुए हैं। कुछ महिलाएं भी दिख रही हैं। वहीं, दो युवकों को बचाने के लिए किसी ने कोई कोशिश नहीं की ।झ

रोटी-सब्जी नहीं... अंडा और चाऊमिन की मांग कर रहा दरिंदा संजय

कोलकाता । कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के साथ बलात्कार और फिर निर्मम हत्या के मामले में मुख्य आरोपी संजय रॉय वर्तमान में कोलकाता के सुधार गृह में बंद है। जेल में आरोपी रॉय को अन्य कैदियों की तरह ही रोटी-सब्जी दी गई, रोटी-सब्जी खाने से साफ इंकार किया। संजय रॉय ने जेल कर्मचारियों से कहा कि रोटी-सब्जी की बजाय अंडा और चाऊमिन चाहिए। दरिंदे संजय रॉय के व्यवहार को देखकर स्पष्ट होता है कि उसे अपने द्वारा किए गए जघन्य अपराध पर कोई शर्म नहीं है। वहीं ईएमएस न्यूज एजेंसी इस खबर की पुष्टि नहीं करता है। जेल के नियमों के अनुसार, किसी भी कैदी को वहीं खाना दिया जाता है जो सभी कैदियों के लिए निर्धारित होता है। विशेष मामलों में, कैदियों को घर से खाना मंगवाने की अनुमति होती है। रिपोर्टों के अनुसार, संजय रॉय ने रोज रोटी-सब्जी देने पर गुस्सा जताकर अंडा चाऊमिन की मांग की। हालांकि, जेल कर्मचारियों ने उसकी अंडा चाऊमिन की मांग को अस्वीकार कर कड़ी फटकार लगाई। इसके बाद, रॉय ने मजबूरी में रोटी-सब्जी खाई। सीबीआई की हिरासत से सुधार गृह में ट्रांसफर किए जाने के बाद संजय रॉय ने सोने के लिए अतिरिक्त समय मांगा था। इसके अतिरिक्त, रॉय को खुद से बात करते हुए भी देखा गया था। कुछ दिनों बाद, उसने अपनी सामान्य स्थिति में लौटने की कोशिश की। सीबीआई संदीप घोष से पूछताछ जारी रखे हुए है। सीबीआई ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल घोष को लगातार 14वें दिन तलब किया। रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि संदीप घोष से एजेंसी पहले ही 140 घंटे से अधिक समय तक पूछताछ कर चुकी है। संदीप घोष को सुबह लगभग 10-45 बजे साल्ट लेक स्थित सीजीओ कॉम्प्लेक्स में देखा गया, जो कि एजेंसी का पूर्वी क्षेत्रीय मुख्यालय है।

छोटे से विवाद में भाभी ने ननद का काट दिया प्राइवेट पार्ट, पुलिस कर रही जांच

नई दिल्ली, । अक्सर देखने और सुनने में आता है कि भाभी और ननद में बनती नहीं है दोनों ही एक दूसरे पर कभी काम को लेकर तो कभी किसी बात को लेकर अनबन होती रहती है लेकिन दिल्ली में भाभी और ननद में कुछ ऐसा हुआ कि जिसे सुनकर लोग हैरान रह गए। जानकारी के मुताबिक उत्तर पूर्वी दिल्ली में ननद और भाभी के बीच जमकर मारपीट हुई. भाभी पर ननद ने प्राइवेट पार्ट काटने का आरोप लगाया है। इसके अलावा पीड़िता का कहना है कि भाई ने भी उसके साथ मारपीट की है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक 23 अगस्त की रात 8 बजे जेपीसी हॉस्पिटल से एक कॉल मिली थी। कॉल में बताया कि एक महिला अस्पताल में भर्ती आई है और उसके निजी अंग पर काटने का निशान है और महिला अपनी भाभी पर आरोप लगा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पीड़िता ने अपने बयान में पुलिस को बताया कि उसका अपनी भाभी से कपड़े धोने और सुखाने को लेकर झगड़ा हुआ। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक जब उनकी टीम आरोपी के घर पहुंची तो वहां ताला लगा था। घटना के बाद से भाभी शीरीन और भाई शोएब फरार हैं, पुलिस दोनों की तलाश कर रही है। फिलहाल पीड़िता का इलाज अस्पताल में चल रहा है।

अब गोल्डी बराड़ ने दी मशहूर बिल्डर को धमकी, मांगे दो करोड़

-दिल्ली के व्यापारियों और बिल्डरों में दहशत, पुलिस जांच में जुटी

नई दिल्ली। साउथ वेस्ट दिल्ली के वीरा बिल्डर और डेवलपर के मालिक को एक धमकी भरी कॉल आई, जिसमें दो करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी गई। कॉल करने वाला कोई और नहीं, बल्कि कनाडाई गैंगस्टर गोल्डी बराड़ था, जिसे भारत और कनाडा दोनों देशों की सुरक्षा एजेंसियां ने उसे वांटेड मानती हैं। धमकी भरे कॉल के बाद, बिल्डर को व्हाट्सएप पर एक ऑडियो फाइल भी भेजी गई। इस ऑडियो में गोल्डी बराड़ की आवाज साफ सुनाई दे रही थी। बिल्डर ने इस ऑडियो को तुरंत पुलिस को सौंप दिया है। पुलिस ने ऑडियो का वेरिफिकेशन किया, जिसमें यह साफ हो गया कि आवाज गोल्डी बराड़ की ही है। बिल्डर को दी गई धमकी को लेकर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अब इस मामले की हर एंगल से जांच कर रही है और यह तय करने में जुटी है कि बिल्डर और उनका परिवार सुरक्षित रहें। पुलिस के मुताबिक गोल्डी का इस तरह से सीधे दिल्ली के बिल्डरों को धमकाना और रंगदारी मांगना, उसके संगठित अपराध नेटवर्क के विस्तार का संकेत हो सकता है। इस घटना ने दिल्ली के व्यापारियों और बिल्डरों में दहशत का माहौल पैदा हो गया है। घटना से यह साफ हो गया है कि भारत और कनाडा में सक्रिय माफिया गोल्डी बराड़ का आतंक अभी भी कायम है।

शेयर बाजार में मोटी कमाई का झांसा देकर बेचते थे नकली सॉफ्टवेयर

-पुलिस ने कॉलसेंटर पर छापा मारकर किया पर्दाफाश, पांच आरोपी गिरफ्तार

नोएडा। सॉफ्टवेयर वहीं शेयर सिलेक्ट करेगा जो आगे जाकर बढ़ेगा। शेयर बाजार से भारी भरकम कमाई का लालच देकर दो करोड़ रुपए की ठगी करने वाले चार युवक और एक महिला को नोएडा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 33 लैपटॉप, 23 की-पैड फोन, 10 स्मार्ट फोन और फर्जी सर्टिफिकेट बरामद हुए हैं। पुलिस ने इनसे जुड़ी दो कॉल सेंटर का पर्दाफाश भी किया है। एक कंपनी के छह लोग फरार हैं। पुलिस इनकी गिरफ्तारी के लिए कई जगह दबिश दे रही है। पुलिस के मुताबिक सेक्टर 63 थाने में तेलंगाना निवासी कामिनी वेनू ने सॉफ्टवेयर के नाम पर पांच लाख रुपए की ठगी की शिकायत दर्ज कराई। इस मामले में पुलिस ने टीम बनाई। जांच के बाद टीम सेक्टर 63 के एच-110 स्थित एक बिल्डिंग में चल रहे कॉल सेंटर में छापा मारा। यहां पर चार युवक और एक महिला को पकड़ा। इनकी पहचान अमर सिंह (झांसी), पुरुषोत्तम (झारखंड), दीपक और प्रमोद (बिहार) के रूप में हुई है। गिरफ्तार महिला दिल्ली की रहने वाली है। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उनके पास एक फर्जी सॉफ्टवेयर है। सोशल मीडिया पर इसका प्रचार करते हैं। लोगों को बताते हैं कि हमारा सॉफ्टवेयर शेयर बाजार का एनालिसिस कर वही शेयर सिलेक्ट करता है जो आगे जाकर अच्छा मुनाफा देता है। इस झांसे में आकर लोग सॉफ्टवेयर खरीदते हैं। पीड़ित जब जालसाजों से इस सॉफ्टवेयर के न चलने की शिकायत करते थे तो ठग उनसे कहते कि वह पुराने वर्जन का सॉफ्टवेयर था। हम आपको नए वर्जन का सॉफ्टवेयर देते हैं। इससे शेयर बाजार में मोटा मुनाफा होगा। पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

गाजा की सुरंगों में शवों का ढेर मिलने पर बाइडेन भी क्रोधित

हमास दुष्ट है लेकिन युद्धविराम का समय आ गया

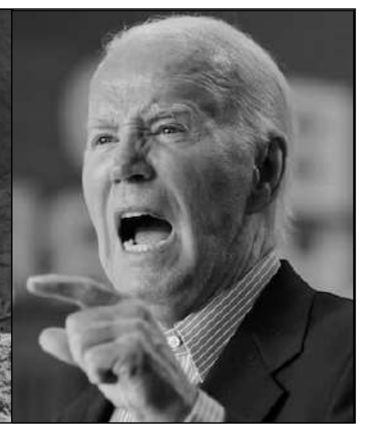

वाशिंगटन। गाजा में युद्धविराम और 6 लाख से ज्यादा बच्चों के लिए पोलियों अभियान के बीच सुरंगों से 6 शव बरामद हुए हैं। इजरायल ने पुष्टि कर दी है कि ये सभी शव हमास द्वारा बनाए गए इजरायली बंधक थे। इनमें एक अमेरिकी बंधक का शव भी शामिल है। इस घटना को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि वह गाजा पट्टी से छह बंधकों के शवों की बरामदगी से काफी गुस्से में हैं लेकिन, अब युद्धविराम का समय आ गया है और वह इसके लिए 24 घंटे काम करेंगे। इस घटनाक्रम को "दुखद" और "निंदनीय" बताते हुए बाइडेन ने चेतावनी भी दी कि "हमास के नेताओं को इन अपराधों की कीमत चुकानी पड़ेगी"।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि इजरायली सेना ने शनिवार को राफा शहर के नीचे एक सुरंग में हमास द्वारा बंधक बनाए गए छह लोगों के शव बरामद किए हैं। व्हाइट हाउस द्वारा जारी एक बयान में बाइडेन ने कहा, "हमने अब पुष्टि कर दी है कि इन शातिर हमास आतंकवादियों द्वारा मारे गए बंधकों में से एक अमेरिकी नागरिक, हर्श गोल्डबर्ग-पोलिन था।" बाइडेन ने कहा, "अब समय आ गया है कि यह युद्ध समाप्त हो जाए। हमें यह युद्ध समाप्त कर देना चाहिए।"

व्हाइट हाउस में दिए गए एक बयान में उन्होंने कहा, "हमास एक दुष्ट आतंकवादी संगठन है। इन हत्याओं के साथ, हमास के हाथों पर और भी अधिक अमेरिकी खून लगा है। मैं हमास की निरंतर क्रूरता की कड़ी निंदा करती हूं, और पूरी दुनिया को भी इसकी निंदा करनी चाहिए। हजारों लोगों के नरसंहार से लेकर यौन हिंसा, बंधक बनाने और इन हत्याओं तक, हमास की दुष्टता स्पष्ट और भयावह है।"

सेना के पहुंचने से पहले ही बंधकों को हमास ने मार डाला

उधर, इजरायली सेना द्वारा गाजा सुरंग से छह बंधकों के शव बरामद करने के बाद इजरायली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को हमास के साथ "हिसाब बराबर करने" की कसम खाई। नेतन्याहू ने एक बयान में कहा, "जो लोग बंधकों को मारते हैं, वे गाजा युद्धविराम के लिए कोई समझौता नहीं चाहते हैं।" उन्होंने हमास आतंकियों को संदेश में कहा, "हम आपका पीछा करेंगे, हम आपको पकड़ेंगे और हम हिसाब बराबर कर लेंगे"।

इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने टाइम्स ऑफ इजरायल को बताया कि दक्षिणी गाजा के राफा से बरामद किए गए छह बंधकों की आईडीएफ सैनिकों के पहुंचने से कुछ समय पहले हमास द्वारा "क्रूरतापूर्वक हत्या" कर दी गई थी। बता दें कि अमेरिकी नागरिक गोल्डबर्ग पोलिन को हमास ने 7 अक्टूबर को हमास के हमले के दौरान अगवा कर लिया था। पोलिन नोवा संगीत समारोह में उपस्थित थे। इजरायली अधिकारियों के अनुसार, 7 अक्टूबर को हमास के हमलों के बाद इजरायल ने फिलिस्तीनी समूह के खिलाफ युद्ध शुरू किया, जिसमें 1200 से अधिक इजरायली मारे गए और 250 को बंधक बना लिया गया।

ममता ने केंद्र को लिखी चिट्ठी, हत्या और बलात्कार जैसे अपराधों पर सख्त कानून की मांग की

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संबोधित अपने दूसरे पत्र में ममता बनर्जी ने बलात्कार और हत्या के मामलों को समयबद्ध तरीके से निपटाने के लिए अनिवार्य प्रावधान की मांग की थी। ये दोनों पत्र कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक जूनियर डॉक्टर के बलात्कार और हत्या की सीबीआई जांच के बीच आए हैं। इस पर केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के दूसरे पत्र का जवाब दिया है। इसमें बलात्कार और हत्या जैसे जघन्य अपराधों पर सख्त कानून और सजा की मांग की गई है।

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने ममता बनर्जी को दिए अपने जवाब में कहा, पश्चिम बंगाल में फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट (एफटीएससी) और विशेष पॉक्सो कोर्ट की स्थिति के बारे में आपके पत्र में दी गई जानकारी के संबंध में मैं यह उल्लेख करना चाहूंगी कि कलकत्ता हाईकोर्ट से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पश्चिम बंगाल ने 88 फास्ट ट्रैक कोर्ट (एफटीसी) स्थापित किए हैं। यह केंद्र सरकार की योजना के तहत आने वाले फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट (एफटीएससी) के समान नहीं हैं। उन्होंने आगे लिखा, पश्चिम बंगाल में बलात्कार और पॉक्सो के 48,600 मामले लंबित होने के बावजूद राज्य ने अतिरिक्त 11 एफटीएससी को चालू नहीं किया है। यह राज्य की आवश्यकता के अनुसार विशेष पॉक्सो न्यायालय या बलात्कार और पॉक्सो दोनों मामलों से निपटने वाले संयुक्त एफटीएससी हो सकते हैं। जैसा कि देखा जा सकता है इस संबंध में आपके पत्र में निहित जानकारी तथ्यात्मक रूप से गलत है और ऐसा लगता है कि यह राज्य द्वारा एफटीएससी को चालू करने में देरी पर पर्दा डालने की दिशा में एक कदम है।

पश्चिम बंगाल के भाजपा सह-प्रभारी अमित मालवीय ने भी बंगाल की मुख्यमंत्री पर महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा के लिए नियमों और कानूनों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाने पर सवाल उठाया है। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में जूनियर डॉक्टर के बलात्कार और हत्या ने पूरे देश में आक्रोश पैदा कर दिया है। डॉक्टरों और चिकित्सा पेशे से जुड़े अन्य लोगों ने अपने कार्यस्थल पर सम्मान और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मौलिक सुधारों की मांग की है। तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि भाजपा ने इस घटना का राजनीतिकरण किया है। हालांकि, भाजपा ने ममता बनर्जी की पार्टी पर आरोप लगाया है कि मेडिकल कॉलेज में भ्रष्टाचार व्याप्त है। कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष की जांच चल रही है। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने मुख्य संदिग्ध संजय रॉय को भी गिरफ्तार कर लिया है, जिसे उस अस्पताल के सेमिनार कक्ष के बाहर सीसीटीवी में देखा गया था, जहां जूनियर डॉक्टर का शव मिला था। भाजपा ने ममता के पत्रों को लेकर उन्हें झूठी कहा था और सवाल किया था कि उन्होंने अपने राज्य में महिलाओं की सुरक्षा के लिए मौजूदा कड़े नियमों और कानूनों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए कुछ क्यों नहीं किया।

जातिगत सर्वे को नौवीं अनुसूची में शामिल करने आरजेडी बिहार में करेगी प्रदर्शन

पटना (एजेंसी)। बिहार सरकार के जाति आधारित सर्वेक्षण के निष्कर्षों को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) कल यानी रविवार को राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन करेगी। विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि वह पटना में विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करेंगे और बिहार के सभी 38 जिलों में यह विरोध प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे।

तेजस्वी ने कहा कि यह मांग लंबे समय से चल रही है और उनकी पार्टी ने इस मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया था। उन्होंने कहा कि पार्टी सुनवाई के दिन सुप्रीम कोर्ट के सामने अपना पक्ष रखेगी। मांग पर चुप्पी के लिए बिहार के सीएम नीतीश कुमार पर तेजस्वी ने निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के बावजूद जेडीयू और नीतीश को इसकी कोई परवाह नहीं है।

बता दें कि हाल ही में ओबीसी कल्याण पर संसदीय समिति की बैठक हुई थी, जिसमें इंडिया गठबंधन के दलों और एनडीए सहयोगियों ने जातिगत जनगणना को लेकर अपनी मांगों को मजबूती से उठाया था। सूत्रों के मुताबिक इस बैठक में जेडीयू ने विशेष रूप से जातिगत जनगणना कराने की मांग की थी और ओबीसी के लिए क्रीमीलेयर की सीमा को मौजूदा सीमा से बढ़ाकर 20 लाख रुपए करने का प्रस्ताव रखा था। जेडीयूने कहा था कि वर्तमान में क्रीमीलेयर की सीमा ओबीसी वर्ग के लिए पर्याप्त नहीं है, और इसे बढ़ाने की जरुरत है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इसका लाभ उठा सकें।

बैठक में इंडिया गठबंधन के दलों ने जातिगत जनगणना की जरुरत पर जोर दिया । उन्होंने समिति के अध्यक्ष से अनुरोध किया था कि वे गृह मंत्रालय को एक सिफारिशी पत्र भेजें, जिसमें देश में जातिगत जनगणना कराने की मांग की जाए। बैठक में ओबीसी के लिए खाली पदों को भरने और आरक्षण लागू करने की भी मांग की गई। केंद्रीय विश्वविद्यालयों में ओबीसी की खाली सीटों को तत्काल भरने और अस्थायी में भी आरक्षण को लागू करने की मांग प्रमुखता से उठाई थी।

दुष्कर्म को आम बात बताने वाले कपिल सिब्बल चौतरफा घिरे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुई दुष्कर्म को लेकर पूरे देश में उबाल है। इस घटना पर सियासी बयानबाजी भी खूब हो रही है। कांग्रेस और भाजपा ने ममता सरकार को आड़े हाथों लिया है। इसी बीच सुप्रीम कोर्ट के दिग्गज वकील और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल का मानना है कि कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर पीड़िता के साथ जो हुआ वो आम बात है। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के उनके पूर्ववर्ती अध्यक्ष और ऑल इंडिया बार एसोसिएशन के वर्तमान अध्यक्ष डॉक्टर आदिश अग्रवाल ने सख्त एतराज जताते हुए सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के मौजूदा अध्यक्ष कपिल सिब्बल को पत्र लिखकर कहा है कि या तो वे इस रेजोल्यूशन को वापस लेते हुए माफी मांगे या फिर उनके खिलाफ सदस्यों द्वारा अविश्वास प्रस्ताव पेश किया जाए। वरिष्ठ वकील ने सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष भी हैं यहां पर उन्होंने कथित तौर पर एक प्रस्ताव जारी किया था, जिसमें उन्होंने कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए भयावह दुष्कर्म और हत्या की घटना को लक्षणात्मक बीमारी हुए कहा है की ऐसी घटनाएं आम है।कपिल सिब्बल की इस बात पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भड़क उठे। उन्होंने कहा कि धनखड़ ने एक कार्यक्रम में बिना किसी का नाम लिए कहा कि ऐसे रुख की निंदा करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। कोई यह कैसे कह सकता है कि ऐसी घटनाएं आम हैं? कितनी शर्म की बात है! उन्होंने कहा कि यह इतने ऊंचे पद के साथ बहुत बड़ा अन्याय है। लेकिन मुझे खुशी है कि बार के सदस्य हमारी लड़कियों और महिलाओं के समर्थन में आए हैं। बता दें कि कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर के साथ दुष्कर्म मामले को लेकर सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई चल रही है। बंगाल सरकार की ओर से कपिल सिब्बल केस लड़ रहे हैं।

एक समय आएग जब... असम में नमाज ब्रेक को खत्म किए जाने पर भड़के फारूक अब्दुल्ला, कहा- सबका हो सम्मान

श्रीनगर (एजेंसी)। असम विधानसभा में नमाज ब्रेक खत्म करने को लेकर सियासत जबरदस्त तरीके से तेज हो गई है। कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक के नेताओं की ओर से सवाल खड़े किए जा रहे हैं। हालांकि भाजपा हिमंत बिस्वा सरमा की सरकार द्वारा किए गए निर्णय के साथ खड़ी हुई दिखाई दे रही है। इन सब के बीच नेशनल कांफ्रेंस के नेता और जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला कई बयान सामने आया है। वह असम में हुए इस निर्णय से पूरी तरह नाराज हैं और सरकार से सभी धर्मों का सम्मान करने की अपील कर रहे हैं।

अब्दुल्ला ने कहा कि यह देश विविधता में एकता के लिए जाना जाता है। हमारे यहां हर धर्म और हर है, चाहे वह तमिलनाडु हो, कश्मीर हो, बंगाल हो या महाराष्ट्र, कोई भी राज्य, हर राज्य की एक अलग संस्कृति है और इसलिए भारत एक संघीय ढांचा है और हमें हर धर्म की रक्षा करनी है। उन्होंने आगे कहा कि जब समय आएगा, तो यह बदल जाएगा। कुछ भी स्थायी नहीं है। अच्छी चीजें फिर से प्रबल होंगी। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों को भी हर धर्म के लोगों का सम्मान करना चाहिए और उनकी रक्षा करनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''हमें हर धर्म के लोगों का ख्याल रखना होगा। जब उनके प्रति हमारा दृष्टिकोण अच्छा होगा, तो पूरे देश में अच्छा होगा।'' प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी के बारे में नेकां उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला की टिप्पणी को पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती द्वारा ''अफसोसजनक'' बताए के बारे में पूछे जाने पर नेकां प्रमुख ने कहा एक-दूसरे पर उंगली उठाने से कुछ भी हासिल नहीं होगा। उमर ने हाल ही में कहा था कि प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी (जेईआई) कभी चुनावों को 'हराम' मानता था, लेकिन अब उनके लिये यह 'हलाल' हो गया है। अब्दुल्ला ने कहा, ''मैं उनके बारे में कुछ नहीं कहूंगा। भगवान उन्हें आशीर्वाद दें। वह अपना रास्ता खुद चुनें, लेकिन देश की रक्षा के बारे में सोचें। एक-दूसरे पर उंगली उठाने से कुछ हासिल नहीं होगा। उन्हें इस रास्ते से दूर रहना चाहिए।''

गिरिराज के जवाब नहीं देने पर आप कार्यकर्ता ने नारे लगाए, गिरफ्तार

बेगूसराय। बेगूसराय में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह जनता दरबार करके निकल रहे थे, तभी आप कार्यकर्ता ने उनसे सवाल किए। इस पर गिरिराज ने कहा कि सभी सवालों के जवाब दिए जा चुके हैं। इस पर आप कार्यकर्ता नारेबाजी करने लगे, जिन्हें पहले रोका गया और बाद में मुक्का मारने की कोशिश का आरोप लगा गिरफ्तार कर लिया गया। दरअसल, बलिया प्रखंड में शनिवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। इसमें केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह भी शामिल हुए। जब जनता दरबार खत्म कर गिरिराज जाने लगे तो लखमिनियां निवासी वार्ड पार्षद और आम आदमी पार्टी का कार्यकर्ता शहजादुज्जमा उर्फ सैफी ने उनसे कुछ सवाल किए। इस पर केन्द्रीय मंत्री गिरिराज बिना रुके आगे बढ़ गए और बोले सभी सवालों के जवाब दिए जा चुके हैं। इससे आप कार्यकर्ता असंतुष्ट हो नारेबाजी करने लगा। वहां मौजूद पुलिस कर्मियों ने उसे नारेबाजी करने से मना किया। तभी आपाधापी शुरु हो गई, सुरक्षाकर्मियों ने केंद्रीय मंत्री को सुरक्षा में लेते हुए ले गए। यहां आप कार्यकर्ता पर वहां मौजूद लोगों ने जम कर पीट दिया और फिर पुलिस उसे हिरासत में लेकर पूछताछ करने साथ ले गई।

बीजेपी में अब शरद पवार लगाएंगे सेंध? फडणवीस के करीबी को लेकर क्यों तेज हुई चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिवाजी की प्रतिमा ढहने के मुद्दे ने महायुति सरकार की किरकिरी करा ही रखी है। जिसके लिए पीएम मोदी को सिर झुका कर माफी मांगने की नौबत तक आ गई। वहीं अब महाराष्ट्र की राजनीति में विधानसभा चुनाव से पहले सेंधमारी की कोशिशें परवान चढ़ती नजर आ रही है। देवेंद्र फडणवीस के खास बताए जाने वाले एक नेता की एमवीए के बड़े नेता संग मीटिंग की खबर सामने आई है। बीजेपी के युवा नेता और देवेंद्र फडणवीस के करीबी माने जाने वाले विवेक कोल्हे ने हाल ही में शरद पवार से मीटिंग की है। एक इवेंट के दौरान दोनों मिले थे। इसके बाद दोनों साथ ही साथ वहां से बाहर निकले। ऐसे में चर्चा तेज हो चली है कि क्या विवेक कोल्हे कोई नया ऑप्शन तलाश रहे हैं। लेकिन ऐसी नौबत आखिर क्यों आ गई?

दरअसल, कोपरगांव विधानसभा की सीट से वो चुनाव लड़ना चाह रहे थे। देवेंद्र फडणवीस के करीबी हैं तो वो पूरी कोशिश में हैं कि उन्हें यहां से टिकट मिले। लेकिन कई मीडिया रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि वहां से अजित पवार की एनसीपी के आशुतोष काल्हे को टिकट मिल सकती है। कोपरगांव से कोल्हे परिवार और काल्हे परिवार दोनों की पैठ वहां रखते हैं। इसलिए माना जा रहा है कि आशुतोष को वहां से टिकट मिल सकता है। अजित पवार खुद वहां का दौरा भी कर चुके हैं। काल्हे पवार को लेकर गए थे और वहां के हालात के बारे में अवगत कराया था। जिसके बाद से ही कयास लगाए जाने लगे थे कि विधानसभा चुनाव में आशुतोष को टिकट मिल सकता है।

इन सब के बीच विवेक कोल्हे को लग रहा है कि इस सीट पर उन पर दांव न लगाया जाए। इसलिए वो शरद पवार के साथ नजर आ रहे हैं। विवेक कोल्हे सरकारी चीनी मिल के अध्यक्ष रह चुके हैं। पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान उन पर रेड भी पड़ी थी। उसके बाद वो विधानसभा चुनाव में मौका चाह रहे हैं। ऐसे में काल्हे को इस सीट से महायुति की तरफ से उतारा जाता है तो क्या अभी से विवेक कोल्हे ने ऑप्शन तलाशना शुरू कर दिया है?

आप के 100 से अधिक नेता कांग्रेस में हुए शामिल

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने शनिवार को कस्तूरबा नगर बुराड़ी और नजफगढ़ विधानसभा के आम आदमी पार्टी (आप) के पदाधिकारियों को कांग्रेस का पटका पहनाकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण करवाई। इस अवसर पर कम्युनिकेशन विभाग के चेयरमैन और पूर्व विधायक अनिल भारद्वाज, पूर्व विधायक चौ. मतीन अहमद और कांग्रेस सचिव अभिषेक दत्त, जिला अध्यक्ष सतबीर शर्मा मुख्य रूप से मौजूद थे।

कांग्रेस का हाथ थामने वालों में बुराड़ी विधानसभा के वार्ड 21 जहांगीर पुरी के पूर्व निगम प्रत्याशी शाहिद उस्मानी, पूर्व मंडल अध्यक्ष रजिया आलम, राजेश सागर, पुरषोतम, पूर्व बादली विधानसभा यूथ अध्यक्ष ताहिर अंसारी, उपाध्यक्ष मुकंद,नूर मौहम्मद, मैनूर, कस्तूरबा नगर से अजीत कुमार, अमोल पटिल, ओबीसी महासिचव आशा सैनी, बिशन सिंह, देविन्द्र कोली,

इंदु राणा, जय चंद, जयपाल कैन, जमन सिंह बिष्ठ, जितेन्द्र कुमार सैनी, कंवरपाल कोली, किशन लाल, किशोरी लाल, लाला राम, लक्ष्मी, महेन्द्र कुमार कैन, मोहन लाल, मोहन लाल कोली, मुबारक खान, नीलम, नीरु, पूनम भंडारी, प्रवीन पीटर, प्रवीन कुमार, प्रेम चंद भारती, राजेश लेहर, राजेन्द्र कुमार, राजेन्द्र सैनी, राजेन्द्र सिंह, रवि, संजय सैनी, सत्यादेव सैनी, शंकर, सोहन लाल, सन्नी सिंह, सुरेश ठाकुर, टीकम सिंह, वेद प्रकाश विक्की और विनोद खुशवाहा भाजपा नजफगढ़ से डाक्टर सेल के चैयरमेन डाक्टर सतपाल भारद्वाज, धर्म सिंह, धर्मवीर सिंह, रामनिवास, कुलदीप भारद्वाज, सोनू शर्मा, एनसीपी के ओम प्रकाश सहरावत शामिल थे।

इस मौके परदेवेन्द्र यादव ने आम आदमी पार्टी से आए कार्यकताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि दोनो ही दलों ने दिल्ली को न केवल ठगा है बल्कि दिल्ली के विकास में दोनो दलों की रुचि नही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में आए दिन भाजपा व आप पार्टी के झगड़े से दिल्ली के विकास में न केवल रुकावट आई है बल्कि बड़े पैमाने पर प्रोजेक्ट भी रुके हुए है। उन्होंने कहा कि भाजपा का एजेंडा केवल समाज में नफरत फैलाना है, वहीं दूसरी ओर दिल्ली सरकार विकास कार्य न होने का ठीकरा भाजपा पर फोड़कर अपनी जिम्मेदारी से भाग रही है। आतिशी और सौरभ भारद्वाज की रोज की नौटंकी से आम आदमी परेशान होकर कांग्रेस में शामिल हो रहे है। उन्होंने कहा कि दिल्ली नगर निगम का चुनाव लड़े व मौजूदा दोनो दलों के पदाधिकारी, पूर्व पार्षद व कुछ मौजूदा चुने हुए प्रतिनिधि कांग्रेस पार्टी में शामिल होना चाहते है, जिनसे लगातार उस क्षेत्र के सम्मानित नेता उनके सम्पर्क में है।

राजधानी में बढ़ते डेंगू के मामले सरकार की लापरवाही की वजह : विनोद जायस

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में दिल्ली नगर निगम तथा दिल्ली सरकार की लापरवाही के चलते मानसून के मौसम में डेंगू तथा मलेरिया के मामले लगातर बढ़ रहे है। यह कहना है उत्तर पूर्वी जिला भारतीय जनता पार्टी के उपाध्यक्ष ठाकुर विनोद जायस का। विनोद जायस का कहना है दिल्ली को वर्ल्ड लेवल का शहर बताने वाली आम आदमी पार्टी को भ्रष्ट मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल की रिहाई के अलावा कुछ नहीं सूझ रहा। पुरा सरकारी अमला दिल्ली की समस्याओं को भूल कर अरविन्द केजरीवाल की रिहाई में लगा है। जनता की समयों से सरकार को कुछ लेना देना नहीं है। जलभराव से निपटने का मसला हो डेंगू मलेरिया से निपटने का सरकार का ध्यान किसी भी समस्या की और नहीं है। आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार और दिल्लीनगर निगम की प्रशासनिक विफलताओं, नाकामियों और नेतृत्व के अभाव में दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा गई है। विनोद जायस नें जल भराव के कारण जल जनित बीमारियों में बढ़ते डेंगू के मामलों पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम केअस्पतालों में संसाधनों की कमी के चलते डेंगू तथा मलेरिया से पीड़ित लोगो का ईलाज भी ठीक से नहीं हो पा रहा है। विनोद जायस कहते हैं कि मानसून के दिनों में में डेंगू के मामले अधिक संख्या में बढ़ते है लेकिन दिल्ली नगर निगम केअस्पतालों हिंदूराव, कस्तूरबा और स्वामी दयानन्द अस्पताल में सिर्फ 167 बेड रखना दिल्ली के लोगो के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने कहा कि निगम डेंगू न फैले इसका बंदोबस्त करने की बजाय बढ़ते मरीजों के इलाज करने की बात कर रहे है जबकि अस्पतालों में

डीयू कुलपति ने किया दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स में कई सुविधाओं का उद्घाटन

❍ शिक्षण संस्थानों में बड़ी उम्मीदों के साथ आते हैं बच्चे; हमें उनकी उम्मीदों पर खरे उतरना चाहिएः प्रो. योगेश सिंह

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. योगेश सिंह ने शनिवार को दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स (डीसीएसी) में कई अत्याधुनिक सुविधाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति ने कहा कि वक्त के साथ तकनीक और उपकरण बदल रहे हैं। इसलिए आधुनिक सुविधाओं का किसी भी संस्थान में होना जरूरी है। ऐसे

समय में डीसीएसी द्वारा इन आधुनिक सेमिनार कक्षों और बहुउद्देश्यीय हॉल का निर्माण और विद्यार्थियों के लिए प्रेरक साबित होगा। इस अवसर पर कुलपति ने शिक्षक समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चे शिक्षण संस्थानों में बड़ी उम्मीदों के साथ आते हैं, हमें उन उम्मीदों पर खरे उतरना चाहिए।

कुलपति ने उपस्थित विद्यार्थियों से मुखातिब होते हुए कहा कि भारत पहले भी अतीत में विकसित राष्ट्र रहा है, लेकिन सैंकड़ों वर्ष की गुलामी ने हमें कमजोर कर दिया। अब भारत के प्रधानमंत्री ने संकल्प लिया है कि 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र होगा। इसके लिए युवा पीढ़ी का आगे आना जरूरी है। युवा पीढ़ी में राष्ट्र प्रेम और राष्ट्र भक्ति होना जरूरी है और इसे तैयार करने का काम संस्थाओं को करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो इमारत जितनी बुलंद होती है उतनी ही खतरे में होती है। इसलिए जब भारत विकसित राष्ट्र बन चुका होगा तो खतरे भी बढ़ेंगे, इसके लिए युवाओं को अभी से तैयार होना होगा।

कुलपति ने शिक्षक समुदाय से मुखातिब होते हुए कहा कि एक शिक्षक से बहुत कुछ अपेक्षाएँ होती हैं। शिक्षक अपने आप में संस्थान होता है। इसलिए शिक्षकों को लगातार नए तरीके और नए उपकरणों पर काम करते रहना चाहिए। ऐसे ऐसे शैक्षणिक उपकरण इस्तेमाल करें जिनसे विद्यार्थियों में पढ़ाई के प्रति रुचि पैदा हो।

यूनिफाइड पेंशन योजना का राजधानी की सड़कों पर विरोध शुरू

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। फोरम अगेंस्ट एनपीएस के आह्वान पर सैकड़ो सरकारी कर्मचारियों ने आज 31 सितंबर को यूनिफाइड पेंशन योजना के खिलाफ और ओपीएस को लागू करने की मांग पर जंतर मंतर पर प्रदर्शन किया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम एक ज्ञापन भी भेजा गया। ज्ञापन में कहा गया है कि ह्लफोरम अगेंस्ट एनपीएस का मानना है कि ह्ययूनिफाइड पेंशन योजना (यूपीएस) असल में एनपीएस का चिकन चुपड़ा बदरूप चेहरा है। ह्ल इसमें एनपीएस की तरह ही कर्मचारियों की जेब काटने और बीमा कंपनियों को मालामाल करने के प्रावधान शामिल है। इसके अलावा, पेंशन की राशि की गणना सेवानिवृत्ति से पहले के 12 महीनों के औसत मूल वेतन के 50% के

रूप में की जाएगी। ओपीएस के विपरीत यूपीएस में पेंशन केंद्रीय डीए पैटर्न से नहीं बल्कि औद्योगिक डीए पैटर्न से जुड़ी होगी। साथ ही, ओपीएस के विपरीत, यूपीएस ने पूर्ण पेंशन की पात्रता के लिए कम से कम 25 वर्षों की सेवा सीमा निर्धारित की गई है; अन्यथा पेंशन आनुपातिक आधार पर भुगतान की जाएगी। वास्तव में, ओपीएस की तुलना में यूपीएस के तहत पेंशन की राशि बहुत कम होगी। फैमली पेंशन की गणना भी सही नही है। इसके अन्य प्रावधान भी चमकीले, भ्रामक और कर्मचारियों को ठगने वाले हैं। यह एनपीएस से मिलती-जुलती योजना है जो कर्मचारियों के हित मे कदापि नही है। ह्ल ह्लदेशभर के कर्मचारियों आवाज को आवाज देते हुए फोरम अगेंस्ट एनपीएस ( ) दिल्ली के आह्वान पर आपके कार्यालय साउथ ब्लॉक से कुछ ही दूरी पर जंतर मंतर पर एकत्रित सैकड़ो कर्मचारियों ने यूपीएस को एक सिरे से नकार दिया है। देशभर के लाखों सरकारी कर्मचारियों बात को आपके सामने रखते हुए हमारी सरकार से अपील है कि एनपीएस और यूपीएस को वापस लिया जाए और तुरंत ओपीएस को लागू किया जाएं। विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए फोरम अगेंस्ट एनपीएससंयोजक अमर रावत ने कहा कि देश के सरकारी कर्मचारियों की मांग है कि ओ पी एस को वापस लागू किया जाए। केंद्र सरकार अब यूं पी एस को लागू करने पर आमादा है, जो किसी को भी स्वीकार नही है और हम तब तक आंदोलन जारी रखेंगे, जब तक ओपीएस लागू नही की जाती है। स्वास्थ्य कर्मचारियों के संगठन नेशनल पब्लिक हेल्थ एलाइंस के अध्यक्ष विजय कुमार और महासचिव भारत वीर, और स्वास्थ्य क्षेत्र के जुझारू साथी प्रखर मिश्रा अपने साथियों के साथ शामिल हुए।

राजधानी के वायु प्रदूषण नियंत्रण पर उपराज्यपाल करें हस्तक्षेप : देवेन्द्र यादव

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि दिल्ली सरकार के पर्यावरण मंत्री गोपाल द्वारा प्रदूषण नियंत्रण के लिए जिन कारणों के खिलाफ विंटर एक्शन प्लान को कार्यान्वित करने की घोषणा की गई उन प्रदूषण कारकों पर नियंत्रण करने में आम आदमी पार्टी की सरकार पिछले 10 वर्षों में पूरी तरह विफल रही है। उन्होंने कहा कि ऑड-इवन, रेड लाईट ऑन-गाड़ी ऑफ, और स्मॉग टावर जैसी केजरीवाल के मन की योजनाओं को लागू करने के बावजूद सर्दियों में प्रदूषण 100 एक्यूआई से उपर ही रहता है।

देवेन्द्र यादव ने कहा कि दिल्ली के प्रदूषण नियंत्रण के मामले में उपराज्यपाल स्वयं हस्तक्षेप करें क्योंकि गोपाल राय के 14 सूत्री बिंदु धूल कण, वाहन प्रदूषण, टूटी सड़कों के धूल, पराली जलाना, खुले में कचरा जलाना, औद्योगिक प्रदूषण, पटाखों पर प्रतिबंध, ग्रीन वॉर रूम और ग्रीन ऐप, हॉट स्पॉट, वास्तविक समय स्त्रोत विभाजन अध्ययन, हरित आवरण/नवनीकरण बढ़ाना, ई-कचरा इको पार्क, केंद्र सरकार और पड़ोसी राज्यों के साथ बातचीत और ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) का कार्यान्वयन में कुछ नया नही है, हर वर्ष दिल्ली सरकार इन पर काम करती है परंतु खतरनाक जानलेवा प्रदूषण पर नियंत्रण करने में नाकाम साबित होती है। प्रदूषण से जुड़ी एक स्टडी के अनुसार वायु प्रदूषण के चलते दिल्ली के बच्चों की आयु सीमा 12 साल कम हो गई है। श्री यादव ने कहा कि केजरीवाल सरकार प्रदूषण नियंत्रण के लिए मिले फंड 742.69 करोड़ में से सिर्फ 29 प्रतिशत ही खर्च कर पाई है, प्रदूषण नियंत्रण के लिए कोई ठोस कदम क्यों नही उठाया, गोपाल राय इसका जवाब दें? 24 करोड़ की लागत से बने स्मॉग टावर कोई काम नही कर रहे है।

दिल्ली मीडिया एसोसिएशन (डीएमए) की कार्यकारिणी बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण फैसले

लोकतंत्र के चौथे पिलर के प्रति सरकारों का रुख उदासीन

❍ पत्रकारों की सुरक्षा, इलाज व पेंशन आदि का मुद्दा रहा चर्चा का केंद्रबिंदु।

एनसीआर समाचार

नई दिल्लीः दिल्ली मीडिया एसोसिएशन (रजि.) की कार्यकारिणी बैठक हुई जिसकी अध्यक्षता डॉ बी आर चौहान जी एवम संचालन वेद प्रकाश शर्मा जी (महासचिव) द्वारा किया गया। जिसमे मीडिया से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई एवम सभी सदस्यों महेश मिश्रा, शैलेन्द्र शास्त्री आदि ने अपने अपने सुझाव रखे।

बैठक में लघु समाचार पत्र एवम फ्रीलांसर पत्रकारों ने भी हिस्सा लिया। जहा मीडिया क्षेत्र से जुड़े लोगों के भविष्य एवम कल्याण की बात हुई तो वोही इस

क्षेत्र से जुड़े लोगों के प्रति सरकार को उदासीनता का भी अवलोकन किया गया। डॉ. बी आर चौहान (अध्यक्ष) ने बताया की दिल्ली में लघु समाचार पत्र पत्रिकाओं एवम श्रमजीवी पत्रकारों की हालत दयनीय है जहा अन्य राज्य इनको पेंशन व विज्ञापन दे बढ़ावा दे रहे है। दिल्ली सरकार, दिल्ली के पत्रकारों के प्रति कोई संवेदना नहीं रखती न ही केंद्र सरकार भी न ही कोई समुचित प्रावधान कर रही है यहां तक पत्रकारों को परिवार सहित मिलने वाली रेल यात्रा में 50% छूट को भी रोक दिया है।

बाकी और भी कई विषयों पर चर्चा हुई लेकिन मुख्य विषयों को क्रियांवित करने के लिए सर्वसम्मति से रेजोल्यूशन पास किया गया एवम पांच सदस्यों (डॉ. चौहान, वेद प्रकाश शर्मा, महेश मिश्रा शैलेंद्र शास्त्री व डॉक्टर प्रदीप कुमार केसरी) की टीम का गठन कर आगे की रणनीति तैयार करने का जिम्मा सौंपा गया।

जैसे जैसे डिजिटलाइजेशन को बढ़ावा मिल रहा है वैसे वैसे पत्रकारिता के क्षेत्र में भी बहुत बदलाव आया है इसलिए डिजिटलाइजेशन व लघु पत्र पत्रिकाओं द्वारा पत्रकारिता को एक नया आयाम मिल रहा है, हर वर्ग (मुख्यता युवा वर्ग) के काफी प्रभावशाली लोग इससे समाज सेवा की भावना से जुड़ रहे है लेकिन सुविधाओं, प्रशिक्षण व मान्यता न प्राप्त होने से काफी मुश्किलों का सामना कर रहे है जिसके चलते काफी लोगो को इसको बंद करना पडा इसलिए इसके लिए डीएमए रणनीति तैयार करेगा एवम सरकार से इनके संरक्षण की मांग रखेगा।

बैठक में कई वरिष्ठ पत्रकार जिनमे सर्वश्री अजब सिंह, जनार्दन मिश्रा जी के अतरिक्त शिव कुमार अग्रवाल, जयदेव जी, महेश मिश्रा जी, योगेश भट्ट, प्रदीप कुमार केसरी शैलेश शास्त्री, चांदना पॉल, के के सिन्हा, एवम आदि सम्मिलित हुए एवम अपने अपने विचार रखे। सर्वसम्मति से डीएमए की सदस्यता को एक साल बाद फिर से जल्द खोला जाएगा एवम सदस्यता की योग्यता व पात्रता पूर्ण करने वालों को ही डीएमए में सम्मिलित किया जाएगा।

बैठक के कुछ अति गहन मुद्दे:-

1) पत्रकारों की पेंशन एवम साथ ही परिवार की भी सुरक्षा, निजी अस्पतालों में मुफ्त इलाज कार्ड आदि की मांग।
2) लोकतंत्र के चौथे पिलर माने जाने वाले पत्रकारिता के प्रति सरकारों का रुख उदासीन क्यो है
3) डिजिटल मीडिया (ई चैनल व ई पेपर) व लघु समाचार पत्र पत्रिकाओं को संगठित कर उनको सरकार द्वारा मान्यता एवम सुविधा दिलाना।
4) अगर हमारी मांगों पर सरकार जल्द कोई फैसला नहीं लेती तो हम जल्द ही पूरे देश के मीडिया बंधुओं को एकत्रित कर ठोस कदम उठाए जाएंगे अगर आवश्यकता पड़ी तो देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया जाएगा।
5) जल्दी ही डीएमए द्वारा पत्रकार संगोष्ठी का आयोजन करेगी जिसमे विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को डीएमए द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

एक नजर

रियल एस्टेट कारोबारी से दो करोड़ की रंगदारी मांगी

नई दिल्ली, एजेंसी। वसंत विहार इलाके में एक रियल एस्टेट कारोबारी से लॉरेंस विश्नोई गैंग के गुर्गों ने दो करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी है। पैसे न देने पर कारोबारी को अंजाम भुगतने की धमकी दी गई है। कारोबारी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि फोन करने वाला खुद को गोल्डी बरार बता रहा था। फिलहाल वसंत विहार थाना पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस उपायुक्त रोहित मीणा ने बताया कि पीड़ित कारोबारी अपने परिवार के साथ वसंत विहार में रहते हैं। पुलिस को दी शिकायत में उन्होंने बताया कि वह अपने घर पर मौजूद थे। इसी दौरान उनके फोन पर किसी अज्ञात नंबर से व्हाट्सऐप कॉल आई। कॉलर ने दो करोड़ रुपये मांगे। कारोबारी ने पैसे नहीं होने की बात कही तो आरोपी ने उन्हें धमकी देते हुए पैसे न देने पर अंजाम भुगतने के लिए कहा और कॉल काट दी। स्थानीय पुलिस के साथ ही जिला की स्पेशल स्टाफ, एएटीएस सहित कई अन्य टीमें मामले की जांच कर रही है।

पिता से परेशान किशोरी ने फिनायल पी लिया

नई दिल्ली, एजेंसी। कल्याणपुरी इलाके में शुक्रवार को रिश्तों को शर्मसार करने वाला एक मामला सामने आया है। यहां एक पिता पिछले काफी समय से अपनी 11 वर्षीय बेटी के साथ अश्लील हरकतें करते हुए किशोरी के साथ यौन शोषण कर रहा था। मामला सामने उस समय आया जब शुक्रवार को पिता की इस हरकत से परेशान होकर किशोरी ने आत्महत्या की कोशिश कर डाली। किशोरी को जब अपने पिता से बचने का कोई रास्ता नहीं मिला तो वह इतना परेशान हो गई कि उसने घर में रखा फिनायल पी लिया और जान देने की कोशिश की। उसे आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के बाद किशोरी की हालत स्थिर है। पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है।

10 मंजिला इमारत में लगी आग, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। विकासपुरी स्थित एक 10 मंजिला इमारत में शनिवार सुबह अचानक आग लग गई। आग इमारत की चौथी मंजिल पर लगी। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस और दमकल को दी। सूचना के बाद दमकल की नौ गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकल कर्मियों ने एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस बीच पूरी बिल्डिंग से 40 से 50 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। विकासपुरी थाना पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है। दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि शनिवार सुबह 8.10 बजे दमकल विभाग को विकासपुरी एच ब्लॉक स्थित एसबीआई अपार्टमेंट की बिल्डिंग में आग लगने की सूचना मिली। मौके पर पहुंचकर पता चला कि 10 मंजिला इमारत के चौथे तल पर आग लगी है। फायर ऑफिसर अमित ने बताया कि आग चौथे तल के घरेलू सामान में लगी थी। मकान में रहने वाले बाहर गए हुए थे। वहीं, धुआं तेजी से ऊपर के फ्लोर में जा रहा था। एक टीम कमरे का लॉक तोड़कर आग बुझाने लगी। दूसरी टीम ने सभी फ्लोर के प्रत्येक कमरे में आवाज लगाकर लोगों को बाहर निकाला।

कारों के टायर चोरी करने वाला गिरोह पकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्रेटर कैलाश थाना पुलिस ने 29 अगस्त को लग्जरी कारों के रिम और टायर चोरी करने वाले गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में चार चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले विशाल ढींगरा, बलविंदर, लव राघव और अनिकेत और चोरी की संपत्ति खरीदने वाला फहीम शामिल है। आरोपियों के पास से दो कारें, कार जैकिंग उपकरण और महंगी कारों के 16 टायर और रिम बरामद हुए हैं। इन आरोपियों की गिरफ्तारी एसआई पंकज, एएसआई कमलेश, हेडकांस्टेबल सुरेन्द्र और महेश की टीम ने की है।

मेडिकल उपकरण उड़ाने वाला आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। साकेत थाना पुलिस ने 29 अगस्त को अस्पताल से महंगे चिकित्सा उपकरण चोरी कर ऑनलाइन बेचने वाले एक शख्स को गिरफ्तार किया है। आरोपी योगेश कुमार के पास से पांच लाख रुपये के दो चोरी के चिकित्सा उपकरण बरामद किए गए हैं। पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि साकेत थाना पुलिस को मैक्स अस्पताल से चिकित्सा उपकरणों की चोरी की एक शिकायत मिली थी। एसएचओ दिनेश कुमार, एसआई कपिल, एएसआई गिरिराज की टीम ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह नारायणा विहार स्थित एक कंपनी में काम करता है जो अस्पतालों में मेडिकल उपकरण सप्लाई करने का काम करती है। आरोपी ने बताया कि 13 अगस्त को वह कंपनी का पहचान पत्र दिखाकर अस्पताल में गया था और फिर चोरी कर वहां से फरार हो गया।

नाबालिग के साथ मिलकर करता था झपटमारी, धरे

नई दिल्ली, एजेंसी। पालम गांव थाना पुलिस ने 29 अगस्त को एक झपटमार और उसके नाबालिग साथी को पकड़ा है। आरोपी सागर पंवार के पास से चोरी की एक सोने की चेन, एक बाइक और स्कूटी बरामद हुई है। पुलिस उपायुक्त रोहित मीणा ने बताया कि 24 अगस्त को पालम थाना पुलिस को एक महिला ने अपने साथ हुई झपटमारी की शिकायत दी थी। पुलिस ने शिकायत पर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। एसआई राजेश, हेडकांस्टेबल परशुराम की टीम ने घटनास्थल से सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया और फुटेज की मदद से आरोपियों का एक रूट मैप तैयार किया। इसके बाद आरोपियों को दबोच लिया।

मोबाइल के साथ झपटमार पकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। मादीपुर पुलिस चौकी में तैनात पुलिसकर्मियों ने 30 अगस्त को आधा दर्जन से ज्यादा आपराधिक वारदात को अंजाम दे चुके एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी विशाल के पास से दो मोबाइल फोन, एक चोरी की मोटरसाइकिल और स्कूटी बरामद हुई है। पुलिस उपायुक्त विचित्र वीर ने बताया कि 29 अगस्त को पंजाबी बाग पुलिस को मोबाइल झपटमारी की शिकायत मिली थी। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। एसआई संदीप बिश्नोई, एसआई सविता सोलंकी और हेडकांस्टेबल देवेंद्र की टीम ने घटनास्थल के पर लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की और तकनीकी निगरानी और मैनुअल इंटेलिजेंस की मदद से आरोपी की पहचान की। इसके बाद उसके घर पर छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

मालवीय नगर में खून से लथपथ बुजुर्ग का शव मिला

नई दिल्ली, एजेंसी। मालवीय नगर इलाके में शुक्रवार देर रात एक बुजुर्ग का शव उसके घर में संदिग्ध हालत में मिला है। घर का गेट न खुलने पर पड़ोसी ने मामले की सूचना पुलिस को दी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारी का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत के कारणों का पता चल पाएगा। पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि 68 वर्षीय कुलदीप टंडन बी ब्लॉक, मालवीय नगर में पत्नी के साथ रहते थे। उनके परिवार में पत्नी के अलावा एक बेटा है।

बरेली में कुल की रस्म के साथ उर्स का समापन, सड़कों पर जायरीनों का सैलाब

एनसीआर समाचार

बरेली। बरेली में आला हजरत के कुल की रस्म के साथ शनिवार को तीन दिवसीय उर्स का समापन हो गया। कुल की रस्म में देशभर के लाखों जायरीन शामिल हुए। दोपहर के वक्त तेज धूप होने के बावजूद रजा के दीवानों के कदम नहीं रुके। उर्स स्थल इस्लामिया इंटर कॉलेज का मैदान पूरी तरह खचाखच भर गया। आला हजरत इमाम अहमद रजा खां फाजिले बरेलवी के 106वें उर्स-ए-रजवी में शनिवार दोपहर दो बजे के बाद कुल की रस्म अदा की गई। इसी के साथ तीन रोजा उर्स का समापन हो गया। उर्स के समापन के बाद जायरीनों की वापसी का सिलसिला शुरू हुआ तो शहर की सड़क पर जायरीनों का सैलाब दिखाई दिया। उर्स में ढाई लाख जायरीन शामिल होने का दावा किया गया है। भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। शहर में रूट डायवर्जन लागू किया गया है। उर्स-ए-रजवी में कुल की रस्म से पहले देश-विदेश से आए उलमा ने तकरीरें दीं। कारी इकबाल रजा मुरादाबादी ने कहा कि मसलक आला हजरत ही मसलक अहले सुन्नत और मसलक ए हक है। इसी पर सख्ती से कायम रहे। मौलाना सलीम रजा ने सोशल मीडिया के इस्तेमाल को लेकर तकरीर दी।

मुफ्ती इमरान हनीफ ने कहा कि आज दुनिया का सबसे बड़ा समाज सुधारक हमारे कोई है तो हमारे पैगंबर ए इस्लाम हैं, जिन्होंने इंसान के हक के लिए आवाज को बुलंद किया है। आला हजरत के कुल में शनिवार को रजा के दीवानों का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही जायरीनों का हुजूम उर्स स्थल पर पहुंचने लगा। इस्लामियां इंटर कॉलेज का मैदान में जायरीनों से खचाखच भर गया। दोपहर करीब ढाई बजे आला हजरत के कुल की रस्म अदा की गई।

सीबीगंज के मथुरापुर स्थित मदरसा जमीयतुर्रजा में शुक्रवार को आला हजरत उर्स के मौके पर इमाम अहमद रजा इंटरनेशनल कॉफ्रेंस का आयोजन किया गया। इसमें आला हजरत की जिंदगी पर रोशनी डालने के साथ समाजी मुद्दों पर भी चर्चा हुई। इसके बाद मुफ्ती-ए-आजम के कुल शरीफ की रस्म अदा की गई। कालपी शरीफ से आए सज्जादानशीं सैयद गयास-ए-मिल्लत ने कहा कि बरेली शरीफ से हमेशा अमन का पैगाम दिया जाता है।

मुल्कभर में बेकसूर मुसलमानों पर जुल्म व ज्यादती की जा रही है, हर तरफ मुसलमानों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे सब्र का इम्तिहान न लें।

एकेटीयू : 120 करोड़ की ठगी का सूत्रधार गिरफ्तार

एनसीआर समाचार

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) के 120 करोड़ रुपये ठगी के मामले में साइबर क्राइम थाने की पुलिस ने ठगी के बड़े सूत्रधार को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने ही डोमेन खरीदकर एकेटीयू और यूनियन बैंक की फेक वेबसाइट बनाई थीं। वहीं ठगी की रकम ठिकाने लगाने में भी मुख्य भूमिका रही। शुक्रवार को आरोपी कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेजा गया। इंस्पेक्टर साइबर क्राइम थाने के इंस्पेक्टर बृजेश कुमार यादव ने बताया कि मामले में गुजरात के भरूच निवासी अजय सुरेश भाई पटेल को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से ठगी की रकम से खरीदी गई एससयूवी भी बरामद की गई। पुलिस ने दावा किया है कि अजय ठगी के गिरोह के अहम किरदारों में से एक है। वह ठगी के मास्टरमाइंड फरार आरोपी कपिल मुनि का करीबी है। उसने श्री श्रद्धा एजुकेशनल ट्रस्ट के ट्रस्टी से कपिल की मुलाकात कराई थी। तब तय हुआ था कि ठगी की बड़ी रकम ट्रस्ट के खाते मे भेजी जाएगी। तभी 120 करोड़ में से 100 करोड़ रुपये ट्रस्ट के खाते में भेजे गए थे। आरोपी अजय पेशे से ठेकेदार है।

इस तरह फर्जी वेबसाइटों का हुआ इस्तेमाल...इंस्पेक्टर ने बताया कि बैंक और विवि की फर्जी वेबसाइट का ब्योरा एक-दूसरे से साझा किया गया। एकेटीयू के अधिकारियों से जब आरोपी अनुराग बैंक मैनेजर बन मिला था तो जो विजिटिंग कार्ड दिया था, उसमें बैंक की फेक वेबसाइट दर्ज की गई थी। जिससे अगर कोई उस वेबसाइट पर जाता तो उसमें बैंक मैनेजर के तौर पर अनुराग की फोटो व उसका विवरण दर्ज मिलता।

एक नजर

किशोरी के साथ दुष्कर्म के दोषी को 25 साल का कारावास

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले की एक स्थानीय अदालत ने 16 साल की एक किशोरी को अगवा कर उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में एक व्यक्ति को दोषी करार देते हुए उसे 25 साल के कारावास और 30,000 रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, भीमपुरा थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली किशोरी को इसी थाना क्षेत्र के गोविंदपुर गांव के रहने वाले हरिवृंद सिंह ने 30 मई 2023 को अगवा कर उसके साथ दुष्कर्म किया था। मामले में किशोरी के पिता की तहरीर पर हरिवृंद के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 363 (अपहरण), 366 (शादी के लिए मजूबर करना, अगवा करना) और 376 (बलात्कार) के साथ ही यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत नामजद मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अदालत में आरोपी के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया। पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर ने बताया कि अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम कांत की अदालत ने शुक्रवार को दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आरोपी को दोषी करार देते हुए उसे 25 साल के कारावास की सजा सुनाई और उस पर 30,000 रुपये का जुमार्ना भी लगाया।

मुजफ्फरनगर पुलिस ने 103 अपराधियों की 'हिस्ट्रीशीट' खोली

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले की पुलिस ने गंभीर अपराधों में बार-बार लिप्त पाए जाने वाले आदतन अपराधियों पर नजर रखने के लिए कुल 103 लोगों की 'हिस्ट्रीशीट' खोली है। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) आदित्य बंसल ने बताया, 'हमने ऐसे 103 व्यक्तियों की पहचान की है, जो लूट, हत्या, अवैध पशु वध सहित अन्य गंभीर अपराधों में पिछले तीन वर्षों में बार-बार संलिप्त मिले हैं। इन व्यक्तियों की 'हिस्ट्रीशीट' शुक्रवार को खोली गई। 'हिस्ट्रीशीट' वह रिकॉर्ड है, जिसमें पुलिस थाने व्यक्ति का आपराधिक इतिहास दर्ज करके रखते हैं। बंसल ने कहा कि 'हिस्ट्रीशीट' खोलने से आदतन अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रखी जा सकेगी, जिससे अंततः कानून-व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिलेगी। बंसल ने बताया कि मुजफ्फरनगर के 11 पुलिस थानों में आदतन अपराधियों की 'हिस्ट्रीशीट' खोली गई है। उन्होंने बताया कि भोपा पुलिस थाना में सबसे ज्यादा 19 लोगों की, जबकि बुढ़ाना पुलिस थाना में 17 लोगों की 'हिस्ट्रीशीट' खोली गई है।

अनुग्रह राशि हड़पने के आरोप में ग्राम प्रधान के खिलाफ प्राथमिकी

बलरामपुर। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिले में कुआनो नदी में चार बहनों की डूबकर मौत होने के मामले में पीड़ित परिवार को दी गई छह लाख रुपये की आर्थिक सहायता हड़पने के आरोप में ग्राम प्रधान के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। जिलाधिकारी पवन अग्रवाल ने शनिवार को बताया, 8 जून 2024 को कालू बनकट गांव में कुआनो नदी में डूबकर चार सगी बहनों की मौत हो गई थी। आर्थिक सहायता के तहत पीड़ित परिवार के बैंक खाते में 16 जुलाई को 16 लाख रुपये भेजे गए थे। अग्रवाल के अनुसार, मृतक लड़कियों की मां जन्नातुन्न निशा ने अधिकारियों को पैसा देने के नाम पर ग्राम प्रधान पर सहायता राशि के छह लाख रुपये हड़पने का आरोप लगाया था। उन्होंने बताया कि आरोपों की जांच उप-जिलाधिकारी से कराई गई। अग्रवाल के मुताबिक, जांच में ग्राम प्रधान जाबिर द्वारा आपदा सहायता राशि के छह लाख रुपये हड़पने का आरोप सही पाया गया, जिसके बाद उसके खिलाफ शुक्रवार को मुकदमा दर्ज किया गया।

भदोही में घर में घुसकर नवविवाहिता से बलात्कार, मामला दर्ज

भदोही (उप्र)। भदोही जिले के औराई थाना क्षेत्र में घर में अकेली पाकर एक 20 वर्षीय नवविवाहिता से एक व्यक्ति ने कथित तौर पर दुष्कर्म किया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। औराई थाना के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) सच्चिदानंद पांडेय ने मामले में दर्ज प्राथमिकी के हवाले से बताया कि थाना क्षेत्र के एक गांव में 26 अगस्त की देर शाम यह घटना तब हुई जब पीड़ित महिला (20) का पति घर से कहीं बाहर गया था और वह घर पर अकेली थी। पांडेय ने बताया कि घमहापुर गांव निवासी राहुल (28) ने महिला को पैसे का प्रलोभन देकर पहले अवैध संबंध बनाने का प्रयास किया, लेकिन उसके विरोध करने पर उसका मुंह दबाकर उससे बलात्कार किया। उन्होंने बताया कि महिला ने पति के आने पर घटना के बारे में बताया और इसके बाद दोनों ने शुक्रवार को थाने में मुकदमा दर्ज कराया। पांडेय ने कहा कि महिला की तहरीर के आधार पर एक दूसरे समुदाय के आरोपी राहुल के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 64 [1] (बलात्कार), 351[2] (आपराधिक धमकी) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की विधिक प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

उत्तर प्रदेश के 67 जिलों में 1,174 केंद्रों पर पुलिस भर्ती परीक्षा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के 67 जिलों में 1,174 केंद्रों पर शनिवार को पांचवें और अंतिम दिन पुलिस भर्ती परीक्षा आयोजित की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि परीक्षा से पहले जिलों के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने बताया कि 23, 24, 25, 30 और 31 अगस्त को दो पालियों में पुलिस भर्ती परीक्षा कराई गई। प्रशन पत्र लीक होने के आरोपों के बाद 17 और 18 फरवरी को आयोजित पुलिस भर्ती परीक्षा रद्द कर दी गई थी। प्रदेश में पुलिस के 60,000 से अधिक पदों को भरने के लिए नये सिरे से परीक्षा कराना आवश्यक हो गया था। उत्तर प्रदेश राज्य परिवहन निगम विभिन्न जिलों में अभ्यर्थियों को मुफ्त बस सेवाएं उपलब्ध करा रहा है।

डॉक्टर पर गलत ढंग से छूने का आरोप झूठा निकला

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में एक त्वचा रोग विशेषज्ञ पर लगा एक महिला मरीज को गलत तरीके से छूने का आरोप जांच में झूठा निकला। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने बताया कि डॉ. रिजवान खान पर एक महिला ने जांच के नाम पर गलत तरीके से छूने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि मामले की तत्काल जांच कराई गई और सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण में पाया गया की डॉ. खान केबिन के बाहर से ही मरीज को देख रहे थे। डॉ. खान ने कहा, 'मंगलवार को एक महिला मरीज त्वचा की समस्या लेकर आई थी, जिसकी केबिन में महिला कर्मचारी द्वारा जांच की गई। जांच के दौरान महिला का पति भी केबिन में मौजूद था। मैंने केबिन के बाहर से ही महिला का हाथ 'मैग्निफाइंग लेंस' से देखा। डॉ. खान ने बताया कि जांच के बाद महिला दवा लेकर चली गई, लेकिन आधे घंटे के बाद वह लौटी और नर्सिंग होम में हंगामा करते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने उसे गलत तरीके से छूआ है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस घटना के बाद जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने नर्सिंग होम के मालिकों के साथ बैठक की और अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरे चालू रखने के निर्देश दिए। उन्होंने समय-समय पर नर्सिंग होम के निरीक्षण के लिए एक टीम भी गठित की।

करंट की चपेट में आने से बालिका की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

एनसीआर समाचार

औरैया। औरैया जिले के अजीतमल में घर के बाहर खेलते समय बिजली पोल में आ रहे करंट की चपेट में आकर एक बच्ची बुरी तरह से झुलस गई। जानकारी होने पर परिजन बच्ची को लेकर सीएचसी अजीतमल पहुंचे। डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सोनासी गांव निवासी शिवानंद, मजदूरी कर अपनी पत्नी कल्पना, पुत्र सम्राट, पुत्रियों महक और मिनी का भरण पोषण करता है। शनिवार की सुबह करीब साढ़े छह बजे उसकी पुत्री महक (7) जो कक्षा 01 में पढ़ती है, घर के बाहर खेल रही थी। खेलते हुए वह चबूतरे के पास गली में लगे बिजली के पोल के पास चली गई। जहां पोल में अर्थिंग के लिए लपेटे गए खुले तार में प्रवाहित करंट की चपेट में वह आ गई। इसी दौरान उधर से गुजर रहे ग्रामीणों की उस पर नजर पड़ी। तो उन्होंने परिजनों को सूचना दी। परिजन घायल महक को सीएचसी अजीतमल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों उसे घर ले गए और बिजली विभाग की लापरवाही बताते हुए मुआवजे की मांग की।

सूचना पर पुलिस क्षेत्राधिकारी अशोक कुमार सिंह कोतवाली के क्राइम इंस्पेक्टर रुद्र प्रताप त्रिपाठी के साथ मौके पर पहुंचे। जहां उन्होंने परिजनों से वार्ता कर उन्हें समझाया। साथ ही बिजली विभाग इटावा को भी सूचना करते हुए कार्रवाई कराए जाने का आश्वासन दिया।

सिविल लाइंस में मसाज पार्लर की आड़ में चल रहा था सेक्स रैकेट, विदेशी युवती भी शामिल, 13 हिरासत में

एनसीआर समाचार

प्रयागराज। सिविल लाइंस में रोडवेज बस अड्डे के ठीक बगल स्थित मॉल में स्पा सेंटर की आड़ में सेक्स रैकेट की सूचना पर शुक्रवार शाम छापा मारा गया। एक वीडियो वायरल होने के बाद मारे गए छापे में चार स्पा सेंटरों से 13 महिलाओं व युवतियों समेत 20 लोग हिरासत में लिए गए। इनमें से एक महिला संचालक व दो मैनेजर भी शामिल हैं। तीन स्पा सेंटरों के संचालकों की देर रात तक तलाश चलती रही। वहीं चारों स्पा सेंटरों को सील कर दिया गया है।

शुक्रवार शाम साढ़े तीन बजे के करीब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रयागराज पुलिस को टैग करते हुए एक यूजर ने ट्वीट कर आरोप लगाया कि सिविल लाइंस में स्पा सेंटर की आड़ में सेक्स रैकेट चलाए जा रहे हैं। इनमें विदेशी मूल की महिलाओं को भी रखा गया है। ट्वीट में एक वीडियो भी पोस्ट किया गया जिसे स्पा सेंटर का बताया गया। इसमें वीडियो बनाने वाले युवक की कुछ लोगों से नोकझोंक की बात सुनाई देती है और एक विदेशी समेत कुछ महिलाएं भी दिखती हैं। ट्वीट की जानकारी अफसरों तक पहुंची तो हड़कंप मच गया और इसके बाद देर शाम रोडवेज बस अड्डे के ठीक बगल स्थित पी स्क्वॉयर मॉल में छापा मारा गया। यहां चार स्पा सेंटरों में पुलिस के पहुंचते ही अफरातफरी मच गई। इस दौरान अन्य लोग भाग निकले जबकि 13 महिलाओं व युवतियों समेत 20 लोग हिरासत में ले लिए गए। इनमें से एक नाइजीरियन मूल की भी महिला शामिल है। पकड़ी गई महिलाओं में से एक ने खुद को स्पा सेंटर संचालक बताया जबकि पुरुषों में से दो ने बताया कि वह अलग-अलग स्पा सेंटरों के मैनेजर हैं। चारों स्पा सेंटर सील करते हुए हिरासत में लिए गए लोगों को थाने लाया गया। महिलाओं व युवतियों को महिला थाने जबकि पुरुषों को सिविल लाइंस थाने में रखकर देर रात तक पूछताछ चलती रही। एसीपी सिविल लाइंस श्वेताभ पांडेय ने बताया कि हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ चल रही है।

असली नाम कुछ और फर्जी नाम से कर रही थीं काम...सूत्रों के मुताबिक, प्रारंभिक पूछताछ में यह बात सामने आई कि पकड़ी गई महिलाओं व युवतियों में से एक को छोड़कर अन्य सभी स्पा सेंटरों में काम करती हैं। यह अलग-अलग शहरों की हैं और प्रयागराज में किराये के कमरे लेकर रहती हैं। खास बात यह कि स्पा सेंटरों में वह फर्जी नाम से काम करती हैं जबकि इनके असली नाम कुछ और हैं। अफसरों ने बताया कि वह यहां कैसे पहुंचीं, विस्तृत पूछताछ के बाद ही पता चलेगा।

पुलिस की नाक के नीचे कैसे चल रहा था खेल?...पूरे मामले में स्थानीय पुलिस पर भी सवाल उठ रहे हैं। सवाल यह है कि पुलिस की नाक के नीचे स्पा सेंटर की आड़ में चल रहे खेल की भनक कैसे नहीं लगी। मॉल रोडवेज बस अड्डे के ठीक बगल स्थित है। 500 मीटर की दूरी पर दो पुलिस चौकियां व एक किमी की दूरी पर थाना स्थित है। ऐसे में बड़ा सवाल है कि पुलिस को इसकी जानकारी कैसे नहीं हो पाई।

कौन है अतीक का करीबी समीर?... जिस ट्वीट पर पुलिस के एक्शन में आने के बाद इस पूरे खेल का भंडाफोड़ हुआ, उसमें लिखा एक नाम भी इस पूरे प्रकरण में बड़ा रहस्य है।

बदल रहा है गोरखपुर: CM योगी एशिया के पहले राजगिद्ध संरक्षण केंद्र का करेंगे उद्घाटन

एनसीआर समाचार

गोरखपुर देश ही नहीं एशिया में राजगिद्ध (रेड हेडेड वल्चर) के संरक्षण के लिए गोरखपुर वन प्रभाग के कैम्पियरगंज रेंज में स्थापित ह्यजटायु संरक्षण एवं प्रजनन केंद्रह्ण का उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। इसके लिए 6 सितंबर की तिथि प्रस्तावित है।

इस जटायु संरक्षण केंद्र का शिलान्यास भी मुख्यमंत्री ने 7 अक्टूबर 2020 को किया था। जटायु संरक्षण केंद्र का उद्घाटन करने के बाद 6 सितंबर को ही मुख्यमंत्री स्मार्ट विलेज के रूप में विकसित मानीराम क्षेत्र के सोनबरसा गांव में 634.66 करोड़ रुपये की पांच विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी करेंगे। राजगिद्ध जटायु की गाथा तो रामायण काल से ही सभी जानते हैं लेकिन पर्यावरणीय खतरे के चलते जटायु के वंशजों के अस्तित्व पर ही संकट आ गया। योगी सरकार ने इस संकट को दूर करने का संकल्प लिया है। राजगिद्ध के संरक्षण व संवर्धन के लिए गोरखपुर वन प्रभाग के कैम्पियरगंज (भारीवैसी) में जटायु संरक्षण व संवर्धन केंद्र बनाया गया है। इस केंद्र के जरिये राजगिद्धों की संख्या बढ़ेगी ही, विलुप्त होती प्रजातियों में शामिल इन जीवों को देखने के लिए सैलानियों की आमद बढ़ने से ईको टूरिज्म को भी बढ़ावा मिलेगा।

जटायु संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र की स्थापना पर कुल 2 करोड़ 80 लाख 54 हजार रुपये की लागत आई है। इसमें ब्रीडिंग एवरी, होल्डिंग एवरी, हॉस्पिटल एवरी, नर्सरी एवरी, वेटनरी सेक्शन, प्रशासनिक भवन, रिकवरी एवरी, गार्डरूम, जेनरेटर रूम, पाथवे का निर्माण किया गया है।इस केंद्र में कुल 8 स्टाफ कार्यरत हैं। जटायु संरक्षण केंद्र में कुल 6 राजगिद्धों (नर एवं मादा) को लाया जा चुका है।

यहां राजगिद्धों गिद्धों की निगरानी की सीसी कैमरों से की जाएगी। गोरखपुर के प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) विकास यादव के मुताबिक पांच हेक्टेयर जमीन पर बनाए गए इस केंद्र के लिए बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी और प्रदेश सरकार के बीच में समझौता हुआ है।

मुस्लिम पहचान छिपाकर युवती से की शादी, धर्म परिवर्तन कराया

एनसीआर समाचार

लखनऊ। ताज मोहम्मद ने बबलू बनकर युवती को प्यार के जाल में फंसाया और भगाकर शादी कर ली। ससुराल पहुंचने पर युवती को पता चला कि पति मुस्लिम है। विरोध पर जबरन धर्म परिवर्तन करा दिया गया। इस दौरान युवती ने दो बेटियों को जन्म दिया। आरोपी ने दूसरी युवती से निकाह कर लिया और सऊदी अरब चला गया। वहां से लौटा तो पीड़िता को तीन तलाक दे दिया। युवती ने शुक्रवार को निगोहां थाने में केस दर्ज कराया है। निगोहां के डीहा गांव निवासी नीलम मिश्र के अनुसार, कुछ साल पहले ताज मोहम्मद ने खुद को हिंदू बताकर प्यार के जाल में फंसाया था। शादी के बाद जबरन धर्म परिवर्तन कराके उनका नाम नाजिया रखवा दिया था। वह इतनी यातनाएं सिर्फ अपनी बच्चियों के लिए सहती रही। ताज ने वर्ष 2021 में शाजिया नाम की युवती से निकाह कर लिया और सऊदी अरब चला गया। पीड़िता के अनुसार, 25 जून 2024 को ताज लौटा और मारपीट कर उन्हें घर से भगा दिया। इसके बाद वह भाई शाश्वत मिश्रा के साथ रहने लगीं। आरोप है कि 24 अगस्त की शाम ताज उनके भाई के घर पहुंचा और मारपीट करते हुए तीन तलाक बोलकर चला गया। आजिज आकर उन्होंने शुक्रवार को निगोहां थाने में केस दर्ज कराया है।

अफवाह फैलाकर कराया था बवाल ,वीडियो को देखकर पुलिस ने पहचाने चेहरे, गाजियाबाद दुष्कर्म कांड की पूरी कहानी

एनसीआर समाचार

गाजियाबाद। गाजियाबाद के साहिबाबाद के लिंक रोड इलाके में बृहस्पतिवार को दिनभर चले बवाल के मामले में पुलिस को साजिश होने की जानकारी मिली है। पुलिस का कहना है कि कुछ लोगों ने अफवाह फैलाकर लोगों को भड़काया था। इसके लिए किशोरी के साथ दुष्कर्म के मामले को सामूहिक दुष्कर्म का बताया गया। बवाल करने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की तैयारी है। पुलिस ने 250 अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है। बवाल के वीडियो को देखकर आरोपियों के चहेरे पहचानने का प्रयास किया जा रहा है।

एसीपी साहिबाबाद रजनीश कुमार उपाध्याय ने बताया कि एसआई रुस्तम सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। बवाल के दौरान ट्रैफिक जाम हो गया था। इसमें स्कूली बच्चे और एंबुलेंस भी फंस गई थी। आगजनी के डर से लिंक रोड क्षेत्र की दुकानें बंद हो गई थीं। पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। पूरे घटनाक्रम के वीडियो मिले हैं। वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। एहतियात के तौर पर पूरे इलाके में पुलिस तैनात है।

विधायक बोले- पुलिस समाजवादी पार्टी की...लोनी के भाजपा विधायक नंदकिशोर शुक्रवार को दुष्कर्म पीड़ित किशोरी के परिवार से मिले। विधायक ने मीडिया से बातचीत के दौरान पुलिस पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि यह पुलिस सरकार की नहीं, समाजवादी पार्टी की है। बड़े अफसर घटनास्थल पर क्यों नहीं आए। ये लोग परिवार से मिलने नहीं आएंगे क्योंकि झोला भरकर ऊपर नोट भेजते हैं। ऊपर उनके आका बैठे हैं, जो बेईमान हैं। उन्होंने कहा कि वह मुख्यमंत्री से बात करेंगे।

विधायक बोले- पुलिस समाजवादी पार्टी की...लोनी के भाजपा विधायक नंदकिशोर शुक्रवार को दुष्कर्म पीड़ित किशोरी के परिवार से मिले। विधायक ने मीडिया से बातचीत के दौरान पुलिस पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि यह पुलिस सरकार की नहीं, समाजवादी पार्टी की है। बड़े अफसर घटनास्थल पर क्यों नहीं आए। ये लोग परिवार से मिलने नहीं आएंगे क्योंकि झोला भरकर ऊपर नोट भेजते हैं। ऊपर उनके आका बैठे हैं, जो बेईमान हैं। उन्होंने कहा कि वह मुख्यमंत्री से बात करेंगे।

दुष्कर्म केस की पूरी कहानी...दरअसल, लिंक रोड थाना इलाके की एक कॉलोनी बुधवार शाम करीब पांच बजे रिक्शा चालक की 16 साल की बेटी के साथ घर में घुसकर दुष्कर्म किया गया। इस केस में नामजद कराए गए साहिबाबाद के शहीदनगर निवासी फैजान (20) को पुलिस ने बृहस्पतिवार सुबह दस बजे गिरफ्तार कर लिया। वह लिंक रोड क्षेत्र में कबाड़ी की दुकान पर काम करता है। पीड़िता और आरोपी अलग-अलग समुदाय के होने की वजह से तनाव की स्थिति बन गई।

घटना का पता चलने पर करीब 11 बजे हिंदू परिवार गौ रक्षक समेत कई संगठनों के लोग लिंक रोड थाने पर जमा हो गए। इन लोगों ने आरोपी को उनके हवाले किए जाने की मांग करते हुए पहले हंगामा-प्रदर्शन किया। इसके बाद सड़क पर जाम लगा दिया। प्रदर्शनकारी घटना को सामूहिक दुष्कर्म की बता रहे थे। आरोपी पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे थे।

उनके जमा होने से सड़क पर ट्रैफिक जाम हो गया। दिल्ली जाने और वहां से आने वाले लोगों को घूमकर लंबे रास्ते से जाना पड़ा। हंगामा बढ़ता देख साहिबाबाद, कौशांबी और इंदिरापुर थाने से भी पुलिस बल मंगा लिया गया। पुलिस अधिकारियों ने समझाया कि तहरीर के आधार पर ही केस दर्ज हुआ है। आरोपी पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। इस पर लगभग एक घंटा विरोध जताने के बाद वे लोग दोपहर 12 बजे लौट गए।

किशोरी को चांटे मारे, बाल खींचे...एफआईआर में किशोरी के पिता ने बताया है कि उनकी बेटी और आठ साल का बेटा घर पर थे। अन्य लोग काम पर गए हुए थे। फैजान घर में घुस गया। उसने बेटी के बाल खींचे, उसे चांटे मारे। बेटे ने विरोध किया तो उसे लात मारी। इसके बाद बेटी के मुंह पर रुमाल डाल दिया। इससे वह बेहोश हो गई। उसे जब होश आया तो पता चला कि उसके साथ गलत काम किया गया है। एसीपी रजनीश कुमार उपाध्याय ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। किशोरी का मेडिकल परीक्षण कराया जाएगा। साक्ष्य जुटाकर इस केस में कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कैस कलेक्शन एग्जीक्यूटिव से 3.12 लाख नगदी से भरा बैग लूटकर भागे बदमाश

मो. शाहिद

उत्तर प्रदेश: आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा करते हैं। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह मुरादाबाद पाक बड़ा थाना क्षेत्र में मंगलवार को 12:00 बजे कैश कलेक्शन एग्जीक्यूटिव से रास्ते में 3.12 लख रुपए से भरा बैग लूटने वाले ?5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। 5 आरोपियों ने एग्जीक्यूटिव की रेकीकरण वारदात को अंजाम दिया था एक आरोपी को घटना के समय पकड़ लिया था, जबकि चार को पुलिस ने पैसों का बटवारा करते समय धर दबोचा विधिक कार्रवाई कर पांच आरोपियों को जेल भेज दिया है। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि, कटघर के मिल्क कल्याणपुर निवासी सुनील कुमार अमेजॉन कंपनी में कैश कलेक्शन का काम करते हैं। कंपनी में वह एग्जीक्यूटिव के पद पर हैं मंगलवार दिन में करीब 12:00 सुनील नया मुरादाबाद के ग्रीन और किड कॉलोनी से लोदीपुर राजपूत बर्गर किंग से पैसे का कलेक्शन लेने के लिए जा रहे थे।

इसी दौरान भागलपुर अंडरपास से लोदीपुर की और थोड़ी दूरी पर सुनील की बाइक के आगे एक बदमाश ने अपनी बाइक लगा दी फिर कहा सुनी करने लगे इतने में दूसरी बाइक पर सवार तीन लुटेरे औरपहुंच गए चारों ने उसे पीटना शुरू कर दिया पैसों से भरा बैग छीन कर भाग निकले चीन जट्टी में सुनील ने एक बदमाश को पकड़ लिया इतने में ही उसका सौर सुनकर बाकी तीनों साथी छुड़ाने के लिए पहुंच गए। छात्रों को आता देख तीनों बदमाश एक बाइक पर सवार होकर मौके से भाग गए सूचना पर पहुंची पुलिस ने बरेली के शाही थाना क्षेत्र के डोली जवाहर लाल गांव निवासी मुकेश को गिरफ्तार कर लिया। वारदात के बाद एसपी सिटी ने एसओजी और पुलिस की संयुक्त टीम का गठन किया। बुधवार को पैसों को बटवारा करने के लिए चारों आरोपी एमडीए कॉलोनी सश के सेक्टर 6 में जर्जर मकान में इकट्ठा हुए थे इसी दौरान पुलिस ने उन्हें धर दबोचा आरोपियों की पहचान बरेली के हाफिजगंज थाने के अहमदाबाद निवासी प्रदीप सागर पुष्पेंद्र जीत रामपुर के पटवाई थाने के गांव सूरजपुर निवासी श्याम पुत्र वीरेंद्र प्रताप सिंह शहजाद नगर के मोमिनपुर अहमदाबाद निवासी कृष्ण सिंह पुत्र ओमप्रकाश बरेली के बहेड़ी थाना क्षेत्र के बकानिया कल का निवासी अनुज उर्फ पंकज पुत्र छोटेलाल शर्मा बरेली के शाही थाना के डोली जवाहरलाल निवासी मुकेश पुत्र हजारी के रूप में हुई फिलहाल श्याम कृष्ण और अनुज तीनों उत्तराखंड के रुद्रपुर जिले में रहते थे एसपी सिटी ने बताया है कि, आरोपियों के पास से3.05 लख रुपए बरामद किए हैं साथही एक तमंचा दो जिंदा कारतूस वारदात में शामिल दो बाइकों को कब्जे में लिया है चारों ने ?7000 खर्च कर लिए विधिक कार्यवाही कर 5 को जेल भेज दिया गया है।

मादक पदार्थों की दुकान होनी चाहिए विद्यालय एवं कोचिंग सेंटरों से दूर

अजय तोमर/मध्य प्रदेश: पोरसा विद्यालय एवं कोचिंग सेंटर के पास कोई भी मादक पदार्थ बिक्री की दुकान नहीं होनी चाहिए अगर दुकान पाई जाती है तो दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी बीआरसी शैलेंद्र सिंह तोमरआज बीआरसी कार्यालय में बीआरसी शैलेंद्र सिंह तोमर ने पत्रकारों से बात करते हुए बताया की विद्यालय एवं कोचिंग सेंटरों पर बच्चे पढ़ाई पढ़ते हैं उनके अंदर कोई गंदी आदत ना पड़े। इसके लिए शासन के द्वारा आदेश जारी किया गया है कि विद्यालय एवं कोचिंग सेंटर से 200 मीटर तक कोई शराब की दुकान नहीं होनी चाहिए तथा 100 मीटर की दूरी तक कोई भी बीड़ी सिगरेट गुटका की दुकान नहीं होनी चाहिए यदि यह दुकान विद्यालय तथा कोचिंग सेंटर के पास पाई जाएंगी तो दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी एवं पुलिस को सूचित किया जाएगा तथा वरिष्ठ कार्यालय को अवगत कराया जाएगा।

जम्मू में साइबर जागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

राजेश कुमार

जम्मू कश्मीर: साइबर पुलिस स्टेशन जम्मू द्वारा एनसीसी अकादमी नगरोटा जम्मू में साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जम्मू और रियासी जिले के विभिन्न स्कूलों से अकादमी के लगभग 400 कैडेटों ने भाग लिया। उन्हें बैंक/सिम केवाईसी धोखाधड़ी, अंशकालिक नौकरी धोखाधड़ी, निवेश घोटाले, कूरियर डिलीवरी धोखाधड़ी और सोशल मीडिया से संबंधित अपराध जैसे सेक्सटॉर्शन, प्रतिरूपण, सोशल मीडिया खातों की हैकिंग और विभिन्न अन्य अपराधों सहित विभिन्न साइबर अपराधों के बारे में जानकारी दी गई।

उन्हें इस तरह की धोखाधड़ी को रोकने के लिए अनचाहे कॉलों में शामिल न होने, किसी भी लेनदेन करने से पहले क्रेडेंशियल्स को सत्यापित करने, मुफ्त की बातों पर विश्वास न करने, मजबूत पासवर्ड और दो कारक प्रमाणीकरण आदि के साथ अपने खातों को सुरक्षित रखने जैसी आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी गई और इसकी रोकथाम के लिए साइबर अपराध से संबंधित जागरूकता का प्रसार करने की सलाह दी गई।

आप नेता रविंद्र मटरू की धर्मपत्नी का गांव बापडोली में हुआ भव्य स्वागत

सतीश हरियाणी

हरियाणा: आम आदमी पार्टी के प्रदेश संगठन मंत्री एवं नारनौल विधानसभा सीट से पार्टी के प्रबल उम्मीदवार रविंद्र सिंह मटरू की धर्मपत्नी श्रीमती दीपशिखा का शुक्रवार को नारनौल विधानसभा के गांव बापडोली में भव्य स्वागत किया गया।

इस अवसर पर मौजूद सैकड़ो महिलाओं ने उन्हें सम्मान सूचक पगड़ी पहनाकर व शॉल तथा चुनरी भेंटकर उनका भव्य स्वागत किया। पूरा गांव इस ऐतिहासिक मौके पर वहां मौजूद था। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए श्रीमती दीपशिखा ने कहा कि आम आदमी पार्टी की दिल्ली व पंजाब में आज सरकार है, जहां उन्होंने गरीब व मध्यम वर्ग के लोगों को काफी सुविधाएं दी है, जैसे की उनका बिजली का बिल माफ किया, पानी का बिल माफ किया, मौहल्ला

क्लीनिक पर लोगों को घर के पास ही फ्री इलाज एवं दवाइयां मुफ्त उपलब्ध कराई जा रही है।

उन्होंने कहा कि इसी प्रकार सरकारी स्कूलों का इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट स्कूलों से भी अच्छा हुआ है, जहां अब बड़े-बड़े अधिकारियों व बड़े लोगों के बच्चे भी पढ़ने आते हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा के अंदर आम आदमी पार्टी की सरकार बनेगी तो ये सभी सुविधाएं पार्टी सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल द्वारा आम आदमी को यहां भी मुहैया कराई जाएंगी। उन्होंने बताया कि उनके पति रविंद्र सिंह मटरू जो कि आम आदमी पार्टी के प्रदेश संगठन मंत्री है और पिछले कई सालों से पार्टी स्तर पर तथा सामाजिक स्तर पर चाहे आंखों के निशुल्क कैंपों के माध्यम से हजारों लोगों की आंखों को चेकअप करा, उन्हें दवाइयां एवं चश्में उपलब्ध कराएं हो, या 4 हजार से भी अधिक लोगों के मोतियाबिंद के ऑपरेशन गुरुग्राम के इंदिरा गांधी आई अस्पताल से कराएं हो, आम आदमी की परेशानी से जुड़ा कोई भी मुद्दा हो, या हिंदुओं के कोई भी त्योंहार हो, हम आम जनता के साथ अपने निवास पर मना कर आम लोगों की खुशियों में शामिल होते हैं।

उन्होंने कहा कि भगवान का दिया उनके पास सब कुछ है, अब उनकी पति रविंद्र सिंह मटरु व समस्त परिवार की यही इच्छा है कि हम भी इस क्षेत्र के लिए कुछ करें। यही भावना और संकल्प लेकर वो राजनीति में आए हैं। उन्होंने कहा उनके निवास 24 घंटे आम आदमी के लिए खुले हैं। हम राजनीति में भी पूरी ईमानदारी और पूरी निष्ठा के साथ आम जनता की सेवा करेंगे, ऐसा वह विश्वास दिलाती हैं।

जम्मू पुलिस ने संदिग्ध ड्रग हॉटस्पॉट सिकंदरपुर कोठी और आस-पास के इलाके में की छापेमारी

राजेश कुमार

जम्मू कश्मीर: ड्रग्स की समस्या से निपटने के लिए एक ठोस प्रयास में, सब डिवीजन आरएसपुरा की पुलिस टीम जिसमें एसएचओ पी/एस मीरां साहिब, एसएचओ पी/एस बिश्नाह शामिल थे, ने समाज से अवैध ड्रग तस्करी, तस्करी, नशे आदि के खतरे को खत्म करने के लिए पुलिस स्टेशन बिश्नाह और पुलिस स्टेशन मीरां साहिब के अधिकार क्षेत्र में आने वाले सिकंदरपुर कोठी और डाक बंगला इलाकों में एक संदिग्ध ड्रग हॉटस्पॉट पर छापेमारी की। पैदल चलने वालों और वाहनों की भी गहन जांच की गई।

सिकंदरपुर कोठी इलाके में ड्रग्स की तस्करी के बारे में सूचना मिलने पर, ऊपर बताई गई पुलिस टीम एक संयुक्त अभियान में ड्रग तस्करों को रंगे हाथों पकड़ने के लिए मौके पर पहुंची, लेकिन संदिग्ध ड्रग तस्कर अपनी बाइक छोड़कर मौके से भाग गए।

सब डिवीजन आर.एस.पुरा की पुलिस टीम ने छापेमारी के दौरान मौके पर कुछ लावारिस बाइक जब्त कीं, जिन पर रजिस्ट्रेशन नंबर जेके02एएन 2935 था और अन्य बिना रजिस्ट्रेशन नंबर की थीं। यहां यह बताना उचित होगा कि पुलिस ने पहले ही उक्त क्षेत्र के ड्रग तस्करों पर पीआईटी एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया हुआ है। इसके अलावा, छापेमारी के दौरान, पुलिस ने आम जनता को भी संबोधित किया और नशीली दवाओं के दुरुपयोग को रोकने में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

"शिक्षा ड्रग्स के खतरे के खिलाफ हमारा सबसे मजबूत हथियार है। हमें जागरूकता फैलाना जारी रखना चाहिए और अपने युवाओं को स्वस्थ और उत्पादक भविष्य की ओर ले जाना चाहिए," पुलिस ने कहा। इसके अलावा, पुलिस ने क्षेत्र में नशीली दवाओं से संबंधित मुद्दों से निपटने में कानून प्रवर्तन के प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। "हमारा पुलिस बल नशीली दवाओं के दुरुपयोग को खत्म करने के लिए समर्पित है। हम नशीली दवाओं की तस्करी और उपयोग में शामिल लोगों के खिलाफ कड़े कदम उठाना जारी रखेंगे।

डॉ.फारूक अब्दुल्ला द्वारा अर्पित की गई श्रद्धांजलि

राजेश कुमार

जम्मू कश्मीर: जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (जेकेएनसी) के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने प्रसिद्ध व्यवसायी हाजी गुलाम कादिर कावूसा के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की है।

डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने आज सुबह दिवंगत कावूसा साहिब के इशबार निशात स्थित आवास का दौरा किया और शोकाकुल परिवार के सदस्यों, विशेष रूप से उनके बेटे, सम्मानित व्यवसायी श्री हाजी कूका कावूसा साहिब के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

इस अवसर पर फातिहा ख्वानी का आयोजन किया गया और दिवंगत कावूसा साहिब को डॉ. फारूक अब्दुल्ला द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की गई। डॉ. फारूक अब्दुल्ला के साथ जेके बैंक के पूर्व अध्यक्ष मोहम्मद यूसुफ खान भी थे।

एम टी चिल्ड्रन' एकेडमी स्कूल में लगा आंखों का फ्री कैंप

अब्दुल लतीफ

राजस्थान: चंद्रशेखर की बगीची नाहारी का नाका मदीना मस्जिद स्थित स्कूल में सेवा राजस्थान और डॉक्टर आबिद केयर हॉस्पिटल द्वारा आई कैंप लगाया गया, जिसमें लगभग 120 श्रमिक कारगर पुरुष एवं महिलाओं को लाभान्वित किया गया। साथ ही इस कैंप में फ्री दवाई वितरण की गई। जिसमें सेवा राजस्थान से आगेवन अन्नू कंवर बतूल बहन मीना बहन और कार्यकर्ता मेहरून निशा बहन अफसाना बहन उपस्थित रहे।

आबिद केयर हॉस्पिटल से डॉक्टर मोहम्मद शाहजेन साहब अख्तर भाई फरमान भाई अलीम भाई और निसार भाई ने अपनी साझेदारी निभाई स्कूल डायरेक्टर मोहम्मद अनीस ने इस कैंप में अपना पूरा-पूरा सहयोग दिया एवं कैंप को सफल बनाया। मोहल्ले के बुजुर्ग लोगों ने कैंप लगाने वालों को बहुत-बहुत धन्यवाद कहा और सभी अपनी आंखें चेक कराने के बाद काफी खुश नजर आए।

राजकीय बालिका इंटर कॉलेज का गेट बंद होने से छात्राएं उत्तरी सड़क पर

आनंद कुमार

उत्तर प्रदेश: सोनभद्र जिले के दुद्धी नगर स्थित राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में शुक्रवार को कॉलेज का गेट बंद होने से छात्राओं ने जमकर हंगामा किया तथा कालेज प्रबंधन पर मनमानी का आरोप लगाते हुए छात्राएं सड़क पर उतर गई तथा अभिभावको ने भी जमकर हंगामा किया। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज का संचालन सुबह 7:30 से निर्धारित की गई है इससे पहले सभी छात्राओं को कॉलेज के अंदर प्रवेश कर लेना होता है । इस प्रकार कई छात्राओं ने निर्धारित समय के 20 मिनट देरी से आने के बाद कॉलेज का गेट बंद कर दिया गया और छात्राएं बाहर खड़ी रही।

इस प्रकार गेट न खोलने के पश्चात छात्राओं ने हंगामा करना शुरू कर दिया सड़क पर उतर आई। कुछ ही देर बाद अभिभावकों द्वारा कॉलेज प्रबंधन के खिलाफ हंगामा करना शुरू कर दिया गया। काफी मशक्कत के बाद मामले को शांत कराया गया।मौके पर उपस्थित अभिभावक एवं प्रबुद्ध जनों का कहना है कि उत्तर प्रदेश का सबसे अंतिम विधानसभा क्षेत्र दुद्धी अति पिछड़ा एवं पहाड़ी इलाका है। इस कॉलेज में कई किलोमीटर दूर कच्ची सड़क से पैदल चलकर छात्राओं को पढ़ने के लिए आना- जाना होता है।

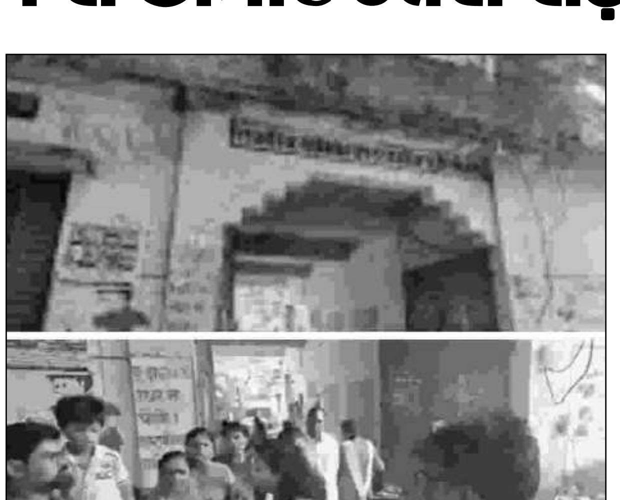

कॉलेज प्रबंधन के इस रवैया से पढ़ने वाली छात्राओं का मनोबल और नीचे गिर जाएगा। कॉलेज की प्रधानाचार्य एसके श्रीवास्तव के अनुसार कॉलेज संचालन के समय सीमा से 20 मिनट लेट छात्राएं कॉलेज गेट पर पहुंची है सही समय से कक्षाओं का संचालन तथा अनुशासन बनाने को लेकर ऐसा कदम उठाया गया है। छात्राओं के साथ कोई ऐसा कार्य नहीं किया जाएगा जिससे उनका भविष्य खराब हो इस दौरान अभिभावकों से भी सहयोग करने की अपील की।

एक नजर

सभी ब्लॉक पदाधिकारियों ने किया संबोधित

राजेश कुमार/जम्मू कश्मीर: पार्टी महासचिव और खानयार निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार हाजी अली मोहम्मद सागर ने आज इश्बार-निशात में हलका स्तरीय सम्मेलन की अध्यक्षता की। वरिष्ठ नेता ने पार्टी कार्यकताओं और स्थानीय लोगों को आश्वासन दिया कि जेकेएनसी पार्टी के घोषणापत्र का अक्षरशः पालन करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उत्साही सभा को बीपी खानयार बी बशीर अहमद मीर, समन्वयक खानयार आबिद वानी, एचपी अब्दुल अजीज गनी और सभी ब्लॉक पदाधिकारियों ने संबोधित किया। युवा नेता जुबैर अहमद और शकील अहमद भी बैठक में शामिल हुए।

कुंदनपुर के पास के गांव में पकड़ा गया तेंदुआ

तेजेश्वर कुमार/उत्तर प्रदेश: कुंदनपुर के जंगल में कई बार दिखाई दिया तेंदुआ जिसकी सूचना वन विभाग की टीम को दे गई।और वनविभाग की टीम ने कुंदनपुर के जंगलों में जाकर निरीक्षण किया तो कुंदनपुर के पास के गांव सीतारामपुर के खेतों में तेंदुए के पैरों के निशान दिखाई दिए। जिससे गांव वालों ने वन विभाग की टीम से पिंजड़ा लगाने को कहा। जब वन विभाग की टीम को तेंदुए के पैरों को निशाना मिले तभी उन्होंने पिंजरा मंगवा कर सीतारामपुर के गांव के जंगल में पिंजरा लगवाया।

पिंजरा लगाने के बाद पिंजरे में एक बकरी को बांध कर शाम को आ गए और जब 31-8-024 की सुबह को कुछ लोगों ने वहां जाकर देखा तो तेंदुआ पिंजरे में बंद मिला। तेंदुआ पिंजरे में बंद होने की खबर सुनकर वहां के आसपास के गांव के लोगों की भीड़ लग गई। तभी वन विभाग की टीम को सूचित किया गया और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर उन्होंने पिंजरे को अपने कब्जे में लिया और वहां से लेकर चले गए। कहीं बाहर जंगल में छोड़ने के लिए।

सीतापुर में सिधौली क्षेत्र में दर्दनक सड़क हादसा

सत्तार अली/उत्तर प्रदेश: सीतापुर जिले में सिधौली के अंतरगत कल रात 10 बजे नीलगांव रोड पर पहाड़पुर चौराहे पर दर्दनक ट्रैक्टर कार का एक्सीडेंट हुआ है, जिसमें दोनों चालक काफी गंभीर हैं। लखनऊ उनको बलरामपुर हॉस्पिटल ले जाया गया है। दोनों लोग की जान सुरक्षित है। किसी को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं वहां इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है सिधौली के अंतरगत कुँवरपुर का ट्रैक्टर है ट्रैक्टर पहाड़पुर पानी का टैंकर लेकर गया था। वहां फिल्म की शूटिंग हो रही थी। वहां पानी की अवश्यक्त थी पानी देकर वापस कुँवरपुर वापसी हो रहा था। अचानक पहाड़पुर चौराहे पर कर अरही रही थी। तेज रफ्तार से, ट्रैक्टर उधर से आ रहा था दोनों में, आपस में टक्कर हो गई।

इंदौर के तीन इमली स्थित नौ साल पुराने ब्रिज में आई दरार

देवरम ठाकुर/मध्य प्रदेश: इंदौर के तीन इमली स्थित नौ साल पुराने ब्रिज में दरार आने से विभागों में हड़कम्प मच गया। यह ब्रिज पीडब्ल्यूडी ने 2016 में 38 करोड़ की लागत से बनाकर तैयार किया था। ब्रिज बनने के दौरान यहां पर गार्डर भी गिरी थी, जिसमें कई मजदूर घायल हुए थें। 9 साल पहले बने तीन इमली स्थित ब्रिज में दरार आने से विभागों में हड़कम्प मच गया। तीन इमली स्थित ब्रिज 2012 में बनना शुरू हुआ था, जो 2015-16 में बनकर तैयार हुआ था। बनने के दौरान इस ब्रिज की गार्डर भी गिर गई थी, जिसमें कई मजदूर घायल हुए थे। पीडब्ल्यूडी ने इस ब्रिज को तैयार किया था और इसे बनाने में 38 करोड़ रुपए खर्च हुए थें। इसके बनने के बाद एक पत्र लिखकर नगर निगम को भी सौंपा था। अब इस ब्रिज में दरार आने के बाद दोनों विभागों में हड़कंप मच गया।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म के आरोपी को 20 वर्ष का सश्रम कारावास

अरूण श्रीवास्तव/मध्य प्रदेश: न्यायालय द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश डॉ अंजली पारे के न्यायालय द्वारा नाबालिग के साथ दुष्कर्म के प्रकरण में आरोपी विष्णु प्रसाद आ. उमेंद्र चौधरी (जाटव) आयु 31 वर्ष, निवासी ग्राम पिपरिया, (सास-बहु) चौकी निवारी, थाना कोतवाली नरसिंहपुर जिला नरसिंहपुर म.प्र. को दोषसिद्ध पाते हुए आरोपी को धारा- 5(एम)/6 लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 में 20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 20000/- जुमार्ना तथा भादवि की धारा- 366 में 10 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 5000/- जुमार्ना सें दंडित किया गया। जिला अभियोजन मीडिया सेल प्रभारी ने बताया कि पीड़ित बालिका की रिपोर्ट पर आरक्षी केंद्र गाडरवारा में अपराध क्रमांक 195/2024 पर धारा 363, 366ए, 376, 376एबी, 376(2)(च), 506 भा.द.स. एवं अधिनियम की धारा 5(द)/6, 5(उ)/6 के अंतर्गत प्रथम सूचना रिपोर्ट लेख की जाकर मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया जाकर बालिका का चिकित्सीय परीक्षण कराया गया। अनुसंधान के दौरान बालिका एवं साक्षीगण के कथन लेखबद्ध किये गये एवं जप्ती कार्यवाही उपरांत आरोपी को गिरफ्तार किया गया तथा अन्य आवश्यक अन्वेषण एवं कार्यवाही उपरांत अभियोग पत्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। प्रभारी उपसंचालक अभियोजन/जिला लोक अभियोजन अधिकारी नरसिंहपुर के मार्गदर्शन में, विशेष लोक अभियोजक श्रीमती संगीता दुबे द्वारा उक्त प्रकरण में सशक्त पैरवी की गई। अभियोजन की ओर से प्रस्तुत किए गए साक्षी जिसमें अभियोक्त्री दादी तथा पिता की साक्ष्य महत्वपूर्ण एवं विश्वसनीय मानते हुये एवं चिकित्सक द्वारा न्यायालय में दिये गये साक्ष्य को दृष्टिगत रखते हुए तथा चिकित्सीय साक्षी द्वारा दिये गये साक्ष्य के समर्थन में आई हुई डी.एन.ए. रिपोर्ट को निश्चियात्मक साक्ष्य मानते हुये तथा अभियोक्त्री की अल्प आयु को दृष्टिगत रखकर प्रकरण को जघन्य मानते हुये आरोपी को दोषसिद्ध पाकर माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी को उक्त सजा सें दंडित किया।

चपड़ासी के 300 पदों में से SC, ST, OBC के 141 में से मात्र 30 पद आरक्षित श्रेणी से भरने पर विद्रोह

हरियाणा: पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट द्वारा 25 अगस्त, 2024 को विज्ञापन संख्या 01/पीयन/एचसी/2024 में चपड़ासी के कुल 300 पदों में से एसी, एसटी और ओबीसी तीनों श्रेणी के लिए केवल 30 पदों को आरक्षित किया गया है जिसमें आनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 20 सितंबर, 2024 है। यहां यह गौर का विषय है कि 300 पदों की भर्ती में 27% के हिसाब से ओबीसी के 81 पद और 20% के हिसाब से एससी के 60 पद बनते हैं।

इस प्रकार संवैधानिक आधार पर 141 की बजाय केवल 30 आरक्षित कर भर्ती प्रक्रिया करने के भेदभाव से ग्रस्त इस मामले में सर्व अनुसूचित जाति संघर्ष समिति के तत्वावधान में गुरु रविदास मंदिर में समिति प्रधान चन्दन सिंह जालवान की अध्यक्षता में रोष बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में न्याय प्रदान करने के हाईकोर्ट के भगवान द्वारा पूर्ण आरक्षण ना देने की निंदा की गई और संघर्ष समिति के प्रधान चन्दन सिंह जालवान, गुरु रविदास महासभा के प्रधान बलबीरसिंह बबेरवाल, अखिल भारतीय आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति के उपाध्यक्ष लालाराम नाहर, संघर्ष समिति के महासचिव एवं कबीर सामाजिक उत्थान संस्था, दिल्ली के प्रमुख सलाहकार बिरदी चंद गोठवाल, राष्ट्रीय कुम्हार महासभा के राष्ट्रीय संगठन सचिव किशनलाल लुहानीवाल, सैनी सभा के प्रधान बिशन कुमार सैनी, जांगिड़ समाज के प्रमुख समाजसेवी एवं चेयरमैन सुरेश बोद्ध, भारतीय सामाजिक परिवर्तन संघ के सचिव सुमेर सिंह गोठवाल, गुरु रविदास एवं अंबेडकर फेडरेशन के प्रदेश वित्त सचिव रामकुमार ढ़ैणवाल, डॉ भीमराव अम्बेडकर युवा मण्डल के प्रधान विक्रम मांडैया ने संयुक्त हस्ताक्षरित पत्र महामहिम राष्ट्रपति व हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार को पत्र भेजकर मांग की है कि न्यायोचित आरक्षण से वंचित करने की भेदभाव से ग्रस्त चपड़ासी की इस असंवैधानिक भर्ती को रद्द किया जाए अथवा न्यायोचित आरक्षण देकर भर्ती की जाए और इसके साथ यह भी मांग की गई कि बेरोजगारी व गरीबी से ग्रस्त एससी-एसटी, ओबीसी व दिव्यांग युवाओं की आवेदन करने की फीस 600 रुपए की बजाय निशुल्क की जाए।

न्यायालय की इस आरक्षण विरोधी भेदभाव की नीति से समस्त एससी एसटी व ओबीसी समाज में भारी रोष व्याप्त है।

इस अवसर पर प्रमुख समाजसेवी एवं पूर्व वरिष्ठ प्रबंधक जयपाल सिंह, महल अनुसूचित जाति विकास मंच के सुरेश नारनोलिया, हरिराम सिरोहा, रामचन्द्र गोठवाल, पूर्व प्रधान रामचंद्र ग्रोवर, अमरनाथ सिरोहा, सूबे सिंह गोठवाल, पूर्व सरपंच ग्यारसी लाल आदि उपस्थित रहे।

नवीनतम पात्रता मानक पर होगा 'पीएमएवाईजी सर्वे'

शेलेन्द्र सिंह/उत्तर प्रदेश: विकासखंड संग्रामपुर सभागार में नवीनतम पात्रता मानक पर प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण - 2024 के सर्वे को लेकर आज बैठक की गई। बैठक की अध्यक्षता कर रहे विकास खंड संग्रामपुर के खंड विकास अधिकारी शिव पूजन भारतीय ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण नवीनतम पात्रता मानक -2024 पर सर्वे करने का तरीका बताया। उन्होंने कहा 2024 प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास की सूची मे वहीं शामिल किया जाएगा जिसके तीन या 4 पहिया वाहन कृषि उपकरण,50 हजार रुपए अथवा उससे अधिक सीमा वाले किसान क्रेडिट कार्ड सरकारी कर्मचारी ,15 हजार रुपए से अधिक मासिक आय 2.5 एकड़ सिंचित या 5 एकड़ असिंचित भूमि का स्वामी,दीवार पक्की छत कच्ची वाले अपात्रों की श्रेणी में रखे गये है। इस बैठक में सहायक विकास अधिकारी आवास संग्रामपुर अभिषेक सिंह, सहायक विकास अधिकारी संग्रामपुर राकेश द्विवेदी, एडीओ आईएसबी हरिश्चंद्र, मिथिलेश यादव ग्राम सचिव, प्रवीण तिवारी ग्राम सचिव, शशिकांत सिंह ग्राम सचिव क्षेत्र के 34 पंचायत सहायक और रोजगार सेवक मौजूद रहे।

एक नजर

दोमाना पुलिस जम्मू द्वारा भगोड़ा हुआ गिरफ्तार

राजेश कुमार/जम्मू कश्मीर: भगोड़ों अपराधियों के विरुद्ध अपने अभियान को जारी रखते हुए, दोमाना पुलिस ने एक भगोड़े को गिरफ्तार किया, जो वर्ष 2013 के दौरान पुलिस स्टेशन दोमाना जिला जम्मू में दर्ज एक मामले में वांछित था।

पुलिस स्टेशन दोमाना की एक पुलिस टीम ने भगोड़े रजनी देवी निवासी तहसील मढ़ जिला जम्मू को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की, जो कि पुलिस स्टेशन दोमाना में दर्ज मामले एफआईआर संख्या 405/2013 यू/एस 454/380 आरपीसी में वांछित थी। उसके विरुद्ध माननीय तृतीय अतिरिक्त मुंसिफ न्यायालय जम्मू द्वारा यू/एस 512 सीआरपीसी का वारंट जारी किया गया था। उक्त आरोपी अपराध करने के पश्चात वर्ष 2013 से ही गिरफ्तारी से बच रही थी।

6 सितंबर को मनाया जाएगा तीज का त्यौहार

आनंद कुमार/उत्तर प्रदेश: भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को तीजा या हरितालिका तीज मनाई जाती है। इस वर्ष 6 सितंबर को पड़ने वाली यह व्रत भगवान भोलेनाथ और माता पार्वती को समर्पित माना गया है। तीज का व्रत सुहागिन महिलाएं और कन्याएं रखती हैं।

तीज के दिन सुहागन महिलाएं 24 घंटे का निर्जला उपवास रखकर अखंड सौभाग्य की प्राप्ति और पति की लंबी आयु के लिए इस व्रत को करती हैं। इस व्रत में अन्न और जल ग्रहण नहीं किया जाता है। इसकी मान्यता है कि तीज का त्योहार मनाने व व्रत रखने से पति की आयु दीघार्यु होती है। पति पर आने वाले सभी मुसीबतो का अंत होता है। सुहागन महिलाओं के लिए यह व्रत काफी खास होता है। व्रत के अगले दिन व्रतधारी महिलाएं व्रत का पारण करती हैं। इस बार हरितालिका तीज का व्रत 6 सितंबर को रखा जाएगा। तृतीया तिथि की शुरूआत 5 सितंबर को होगी और इसका पारण 7 सितंबर को होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन को लेकर पुलिस प्रशासन सतर्क

मो. राशिद/उत्तर प्रदेश: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन को लेकर पुलिस प्रशासन सतर्क हो गया है गुरुवार को डीआईजी और एसएसपी ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया । डीआईजी ने पुलिस कर्मियों को कानून व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए 2 सितंबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महानगर के दौरे पर आएंगे मुख्यमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन सतर्क हो रहा गया है।

गुरुवार को डीआईजी मुनिराज जी एसपी सतपाल अंतिम एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह एसपी यातायात सुभाष चंद्र गंगवार समेत अधिकारी ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया इस दौरान उन्होंने पुलिस कर्मियों को कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए निर्धारित कार्यक्रम संपन्न होने के बाद मुख्यमंत्री डॉक्टर बी आर अंबेडकर पुलिस अकादमी पहुंचेंगे जहां डिप्टी एसपी की पासिंग आउट परेड में शामिल होंगे इसके बाद वह लखनऊ के लिए रवाना होंगे।

नारनौल की उम्मीदों पर खरा उतरूंगा- सरपंच अतेंद्र यादव

सतीश हरियाणी/हरियाणा: विधानसभा क्षेत्र से वरिष्ठ कांग्रेसी नेता ओर टिकट के प्रबल दावेदार सरपंच अतेंद्र यादव को आज उस समय बड़ी मजबूती मिली जब नारनौल क्षेत्र के सरपंचो ने उनको अपना खुला समर्थन दिया और कहा कि कांग्रेस पार्टी ने सरपंच अतेंद्र यादव को टिकट दे ताकि इस क्षेत्र का भला हो सके। आज हुई एक बैठक जिसमे सरपंचो ने यह निर्णय लिया और इस बैठक मे प्रभारी अरुण सर्राफ ओर जिला प्रभारी रोशन लाल यादव भी मौजूद थे।

सरपंच अतेंद्र यादव की अगुवाई मे दोनों प्रभारियों का भव्य स्वागत किया गया। सरपंच अतेंद्र यादव ने कहा कि वो नारनौल क्षेत्र की जनता की उम्मीदों पर खरा उतरेंगे और क्षेत्र का सम्पूर्ण विकास करवाएंगे। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षो मे नारनौल क्षेत्र मे विकास कार्यों का पहिया रुक गया और ये क्षेत्र पिछड़ता चला गया। नारनौल क्षेत्र मे जो विकास होना था वो नहीं हुआ, किन्तु कांग्रेस सरकार आने पर इस क्षेत्र मे विकास कार्यों की गंगा बहाई जाएगी और सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी बिना भेदभाव के बिना काम करती है ओर सभी वर्गो की भलाई के लिए कार्य करती है। सरपंच अतेंद्र यादव ने कहा कि प्रदेश मे सत्ता परिवर्तन निश्चिंत है और पार्टी कम से कम 80 सीटें लेकर सरकार बनाएगी और पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा तीसरी बार मुख्यमंत्री बनेंगे।

बुरहानपुर के ऊतावली नदी में मिला युवक का शव

फारूक

मध्य प्रदेश: बुरहानपुर जिले के आजाद नगर में रहने वाले युवक का 6 दिन बाद काला डव ऊतावली नदी में मिला शव, मिलने की खबर सुनते ही बुरहानपुर से मृतक के घर वाले एवं रिश्तेदार और शहर वासी सहित काला डव पहुंचे, दरसल थाटर बल्डी में शुकरवार के दिन नमाज के बाद अचानक पहाड़ी इलाकों में तेज बारिश हुई, जिसकी वजह से पहाड़ियों से पानी होता हुआ।

काला डव में गिरा और पानी के प्रेसर से रविवार से पानी में गुम हुए युवक का शव तेर कर बाहर आ गया, जिसे उतावली नदी में मछली पकड़ते हुए ग्रामीण लोगों ने शव देखा और शोर मचाने लगे, गटना की खबर लगते ही पुलिस प्रशासन भी एंबुलेंस लेकर गटना स्थल पहुंचा, आजाद नगर युवक आफताब का शव काला डव उतावली नदी के उस पार होने से शव तक पहुंचने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

शव तक पहुंचने के बाद ग्रामीणों की मदत से शव को चारपाई पर रख कर बड़ी मुश्किल से उतावली नदी में से एक किलो मीटर का सफर पार कर के शव को एंबुलेंस तक पहुंचाया गया। जहां से शव को बुरहानपुर के जिला अस्पताल पहुंचाया गया, पुलिस ने मर्ग कायम कर के शव परिजनों को शॉप दिया गया है।

राजकीय बालिका इंटर कॉलेज का गेट बंद होने से छात्राएं उत्तरी सड़क पर

आनंद कुमार

उत्तर प्रदेश। सोनभद्र जिले के दुद्धी नगर स्थित राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में शुक्रवार को कॉलेज का गेट बंद होने से छात्राओं ने जमकर हंगामा किया तथा कालेज प्रबंधन पर मनमानी का आरोप लगाते हुए छात्राएं सड़क पर उतर गई तथा अभिभावको ने भी जमकर हंगामा किया। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज का संचालन सुबह 7:30 से निर्धारित की गई है इससे पहले सभी छात्राओं को कॉलेज के अंदर प्रवेश कर लेना होता है । इस प्रकार कई छात्राओं ने निर्धारित समय के 20 मिनट देरी से आने के बाद कॉलेज का गेट बंद कर दिया गया और छात्राएं बाहर खड़ी रही।

इस प्रकार गेट न खोलने के पश्चात छात्राओं ने हंगामा करना शुरू कर दिया सड़क पर उतर आई। कुछ ही देर बाद अभिभावकों द्वारा कॉलेज प्रबंधन के खिलाफ हंगामा करना शुरू कर दिया गया। काफी मशक्कत के बाद मामले को शांत कराया गया।मौके पर उपस्थित अभिभावक एवं प्रबुद्ध जनों का कहना है कि उत्तर प्रदेश का सबसे अंतिम विधानसभा क्षेत्र दुद्धी अति पिछड़ा एवं पहाड़ी इलाका है। इस कॉलेज में कई किलोमीटर दूर कच्ची सड़क से पैदल चलकर छात्राओं को पढ़ने के लिए आना- जाना होता है।

कॉलेज प्रबंधन के इस रवैया से पढ़ने वाली छात्राओं का मनोबल और नीचे गिर जाएगा। कॉलेज की प्रधानाचार्य एसके श्रीवास्तव के अनुसार कॉलेज संचालन के समय सीमा से 20 मिनट लेट छात्राएं कॉलेज गेट पर पहुंची है सही समय से कक्षाओं का संचालन तथा अनुशासन बनाने को लेकर ऐसा कदम उठाया गया है। छात्राओं के साथ कोई ऐसा कार्य नहीं किया जाएगा जिससे उनका भविष्य खराब हो इस दौरान अभिभावकों से भी सहयोग करने की अपील की।

पुलिस ने चोरी का सुलझाया मामला

राजेश कुमार

जम्मू कश्मीर: पुलिस ने थाना सांबा में दर्ज चोरी के मामले को सुलझाते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से चोरी की संपत्ति बरामद की है।

27.08.2024 को, साइट इंजीनियर एमसीसी इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड द्वारा एनएचडब्ल्यू-44 सुपवाल में निर्माण स्थल से शटरिंग प्लेट चोरी होने के संबंध में थाना सांबा के अंतर्गत आने वाली पुलिस चौकी सुपवाल में एक लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी।

शिकायत पर कार्रवाई करते हुए, थाना सांबा में एफआईआर संख्या 219/2024 यू/एस 303(2) बीएनएस दर्ज किया गया और उक्त चोरी के मामले की जांच शुरू की गई।

जांच के दौरान, आईसी पीपी सुपवाल के नेतृत्व में एसएचओ थाना सांबा के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने कई संदिग्धों को हिरासत में लिया और बाद में दो संदिग्धों को हिरासत में लिया गया, जिन्होंने लगातार पूछताछ करने पर इस मामले में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। आरोपियों की पहचान राजिंदर शर्मा पुत्र मुल्ख राज और रवि कुमार पुत्र थोरू राम के रूप में हुई है, दोनों गांव नगरोटा तहसील बारी ब्राह्मणा जिला सांबा के निवासी हैं। उनके खुलासे के बाद, उनके अवैध कब्जे से लगभग 38000 रुपये मूल्य की चोरी की गई संपत्ति यानी शटरिंग प्लेटें बरामद की गईं।

अनंतनाग पुलिस ने दो ड्रग तस्करों को किया गिरफ्तार, प्रतिबंधित सामग्री जब्त

राजेश कुमार

जम्मू कश्मीर: ड्रग सप्लायर्स के खिलाफ अपने निरंतर और अथक अभियान के तहत, अनंतनाग पुलिस हर ड्रग तस्कर को न्याय के कटघरे में लाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता पर अडिग है। हाल ही में एक ऑपरेशन में, पुलिस पोस्ट शैरबाग की एक पुलिस टीम ने अनंतनाग के पेहरू कर्व में एक चेकपॉइंट स्थापित किया, जहाँ उन्होंने पंजीकरण संख्या उ्छ7उख-8332 वाले एक वाहन को रोका। तलाशी के दौरान, वाहन से लगभग 19 किलोग्राम पोस्ता पुआल बरामद किया गया।

वाहन में सवार दो व्यक्तियों की पहचान मुश्ताक अहमद मीर, पुत्र अब रहमान मीर और तारिक अहमद मीर, पुत्र घ हसन के रूप में हुई है, जो दोनों मीर चेक मट्टन के निवासी हैं। प्रतिबंधित सामग्री और अपराध में इस्तेमाल वाहन को जब्त कर लिया गया है।

पुलिस स्टेशन अनंतनाग में एफआईआर संख्या 169/2024 के तहत मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच जारी है।

अनंतनाग पुलिस समुदाय के लोगों से आग्रह करती है कि वे अपने इलाके में ड्रग तस्करों के बारे में कोई भी जानकारी सामने लाएँ। ड्रग तस्करी में लिप्त पाए जाने वालों पर कानून की पूरी कार्रवाई की जाएगी। ड्रग तस्करों के खिलाफ हमारी निरंतर कार्रवाई नशा मुक्त समाज बनाने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

डीपीओ जम्मू के साइबर सेल ने तीन ऑनलाइन धोखाधड़ी का किया समाधान

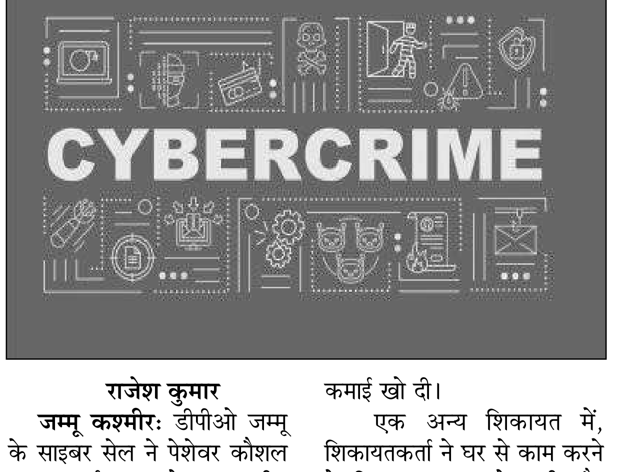

राजेश कुमार

जम्मू कश्मीर: डीपीओ जम्मू के साइबर सेल ने पेशेवर कौशल का प्रदर्शन करते हुए तीन ऑनलाइन धोखाधड़ी का समाधान किया। साइबर सेल में 65,868/- रुपये के क्रेडिट कार्ड वित्तीय धोखाधड़ी के बारे में एक शिकायत प्राप्त हुई थी जिसमें शिकायतकर्ता से अपना विवरण साझा करने के लिए कहा गया था और तदनुसार शिकायतकर्ता ने अपनी मेहनत की कमाई खो दी।

एक अन्य शिकायत में, शिकायतकर्ता ने घर से काम करने के लिए गूगल पर खोज की और धोखेबाज ने टेलीफोन पर उसके खाते से 50,000/- रुपये का लेनदेन किया।

एक अन्य घटना में 94,500/- रुपये की ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी के बारे में शिकायत की गई जिसमें शिकायतकर्ता ने एक ट्रेडिंग कंपनी में निवेश किया जो अनुचित तरीकों का उपयोग करके निवेशकों की मेहनत की कमाई वापस नहीं करती थी और अपना पैसा खो देती थी।

समय पर हस्तक्षेप और पेशेवर उत्कृष्टता को ध्यानपूर्वक दिखाते हुए, साइबर सेल डीपीओ जम्मू ने अपने पेशेवर विंग के माध्यम से शिकायतों की समय पर जांच शुरू की, जो इस उद्देश्य के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित थे और निर्धारित समय के भीतर मामले के लिए गठित टीमों ने पेशेवर उत्कृष्टता का अंतिम प्रदर्शन करते हुए सभी मामलों का निपटारा किया।

टीमों ने 2,10,368/- रुपये में से कुल 1,98,868/- रुपये की राशि रोक ली, जो अन्यथा विभिन्न अनुचित तरीकों से दुरुपयोग और धोखाधड़ी से लेन-देन की जा सकती थी। उन्नत तकनीक और कुशल मानव संसाधन से लैस जिला पुलिस जम्मू आम जनता की शिकायतों को कम से कम समय में कम करने के लिए मौजूद है।

स्कूल के छात्रों की समस्याएं दो माह के अंदर हो जाएंगे हाल पुलिया एवं बाउंड्री का हुआ भूमि पूजन

अजय तोमर

मध्य प्रदेश: शासकीय हाई स्कूल खेरिया की बाउंड्री नहीं थी जिससे आवारा पशु विद्यालय में घुस आते थे जिससे पढ़ाई बाधित होती थी तथा बरसात के दिनों में मिट्टी के खिसक जाने से छात्रों को स्कूल में आने के लिए काफी परेशानी पड़ती थी कई बार स्कूल बच्चे नहीं पहुंच पाए थे इस बात की शिकायत समाजसेवी आशीष सिंह तोमर के द्वारा सरपंच संगीता देवी को अवगत कराया गया` उसके बाद संगीता देवी ने ग्राम पंचायत की मीटिंग में ठहराव प्रस्ताव करके पुलिया निर्माण के लिए 5 लाख की स्वीकृति तथा स्कूल की बाउंड्री के लिए 8 लाख ?25000 की स्वीकृति प्रदान की गई।

जिसका एस्टीमेट बना कर निर्माण कार्य शुरू किया गया,,आज उसका भूमि पूजन किया गया भूमि पूजन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रामवीर सिंह तोमर भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष तथा विशेष अतिथि मोहर सिंह तोमर भाजपा वरिष्ठ नेता, राजेंद्र सिंह तोमर वरिष्ठ नेता, संतोष सिंह तोमर भाजपा महामंत्री ,अमर सिंह तोमर, कप्तान सिंह तोमर, प्रमोद सिंह तोमर ,धर्मेंद्र सिंह तोमर ,भीकम सिंह भदोरिया, रघुराज सिंह तोमर,समाज सेवी आशीष सिंह तोमर , सुजान सिंह तोमर,सोनू सिंह तोमर,संजू सिंह , आशुतोष तोमर,गजेंद्र भदौरिया, अवधेश तोमर, राजू सिंह तोमर,वासुदेव सिंह तोमर ,टेकराम सिंह, सूर्यभान चौहान, आदि लोग उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री आवास योजना की साइट खुली, गरीबों को मिलेगा लाभ

राधा कृष्ण

उत्तर प्रदेशः हमीरपुर 5 वर्ष बाद प्रधानमंत्री आवास योजना की साइट खुलने से पात्र गरीब व्यक्तियों और जरूरतमंदों में आवास योजना के लाभ के लिए एक नई आशा पैदा हो गई है।

विकास विकासखंड सरीला कार्यालय के मीटिंग सभागार में प्रधानमंत्री आवास योजना के संबंध में बैठक आयोजित की गई जिसमें साइट खुलने के उपरांत गरीब और पात्र व्यक्तियों को ऑनलाइन रूप से आवेदन करने के लिए जानकारी दी गई बैठक में वीडियो सरीला दिव्या त्रिपाठी द्वारा बताया गया कि, साइट खुलने के उपरांत पात्रता रखने वाले इक्षुक आवेदनकर्ता उपरोक्त साइड पर जाकर आवेदन करके उक्त योजना का लाभ ले सकते हैं।

तिपहिया और चार पहिया वाहन धारकों के परिवार के लिए आवेदन करने पर आवेदन स्वत निरस्त हो जाएगा वही जानकारी देते हुए ब्लाक प्रमुख सरीला प्रतिनिधि जीतू राजपूत ने कहा कि कई वर्ष से प्रधानमंत्री आवास योजना की साइट बंद थी जिसके कारण गरीब और पात्र व्यक्तियों को आवास योजना का लाभ मिलना बंद हो गया था अब जाकर प्रधानमंत्री आवास योजना की साइट सरकार द्वारा गरीबों के हित के लिए दोबारा खोल दी गई है।

संबंधित पात्र व्यक्ति और इक्षुक आवेदन कर्ता साइट पर पात्रता की शर्तों के साथ ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं और उक्त योजना का लाभ ले सकते हैं विकासखंड सरीला सभागार में हुई मीटिंग में खंड विकास अधिकारी सरीला दिव्या त्रिपाठी ब्लॉक प्रमुख सरीला प्रतिनिधि जीतू राजपूत, मुन्ना समस्त ग्रामों के प्रधान और ग्राम पंचायत अधिकारी सहित विकासखंड सरीला कार्यालय में तैनात स्टाफ और क्षेत्रवासी व ग्रामीण अंचलों से आए हुए ग्रामीण भी शामिल रहे बैठक में आए हुए क्षेत्रवासियों ने प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित जानकारी प्राप्त की।

श्री जगन्नाथपुरी के लिए लिकला युवक, कर रहा पैदल यात्रा

इन्द्रमेन मार्को मंडला

मध्यप्रदेशः सनातन धर्म एवं संस्कृति के प्रचार प्रसार के धुन में राजस्थान के उदयपुर का एक नौजवान प्रभु नाथ योगी उड़ीसा के श्री जगन्नाथपुरी के दर्शन करने की प्रतिज्ञा लेकर घर से निकला और वह बुधवार को मंडला जिले के अंजनिया पहुंचा ' यात्रा पर निकले युवक प्रभु नाथ योगी ने बताया कि वें सनातन धर्म एवं संस्कृति के प्रचार प्रसार को लेकर अपनी यात्रा की शुरूआत बीते 5 अगस्त 2024 को राजस्थान के उदयपुर से की। उनका मकसद है कि, इस यात्रा के बीच वें, रास्ते में जहां-जहाँ पड़ाव डालते हैं वहां के लोगों से अपने बच्चों को अपनी संस्कृति पर विशेष जोर देने की अपील करते हैं ' इसके लिए वे बच्चों एवं उनके परिजनों को वेद,गीता,एवं रामायण,जैसे महाकाव्य पढ़ने को प्रेरित करते हैं ' उनका मानना है कि भारत में पश्चिमी सभ्यता ने अपना पैर पसार रहा है ,ऐसी स्थिति में हम लोग अपनी संस्कृति को भूलकर दूर हटते जा रहे हैं '

46 दिन की ये पूरी यात्रा?

राजस्थान उदयपुर के प्रभु नाथ योगी उम्र 25 वर्ष की इस यात्रा की शुरूआत उन्होंने अपने उदयपुर से 5 अगस्त को प्रारंभ की थी।

मंडल आयुक्त आरसी बिढान ने किया मतदान केंद्रों का निरीक्षण

सतीश हरियाणी

हरियाणाः विधानसभा आम चुनाव-2024 के मद्देनजर आज गुरुग्राम मंडल के आयुक्त आरसी बिढान ने जिला महेंद्रगढ़ के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होंने मतदान केंद्रों पर दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

गुरुग्राम मंडल के आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निदेर्शों अनुसार सभी मतदान केंद्रों पर मूलभूत सुविधाओं के सभी इंतजाम होने चाहिए। उन्होंने कहा कि जिन मतदान केंद्रों पर आयोग के दिशा-निर्देश अनुसार अभी तक सुविधा नहीं है, उनमें समय रहते सभी प्रकार की सुविधा मुहैया करवाना सुनिश्चित करें।

बिढान ने कहा कि मतदान केंद्रों पर दिव्यांग जनों की सुविधा के लिए रैंप की व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने दिव्यांग जनों के लिए व्हील चेयर आदि के लिए भी निर्देश दिए। मंडल आयुक्त ने कहा कि दिव्यांग श्रेणी के मतदाताओं को मतदान करते समय कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। वहीं मतदाताओं के लिए शौचालयों की भी पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए।

गुरुग्राम मंडल के आयुक्त ने आज गांव बूचावास, झगडोली, नारनौल आईटीआई, सैनी सीनियर सेकेंडरी स्कूल नारनौल, गांव सराय व अटेली शहर के मतदान केंद्रों पर जाकर मूलभूत सुविधाओं का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

इस मौके पर नगराधीश मंजीत कुमार, तहसीलदार चुनाव सुरेंद्र सिंह, कानूनगो पूनम, कानूनगो राकेश कुमार तथा डॉ मनोज आफरिया के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

वित्तीय बोझ के बिना सीटों की संख्या में पर्याप्त हो जाएगी वृद्धि

राजेश कुमार

जम्मू कश्मीरः छह उच्च शिक्षा विकास केंद्र बनानाः सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) को बढ़ाने के लिए छह उच्च शिक्षा विकास केंद्र पूर्ण संबद्ध विश्वविद्यालयों के रूप में बनाए जाएंगे। तीन जम्मू क्षेत्र में होंगे जिनमें चिनाब और पीर पंजाल शामिल हैं और तीन कश्मीर क्षेत्र में होंगे जिनमें उत्तरी कश्मीर और दक्षिण कश्मीर शामिल हैं, कश्मीर विश्वविद्यालय और जम्मू विश्वविद्यालय के उपग्रह परिसरों को उन्नत कर-के, इस प्रकार दोनों विश्वविद्यालयों को संबद्धता की भीड़ से राहत मिलेगी।

इससे दरवाजे पर उच्च शिक्षा उपलब्ध होगी। कश्मीर विश्वविद्यालय के दक्षिण परिसर और जम्मू संभाग में जम्मू विश्वविद्यालय के दो उपग्रह परिसरों, अर्थात भद्रवाह परिसर और कठुआ परिसर को स्वतंत्र विश्वविद्यालयों में उन्नत किया जाएगा। संबंधित जिलों के कॉलेज इन उन्नत विश्वविद्यालयों से संबद्ध होंगे।

वर्तमान में, कश्मीर विश्वविद्यालय में लगभग 4,000 सीटें और जम्मू विश्वविद्यालय में भी इतनी ही संख्या में सीटें उपलब्ध हैं इस मॉडल से उच्च शिक्षा दरवाजे पर ही उपलब्ध हो जाएगी, दोनों पारंपरिक विश्वविद्यालयों को संबद्धता संबंधी झंझट से मुक्ति मिल जाएगी, तथा वित्तीय बोझ के बिना सीटों की संख्या में पर्याप्त वृद्धि हो जाएगी।

गुरदासपुर में एक बच्ची जसलीन कौर ने लगाए कई पौधे

गुरजीत सिंह

पंजाबः जिला गुरदासपुर सिटी दीनानगर गांव हरिपुर की स्कूल विद्यार्थन जसलीन कौर ने अपने घर की बगीची को हरी भरी। रखने के लिए एक फलदार पौधा लगाया। जसलीन कौर का कहना है कि, हमें पौधों को काटना नहीं चाहिए। पौधे लगाने से हमें ऑक्सीजन मिलती है। पौधे लगाने से हमारा वातावरण साफ सुथरा रहता है। पौधे लगाने से हमें बहुत सारे लाभ मिलते हैं, जो पौधे हम लगाते हैं उन पौधों को रोज पानी डालना चाहिए। यह बच्ची का कहना है कि, मुझे पौधे लगाने का बहुत शौक है। मेरे घर में बहुत सारे पौधे लगे हुए हैं मैं सभी को सुबह पानी डालते हैं।मैं अपनी घर की बगीची को। साफ सुथरा रखती है मेरा सभी बच्चों को यही संदेश है कि अपने घर की बगीची में ज्यादा से ज्यादा पौधे ही लगे।

पौधे लगाने से घर की सुंदरता ही बढ़ती है और वातावरण को साफ सुथरा रखने के लिए पौधों और फूलों की जरूरत पड़ती है। मेरा सभी को यही कहना है कि आप ज्यादा से ज्यादा घर की बगीची में पौधे लगाए लगाने से। हमें अपने गांव को साफ साफ सुथरा रखना चाहिए और पौधे ही लगे और ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने से योगदान डालें पिता गुरतेजविंदर सिंह माता नवदीप कौर भाई हर फतेह सिंह दादा दलजीत सिंह दादी मां कुलवंत कौर घर में सभी परिवार के मेंबरों का मुझे योगदान मिलता है।

उत्तर प्रदेश जिला बागपत यूपी पुलिस का हो रहा एग्जाम

हरीश स्वामी

उत्तर प्रदेशः जिला बागपत गांव मितली गौरीपुर।यह वह कॉलेज है जहां पर आज। यूपी पुलिस का एग्जाम हो रहा है। सेवा हितकारी इंटर कॉलेज मितली गौरीपुर बागपत। आज हम यहां पर आए थे प्रशासन की तरफ से काफी अच्छी सुविधा भी कराई गई है। और हमने देखा प्रशासन भी बहुत ज्यादा अलर्ट मोड पर है। और प्रशासन की तरफ से। एंबुलेंस की भी सुविधा कराई गई है। किसी भी छात्र को कोई दिक्कत परेशानी ना हो। इसलिए हर बच्चे पर निगरानी रखी जा रही है। सभी अध्यापकों ने छात्र छात्राओं को। चेक करके पेपर देने की अनुमति दे दी है। तरह सभी छात्र-छात्राओं के चेहरे पर पेपर देने की अगल ही खुशी दिखाई दे रही है। इस बार छात्र-छात्राएं अच्छी तैयारी से पेपर देने जा रहे हैं। जिसके कारण। पहले की तरह कोई पेपर लीक न हो। इसके कारण बहुत ज्यादा सकता आई बढ़ा दी गई है। इस बार छात्र-छात्राओं पर कैमरे से निगरानी रखी जा रही है।

हरचंदपुर थाना के अंतर्गत आने वाला इटकुटी गांव में आवारा कुत्तों ने चार मासूम बच्चों को बनाया निशाना

प्रदीप

उत्तर प्रदेशः हरचंदपुर थाना के अंतर्गत आने वाला इटकुटी गांव में आवारा कुत्तों ने चार मासूम बच्चों को बनाया निशाना उपचार के बाद भेजा गया घर आपको बता दें हरचंदपुर थाना के अंतर्गत आने वाला गांव स्कूटी में रहने वाले चार मासूम बच्चे अपने गांव में एक नीम के पेड़ के नीचे खेल रहे थे तभी गांव में आवारा कुत्तों ने मासूम बच्चों के ऊपर हमला कर दिया जिससे मासूम बच्चे घायल हो गए आनंद फानन में गांव वालों ने बच्चों को हरचंदपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया।

जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने बच्चों को घर भेज दिया गांव वालों से बात करने के बाद बताइए जा रहा है कि गांव में कुछ दिनों से आवारा कुत्तों में रोने की आवाज आ रही है और कुछ कुत्ते अजीब हरकत कर रहे हैं गांव वालों को कहना है कि कुत्तों ने में कोई बीमारी हरकतें नजर आ रही हैं जिससे कि गांव वाले डरे और सहमे हैं परिजनों अपने बच्चों को घर से निकलने की अनुमति नहीं दे रहे ना तो खेलने की अनुमति दे रहे हैं जिससे कि कुत्तों को लेकर गांव में डर का माहौल बना है और आर बगल गांव में भी माहौल बनाएं।

भाजपा प्रत्याशी जावेद कादरी के लिए डॉ. दरक्षा इंद्राबी के नेतृत्व में किया चुनाव प्रचार

राजेश कुमार

जम्मू कश्मीरः आज शोपियां विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में भाजपा प्रत्याशी जावेद कादरी के लिए डॉ. दरक्षा इंद्राबी जी के नेतृत्व में चुनाव प्रचार किया गया। राजा वसीम, सईद मुज्तबा, मोहम्मद भट, शेख मुजफ्फर, शेख, मुश्ताक, मंजूर हुसैन भट, शेख जहांगीर, आशिक हुसैन बाबा के साथ विधानसभा क्षेत्र के सभी लोगों ने हमारे प्रिय नेता जावेद कादरी को पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन दिया।

इसके अलावा शोपियां जिले के डॉ. दरक्षा इंद्राबी जी और अन्य नेताओं की मौजूदगी में दर्जनों युवा भाजपा में शामिल हुए और विधानसभा क्षेत्र में पार्टी के प्रति अपना समर्थन जताया।

अशोक कौल डॉ.दरख्शान अंद्राबी भाजपा जम्मू और कश्मीर शाह मुज्तबा साजिद यूसुफ शाह बिलाल पार्रे जिला प्रशासन शोपियां वानी मुदासिर एस. मुजफ्फर जाविद कादरी प्रिया सेठी-जम्मू और कश्मीर, पूर्व मंत्री -भाजपा भाजपा शोपियां सुनील शर्मा हाइलाइट जाविद कादरी।

दतिया जिला चिकित्सालय के सीएमएचओ राकेश कुरेले की देखरेख में बिगड़े जिला अस्पताल के हालात

अरबिन्द्र गुप्ता

मध्य प्रदेशः कलेक्टर संदीप माकिन व एसपी वीरेंद्र मिश्रा ने जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। अस्पताल परिसर में फैली अव्यवस्थाओं को देखकर भड़के कलेक्टर। सिविल सर्जन डॉ केसी राठौर को लगाई फटकार। कलेक्टर ने जल्द व्यवस्थाओं में सुधार करने के दिये निर्देश। साथ ही अस्पताल परिसर में यहां वहाँ खड़े वाहनों को देखकर कलेक्टर ने साईकिल स्टैंड ठेकेदार पर लगाया पांच हजार का जुमार्ना। कलेक्टर ने सिविल सर्जन को निर्देश दिये कि भर्ती मरीजों से केवल एक अटेंडर मिलने जा सकता है। इसलिए जल्द ही इसकी व्यवस्था की जाए।

कलेक्टर और एसपी ने पुलिस चौकी का निरीक्षण किया। जहां चौकी की जर्जर हालत देखकर नाराजगी जाहिर की और निर्देश दिए कि जल्द ही पुलिस चौकी की हालत ठीक कराई जाए। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ कमलेश भार्गव, एसडीएम ऋषि सिंघई, एडिशन एसपी सुनील शिवहरे, एसडीओपी प्रियंका मिश्रा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

एक नजर

आम जनता की जिंदगी छीनने को यमराज के रूप में खड़े यूनिक पोल

मो. शाहिद/उत्तर प्रदेशः नगर पालिका क्षेत्र गंगा घाट अंतर्गत पीडब्ल्यूडी की जमीन पर कब्जा कर होर्डिंग माफियाओं द्वारा यूनिक पोल लगवाए गए थे। विगत कई वर्षों से होर्डिंग माफियाओं द्वारा अवैध रूप से लगाये गए यूनिक पोलों से करोड़ों रुपए डकार कर विभाग को भारी भरकम राजस्व क्षति दी है। खबर प्रकाशित होने के बाद आनन फानन में होर्डिंग माफियाओं द्वारा यूनिक पोलों से होर्डिंग को हटा लिया गया, किंतु यूनिक पोल अभी भी खड़े हुए हैं।

नगर पालिका क्षेत्र के भीड़भाड़ वाले इलाके में अवैध रूप से खड़े यह जर्जर यूनिक पोल किसी भी समय हादसे को दावत दे सकते हैं जिससे जान माल का भारी नुकसान हो सकता है। सोचने वाली बात यह है कि क्या पीडब्ल्यूडी विभाग कुंभकरणी नींद से जागेगा और इन यूनिक पोलों को हटाएगा या फिर कोई बड़ा हादसा होने का इंतजार करेगा ? क्या होर्डिंग माफिया द्वारा की गई राजस्व की क्षतिपूर्ति विभाग द्वारा की जाएगी या ले देकर के मामले रफा दफा कर दिया जाएगा।

जयपुर के जयसिंहपुरा में नकली घी की फैक्ट्री में हुई छापेमारी

मो. यूसुफ/राजस्थानः जयपुर के जयसिंहपुरा में नकली घी की फैक्ट्री में शापा मारा गया। जनहा पर कृष्णा सरस जैसे ब्रांड घी की कॉपी बनाई जा रही है और जनता की सेहत के सात खेला जा रहा है। कई ब्रांडेड कमानियो के नाम से बेचा जा रहा है। घी और तो और घी की पैकिंग भी असली पैकिंग की तरह ही की जा रही है। सरस की पेकिग की तरह उस पर बारकोड भी लगाया जाता है कोई इनकी पेकींग को दहक कर ये नहीं बता सकता ये असली है या नकली घी फैक्ट्री में वनस्पति तेलों का इस्तेमाल कर के भी इतनी गन्दी तरह से बनाया जा रहा है। दहकने पर भी घिन आती है। सवाल ये उठता है कि, आज हम अपनो की सेहत का ख्याल कैसे रखे किस पर भरोसा करे और किस पर नहीं आज के वक्त में इतना कुछ हो रहा है। ऐसी काफी सारे प्रोडेक्ट है जिनमे मिलावट की जा रही है, जनता से निवेदन है कि, अपनी ओर अपने परिवार की सेहत का ख्याल रखे मार्किट से समान की अच्छे से जांच कर के ही समान लेवे ये घटना जयसिंहपुरा खोर की है सावधान रहे सतर्क रहे।

जिले में अवैध बिक रहे पेट्रोल और डीजल की रोकथाम के लिए कलेक्टर को दिया ज्ञापन

अरबिन्द्र गुप्ता/मध्य प्रदेशः दतिया जिले में अवैध तरीके से जगह-जगह बिक रहे पेट्रोल एवं डीजल की रोकथाम कर कार्रवाई करने को लेकर दतिया पेट्रोलियम एसोसिएशन जिला द्वारा कलेक्टर संदीप माकिन को दिया ज्ञापन।

दतिया पेट्रोलियम एसोसिएशन के महासचिव मानवेंद्र सिंह ने बताया कि दतिया में अवेध रूप से डीजल, पेट्रोल जगह-जगह जेसे उनाव रोड बसस्टैंड नगर पालिक कॉम्प्लेक्स तलैया मोहल्ला, हजारो लीटर डीजल पेट्रोल झांसी से लेकर आते है और पेट्रोल डीजल कम रेट में खुलेआम हर जगह बेच रहे है जिससे पेट्रोल पम्प पर कम लोगो के आने से हमारे पेट्रोल पम्प बन्द होने की स्थिति है और दतिया एक बिसफोटक धरातल पर जी रहा है कभी भी बेतुल जैसी बडी घटना हो सकती है। पहले भी हमारे द्वारा जिला कलेक्टर संदीप माकिन को ज्ञापन दिया था, लेकिन आश्चर्य की बात है कि कार्यवाही तो हुई लेकिन उसके एक धंटे बाद फिर से पेट्रोल सभी जगह खुले में बिकने लगी।

माचाड़ी कस्बे में चोरों ने किया नगदी सहित माल साफ

प्रदीप शर्मा/राजस्थानः माचाड़ी कस्बे में बुधवार की रात चोरों ने खेल मैदान के पास हाइवे से कुछ ही दूर दारु के ठेके के पास मुकेश सैनी उर्फ भाया की दुकान से चार बंडल मामा के,दो मंडल स्पेशल बीड़ी,दो बंडल 502 बीड़ी,एक माचिस का पूडा,तीन पैकेट तानसेन जर्दा,दो पैकेट खजूर,दो कार्टून डू के,10 पैकेट सिगरेट के, एक मोबाइल चार्जर,दो हजार रूपए की नगदी सहित करीब 10000 की चोरी कर दुकान के गल्ले को पास ही खेत में पटक गए। मुकेश भाया ने बताया कि दुकान के पास दारु के ठेके की दुकान में सेल्समेन सोया हुआ था चोरों ने बहार से सटर के ताले वाली कुंडी को डोरी से बांधा हुआ था।

सुबह करीब 4:00 बजे मैं शौचालय लिए के लिए जब इधर आया तो सटर की कुंडी डोरी से बंधीं हुई थी।ओर मेरी दुकान की कुंडी टुटी हुई मिली। पुलिस को सूचना कर दी गई है। इसी के साथ चोरों ने कुछ ही दूरी पर खेल मैदान के पास हाइवे किनारे छोटेलाल सैनी के कांटे के गेट को क्षतिग्रस्त कर चोरी का प्रयास किया लेकिन चोरों को कुछ नहीं मिला। इसके बाद चोरों ने रैणी चौराहा से कुछ दूरी पर मुंडावर की और जाने वाले मार्ग पर सड़क के किनारे श्री राम धर्म कांटे का मालिक चरण सिंह अपने कांटे पर सो रहा था ओर मोबाइल चार्ज पर लगा हुआ था।

चोर काटे के मालिक चरण सिंह का चार्ज पर लगा हुआ मोबाइल को चुराकर ले गए। मोबाइल की कीमत 13 हजार रुपए बताई गई। कस्बे में चोरी की चर्चा पहली हुई है। लोगों ने चोरों को पकड़ने की तथा पुलिस गश्त बढ़ाने की प्रशासन से मांग की है। लोगों ने बताया कि भाजपा के राज्य में कानून व्यवस्था चरमराने से अपराध व चोरी को बढ़ावा मिल रहा है।

संपादकीय

'दीदी' की अग्नि-परीक्षा

यह बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की अग्नि-परीक्षा का दौर है। बंगाली सम्मान से उन्हें 'दीदी' कहते रहे हैं, लिहाजा जवाब भी उन्हीं से मांग रहे हैं। 'दीदी' के खिलाफ आंदोलन-दर-आंदोलन जारी हैं। यह स्थिति तब है, जब दो माह पहले लोकसभा चुनाव में उनकी 'तृणमूल पार्टी' को 46 फीसदी वोट मिले और 42 में से 29 सीटें जीतीं। इस जनादेश की आड़ में आप नहीं छिप सकतीं, क्योंकि राज्य की युवा और छात्र शक्ति गुस्से और आक्रोश में है। प्रमुख विपक्षी पार्टी भाजपा का विरोध-प्रदर्शन और 12 घंटे का बंद भी आयोजित किया गया है और 3 सितंबर को वाममोर्चा का काडर सडकों पर उतरेगा। सभी की साझा मांग है कि ममता बनर्जी मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दें। कोई राजनीतिक गठबंधन नहीं हुआ है। 'दीदी' के संभ्रांत शहर कोलकाता के एक सरकारी अस्पताल में ड्यूटी कर रही ट्रेनी डॉक्टर के साथ जो बर्बरता की गई और बाद में हत्या कर दी गई, उससे समूचा देश शर्मसार है। साझा आंदोलन का मुद्दा यही है। यह ममता बनर्जी की राजनीति का सबसे कठिन समय है, क्योंकि छात्रों, युवाओं और महिलाओं के समवेत आंदोलनों ने ही ममता को सडक से मुख्यमंत्री के पद तक पहुंचाया था। आज ममता ऐसे ही आंदोलनों के युवाओं और छात्रों को 'गुंडा' करार दे रही हैं। बंगाल पुलिस ने आंदोलनकारियों पर लाठियां भांजी, पानी की तेज धार मारी, आंसू गैस के गोले दागे और बाद में हिरासत में भी बंद कर दिया। सचिवालय तक के रास्ते में 27 बैरिकेड्स स्थापित किए, 26 डीसीपी सरीखे वरिष्ठ अधिकारी तैनात किए, 6000 से ज्यादा पुलिसकर्मी और सुरक्षा बल के जवान तैनात किए। लोहे की दीवारें खड़ी की गईं, जिन पर तेल और ग्रीस मला गया। क्या कोई रणक्षेत्र सजा था? 'दीदी' ने किससे युद्ध करने को अपने जवान तैनात कराए थे? आंदोलनकारी 'नबन्ना सचिवालय' तक मार्च करना चाहते थे और डॉक्टर बिटिया के साथ 'रेप-मर्डर' की नृशंसता का न्याय मांग रहे थे। आंदोलन और शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन तो हर नागरिक का संवैधानिक अधिकार है। आंदोलनकारियों ने कुछ पथराव किया, तो उनके मानसिक रोष को समझना चाहिए था। आंदोलन की ताकत इसी से समझी जा सकती है कि 80, 000 से अधिक युवा और छात्र सडक पर आंदोलित हुए।

यह ममता बनर्जी की सत्ता के खिलाफ सामूहिक लहर का एक प्रमाण है। यह 2026 के जनादेश को भी तय कर सकता है। ममता-विरोधी आंदोलनों ने कोलकाता के बाहर और पश्चिम बंगाल के पार खासकर बंगालियों को जगा दिया है। ये उनके लिए चेतावनी की घंटी है। औसतन बंगाल महिला-सुरक्षा और सम्मान का पक्षधर रहा है। बंगाल देवी दुर्गा और मां काली की आराधना-स्थली है। अगले माह दुर्गा पूजा और फिर दीपावली के त्योहार हैं।

द्रोपदी का डर और डर की द्रोपदी

> निर्भया हत्याकांड के बाद सबसे ज्यादा चर्चित और राजनीति का औजार बने कोलकाता काण्ड के बीस दिन बाद राष्ट्रपति जी का बोलना मायने रखता है। इस मामले में पूरा देश बोल चुका है। एक राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू का बोलना रह गया था। राष्ट्रपति ने मामले पर सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि सभ्य समाज में बेटियों से ऐसे अपराध मंजूर नहीं हैं. मैं पूरी घटना से निराश और भयभीत हूं।

-राकेश अचल-

चलिए अच्छा हुआ कि कोलकाता बलात्कार कांड के बारे में बोलकर राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू भी उस कतार में शामिल हो गयीं जिसमें पहले से लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला, राज्य सभा के सभापति जयदीप धनकड़ और बंगाल के राज्यपाल सीबी आनंद बोस शामिल है। बिरला, , धनकड़ और बोस पर सरकार के एजेंट के रूप में काम करने के आरोप लग चुके हैं, अब राष्ट्रपति ने भी कोलकाता काण्ड पर अपनी टिप्पणी कर ये सार्वजनिक कर दिया है कि वे देश की राष्ट्रपति बाद में हैं, भाजपा की कार्यकर्ता पहले।

निर्भया हत्याकांड के बाद सबसे ज्यादा चर्चित और राजनीति का औजार बने कोलकाता काण्ड के बीस दिन बाद राष्ट्रपति जी का बोलना मायने रखता है। इस मामले में पूरा देश बोल चुका है। एक राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू का बोलना रह गया था। राष्ट्रपति ने मामले पर सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि सभ्य समाज में बेटियों से ऐसे अपराध मंजूर नहीं हैं. मैं पूरी घटना से निराश और भयभीत हूं। राष्ट्रपति ने ये बात पीटीआई (भाषा) से बातचीत में कही। जाहिर है की पीटीआई को इस बात के लिए किसी ने आमंत्रित किया होगा कि वो राष्ट्रपति महोदया से मिलकर कोलकाता काण्ड पर उनका बयान ले। अन्यथा राष्ट्रपति जी ऐसे मामलों पर पहले कभी नहीं बोलीं।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू बेहद भद्र और सहनशील महिला है। वे मान-अपमान से परे है। सरकार ने उनका कितनी बार अपमानित किया ये देश को तो याद है, लेकिन उन्हें नहीं। उन्होंने कभी अपने अपमान की शिकायत नहीं की, बल्कि अपमान का घूँट खामोशी के साथ पिया। उलटे वे देश के प्रधानमंत्री जी को दही-मिश्री खिलातीं रहीं। कोलकता काण्ड पर भी उनसे बुलवाया गया है। उन्होंने कहा कि बेटियों के खिलाफ ऐसे अपराध मंजूर नहीं हैं। उन्होंने कहा कि इस घटना पर कोलकाता में छात्र, डॉक्टर और नागरिक प्रदर्शन कर रहे थे जबकि अपराधी कहीं और घूम रहे थे। अब बस बहुत हुआ। समाज को ईमानदार होने और आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत है। समाज को आत्ममंथन करने की जरूरत है। ऐसा पहली बार हुआ है, जब राष्ट्रपति ने इस घटना बयान दिया है।

राष्ट्रपति महोदया का बोलना बुरा नहीं है, बल्कि उन्हें तो बहुत पहले से वाचाल होना ही चाहिए, क्योंकि देश के तमाम ज्वलंत मुद्दों पर देश के प्रधानमंत्री जी मौन साध लेते हैं। लेकिन तकलीफ ये है कि राष्ट्रपति जी ने बोलने में देर कर दी। वे तब बोलीं जब इस मुद्दे पर लाल किले से बोला जा चुका है। वे तब बोलीं जब बंगाल को भाजपा बंद करा चुकी है। वे तब बोलीं जब सौरब गांगुली इस मुद्दे पर बोल चुके हैं। राष्ट्रपति जी तब बोलीं जब ये पूरा मामला राजनीति का मुद्दा बन गया है। राष्ट्रपति को महिला उत्पीड़न के हर मामले में बोलना चाहिए। उन्हें राज्य की सीमाएं नहीं देखना चाहिये। वे बंगाल के अलावा उत्तराखंड, मप्र, महाराष्ट्र, बिहार और उत्तर प्रदेश में हो रहीं बलात्कार और महिला उत्पीड़न के मामलों पर भी बोल सकतीं हैं।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू को हक है कि वे किसी भी मुद्दे पर बोल सकतीं है, लेकिन बोलतीं नहीं है। वे तभी बोलतीं हैं जब उनसे बोलने के लिए कहा जाता है। अन्यथा वे चाहतीं तो 9 अगस्त की इस जघन्य वारदात के बाद सीधे बंगाल की मुख्यमंत्री सुश्री ममता बनर्जी से फोन पर बात कर सकतीं थीं। उन्हें अपने मन में बैठे भय से वाकिफ करा सकतीं थीं, किन्तु उन्होंने ऐसा नहीं किया। क्योंकि वास्तव में वे भयभीत नहीं थीं। भयभीत होतीं तो क्या 20 दिन मौन बनीं रहती? उनके भयभीत होने का कोई कारण भी नहीं है। उन्हें दुनिया की सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा हासिल है, फिर भी वे भयभीत हैं तो, कुछ दिन के लिए अपना भय दूर करने के लिए विदेश यात्रा कर सकतीं हैं।

बंगाल के मामले में राष्ट्रपति जी का बयान विमर्श में आना चाहिए। अब देश की बैशाखी सरकार के लिए बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने का रास्ता बिलकुल साफ है। कम से कम राष्ट्रपति जी का भय दूर करने के लिए तो बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाया ही जा सकता है, क्योंकि बिना राष्ट्रपति शासन लगाए बंगाल की सत्ता भाजपा के हाथ में आने वाली नहीं है, ये बात पिछले दो विधानसभा चुनावों में साफ हो चुकी है। हाल के लोकसभा चुनावों के नतीजे भी यही संकेत देते हैं की भाजपा के लिए बंगाल जीतना आसान नहीं है।

आप हैरान हों या न हों किन्तु मै हैरान हूँ कि राष्ट्रपति जी कोलकाता के एक काण्ड से भयभीत हो गयीं लेकिन उन्हें मणिपुर में ऐसे ही असंख्य वारदातों के बाद भी भय नहीं लगा। उन्होंने मणिपुर के बारे में कभी एक शब्द नहीं कहा। मुमकिन है कि उन्हें भी मणिपुर इस देश का हिस्सा न लगता हो, जैसा की माननीय प्रधानमंत्री जी को नहीं लगता। मेरा सुझाव तो ये है कि माननीय राष्ट्रपति जी को तुरत-फुरत कोलकाता जाकर पीड़ित महिला चिकित्सक के परिजनों से भी मिलकर अपने भय और संवेदना का इजहार कर देना चाहिए।

हमारे देश में राष्ट्रपति को रबर स्टाम्प कहा जाता है। हमें तो स्कूलों में कम से कम यही पढ़ाया गया था। संयोग से अपवादों को छोड़ दें तो राष्ट्रपतियों ने इस बात को प्रमाणित भी किया। वे काठ की पुतली ही बने रहे। कुछ थे जिन्होंने देश की सरकारों के कामकाज में बाधा डालने की कोशिश की। राष्ट्रपति मुर्मू इस मामले में अपने पूर्ववर्ती राष्ट्रपतियों से जरा अलग है। वे सरकार के लिए आदिवासियों को लुभाने किसी भी आदिवासी बहुल राज्य में जातीं है। वे खड़ी रहतीं हैं और प्रधानमंत्री बैठे रहते है। उन्हें कहीं न बुलाया जाये तो उन्हें न गुस्सा आता है और न क्षोभ होता है वे स्थितिप्रज्ञ हैं। मै उनका बेहद सम्मान करता हूँ, क्योंकि वे अहसान फरामोश नहीं है। उन्हें जिस दल ने राष्ट्रपति बनाया है वे उस दल के प्रति निष्ठावान है। पहले के तमाम राष्ट्रपति भी उन्हीं की तरह होते थे। फर्क सिर्फ इतना था कि अधिकाँश कठपुतली होते हुए भी थोड़ी बहुत रीढ़ की हड्डी भी रखते थे।

छत्रपति प्रतिमा का ढहना शासन-तंत्र की भ्रष्टता का प्रमाण

-ललित गर्ग-

मराठा पहचान और परम्परा के प्रतीक पुरुष, प्रथम हिन्दू नेता छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हाल ही में की गयी 35 फीट ऊंची प्रतिमा का थरथरा कर गिर जाना राष्ट्रीय शर्म एवं प्रशासनिक भ्रष्टाचार का दुःखद अध्याय है। इस तरह हमारे एक महानायक की महान स्मृतियों से जुड़ी इस प्रतिमा का गिरना एवं ध्वस्त होना सरकार में गहरे पैठ चुके भ्रष्टाचार, लापरवाही एवं रिश्वतखोरी को उजागर करता है। आजादी के अमृत-काल में पहुंचने के बाद भी भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, बेईमानी हमारी व्यवस्था में जिस तीव्रता से व्याप्त है, उसका यह एक ज्वलंत उदाहरण है, जो सरकार की साख को धुंधला रही है, यह घटना भारतीय नौसेना की साख को भी बट्टा लगा रही है, यह घटना इसलिए भी गंभीर चिंता की बात है कि इससे हमारे सार्वजनिक निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की कलई खुल गई है। गौर कीजिए, इस प्रतिमा के निर्माण पर करीब 3, 600 करोड़ रुपये की लागत आई थी और इसी 4 दिसंबर को नौसेना दिवस पर इसका अनावरण किया गया था।

सिंधु दुर्ग में शिवाजी महाराज की इस प्रतिमा के गिर जाने से महाराष्ट्र की राजनीति में उबाल आना स्वाभाविक है, इससे लोगों का आहत होना भी उचित हैं। क्योंकि छत्रपति शिवाजी महाराज महाराष्ट्र के महानायक एवं जन-जन की आस्था के केन्द्र हैं। वे महाराष्ट्र के जीवन का अभिन्न अंग हैं एवं वहां की राजनीति उनके नाम के इर्द-गिर्द घूमती है। महाराष्ट्र ही नहीं सम्पूर्ण देश में शिवाजी महाराज के प्रशंसक हैं। मराठों के अस्तित्व एवं अस्मिता के वे प्राण रहे हैं, मराठों को उन्होंने ने ही लड़ना सिखाया, उनके जीवन को उन्नत बनाया। उन्होंने बिना किसी भेदभाव के महाराष्ट्र की सभी जातियों को एक भगवा झंडे के नीचे एकत्रित किया और मराठा साम्राज्य की स्थापना की। शिवाजी ने अपने राज्य-शासन में मानवीय नीतियां अपनाई थी जो किसी धर्म पर आधारित नहीं थी। महाराष्ट्र क्योंकि उनकी जन्मस्थली ही नहीं कर्मस्थली भी रहा इसलिए महाराष्ट्र की आबोहवा में वे आज भी जीवंत हैं। ऐसे महानायक की प्रतिमा के गिर जाने के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में तूफान खड़ा हो गया है। मूर्ति का निर्माण और डिजाइन नौसेना ने तैयार किया था। कहा तो यही जा रहा है कि 45 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हवाओं के कारण प्रतिमा टूटकर गिर गई।

छत्रपति शिवाजी के महाराष्ट्र और मराठा संस्कृति के ही नहीं, बल्कि भारतीयता के प्रतीक एवं प्रेरणा पुरुष हैं। आम मराठी भावनात्मक रूप से उनसे जुड़ा है। ऐसे में, इस मूर्ति का ढहना राज्य की एकनाथ शिंदे सरकार एवं भारतीय नौसेना की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करती है। चंद महीने बाद ही राज्य में विधानसभा चुनाव होने के कारण यह एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनना निश्चित है। एक मजबूत विपक्षी पार्टी शिव सेना की पूरी राजनीति शिवाजी के शौर्य व आत्म-गौरव से प्रेरित है, एनसीपी शरद पवार, कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों ने एकनाथ शिंदे सरकार को निशाना बनाना शुरू कर दिया है और आरोप लगाया है कि छत्रपति शिवाजी का स्मारक चुनावों को देखते हुए जल्दबाजी में बनाया गया था और इस काम में गुणवत्ता को पूरी तरह से अनदेखा किया गया। प्रतिमा का ढह जाना छत्रपति शिवाजी का अपमान तो है ही और यह जाहिर है कि इसका काम घटिया गुणवत्ता का था। इसीलिये घटना को शिवाजी के अपमान के रूप में पेश किया जाने लगा है। चुनाव की सरगर्मियों के बीच शिवाजी की प्रतिमा का मुद्दा चर्चा में आ गया है। इस मुद्दे को वोट जुटाने के लिए असरदार हथियार के रूप में जरूर इस्तेमान किया जायेगा। लेकिन मूल प्रश्न है ऐसे भ्रष्टाचार को रोकने की दिशा में कब सार्थक प्रयास होंगे? राज्य की एकनाथ शिंदे सरकार को इस मामले में त्वरित कार्रवाई करके दोषियों को कड़ी सजा दिलानी चाहिए, ताकि न सिर्फ विपक्ष के आरोपों की धार को निस्तेज किया जा सके, बल्कि सार्वजनिक निर्माण में किसी किस्म की लापरवाही या उदासीनता बरतने वालों को भी यह संदेश मिल सके कि वे बख्शे नहीं जाएंगे।

यह पहली घटना नहीं है, जिसमें किसी बड़ी निर्माण योजना की कमी इस तरह की भ्रष्ट एवं लापरवाही के रूप में उजागर हुई है। हमारे सार्वजनिक निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बार-बार तार-तार होती रही है। मई 2023 में उज्जैन के महालोक कोरिडोर में लगी सप्तऋषियों की मूर्तियां भी इसी तरह आंधी-तूफान में धराशायी हो गई थीं। अयोध्या में भी सड़के ध्वस्त हो गयी थी। बिहार में एक पखवाड़े के भीतर लगभग एक दर्जन छोटे-बड़े पुलों के ध्वस्त होने की घटनाएं हैरान करने के साथ-साथ चिंतित करने वाली बनी हैं। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर टर्मिनल-1 पर छत गिरने की घटना से भी हर कोई हैरान हुआ है। मुंबई में घाटकोपर का होर्डिंग गिरना 14 लोगों की मौत का कारण बना था। कहीं नई बनी सड़कें धंस हो जाती हैं तो कहीं नई सरकारी इमारतों में दरारे पड़ जाती है। इन मूर्तियों, पुलों, सड़कों एवं सार्वजनिक निर्माण के अन्य सरकारी निमार्णों के ध्वस्त होने की घटनाओं ने एक बार फिर यही साबित किया है कि निर्माण कार्यों में फैले व्यापक भ्रष्टाचार और शासन तंत्र में बैठे लोगों की मिलीभगत के बीच ईमानदारी, नैतिकता, जिम्मेदारी या संवेदनशीलता जैसी बातों की जगह नहीं है। आज हमारी व्यवस्था चरमरा गई है, दोषग्रस्त हो गई है। उसमें दुराग्रही इतना तेज चलते हैं कि ईमानदारी बहुत पीछे रह जाती है। जो सद्प्रयास किए जा रहे हैं, वे निष्फल हो रहे हैं। प्रतिमाएं हो या पुल-इनके गिरने से जितने पैसों की बबार्दी होती है, उसकी भरपाई आखिर किससे कराई जाएगी? जाहिर है, इनकी वजहों को समझने के लिए किसी मजबूत, पारदर्शी एवं निष्पक्ष तंत्र की जरूरत है।

आरक्षण खत्म करने की बात कौन करेगा?

-अशोक मधुप-

दलित और पिछड़े युवाओं के उत्थान के लिए लाया गया आरक्षण अब सत्ता में पहुंचने माध्यम बनता जा रहा है। अलग - अलग राज्य में राजनैतिक दल जहां आरक्षण को अपने हिसाब से अदल - बदल रहे हैं, वही प्राइवेट सैक्टर में भी आरक्षण लागू करने की कोशिश हो रही है। कुछ राज्यों ने अपने यहां ये आरक्षण लागू किया पर वहां के हाईकोर्ट ने उसे अवैध बताते हुए रोक लगा दी, पर ये कोशिश जगह झजगह जारी है।

सर्वोच्च न्यायालय की सात न्यायधीश की संविधान पीठ आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू करने की बात की तो विपक्ष ने राजनैतिक लाभ उठाने के लिए इसका विरोध शुरू कर दिया। हालाकि प्रधानमंत्र नरेंद्र मोदी आश्वस्त कर चुके हैं कि आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू नही होगा, इसके बावजूद आरक्षण समर्थक राजनैतिक दलों ने इसके विरूद्ध आंदोलनरत हैं। अभी वे भारत बंद का आह्वान कर ही चुके हैं। इससे पहले कर्नाटक में प्राइवेट नौकरी में स्थानीय के लिए शत प्रतिशत आरक्षण को लागू करने पर खड़ा हो गया। हालाकि प्रदेश कैबनेट में पांस किया गया ये कानून विरोध को देखते हुए ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है, पर खत्म नहीं किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा है कि अगली केबनेट की बैठक में इसपर फिर विचार होगा।

हाल के लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण के आते झआते प्रचार आरक्षण पर आकर सिमट गया। भाजपा नेता अपने भाषणों में दावा कर रहे है कि हम देश में मुस्लिम आरक्षण लागू नही होने देंगे। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी सभाओं में मुस्लिम आरक्षण पर चिंता जाहिर कर रहे हैं। वह कह रहे हैं कि सत्ता में आते ही इंडिया गठबंधन दलित और पिछडों का आरक्षण काटकर मुस्लिमों को दे देगा। वे देश का विभाजन करवा देंगे। इस पर कुछ बड़े नेता तो चुप्पी साधे है किंतु समाजवादी पार्टी के सांसद एसटी हसन ने एक बयान में कहा है कि इंडिया गठबधंन के सत्ता में आते ही संविधान में संशोधन कर मुस्लिमों को सरकारी सेवाओं में आरक्षण दिया जाएगा।

देश को आजाद हुए 75 साल से ज्यादा हो गए। आजादी के बाद दलित समाज को विकास की धारा में शामिल करने के लिए दस साल के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई थी। आज ये आरक्षण राजनेताओं को सत्ता में पंहुचने का माध्यम नजर आने लगा है, वे इसे बढ़ाने की बात कर रहे हैं। खत्म करने की नहीं। किसी को यह सोचने की फुरसत नही कि आरक्षण की मार से बचने के लिए देश के प्रतिभाशाली युवा आज विदेशों में जाकर शिक्षा ले रहे है। शिक्षा पूरी कर वहीं नौकरी या व्यवसाय कर चुने गए देश के विकास में योगदान कर रहे हैं। भारत के बाहरर जाकर बसी भारत की मेधा से प्रभावित होते देश के विकास पर किसी को सोचने का समय नहीं।

प्राइवेट सेक्टर की नौकरियों में आरक्षण को लेकर कर्नाटक सरकार ने यूटर्न ले लिया है। सरकार ने पहले सी और डी कैटेगरी की प्राइवेट नौकरियों में स्थानीय लोगों को आरक्षण देने की बात कही थी। फिलहाल, आरक्षण के उस फैसले पर रोक लगा दी गई है। कैबिनेट ने फैसला स्थगित कर दिया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने प्राइवेट सेक्टर में कन्नड़ लोगों को 100 फीसदी आरक्षण देने को लेकर सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट की थी। अपनी इस पोस्ट में उन्होंने कहा, हम कन्नड़ समर्थक सरकार हैं। सरकार के इस फैसले का चौतरफा विरोध होने पर इस पर रोक लगा दी गई। सरकार का कहना है कि इस बिल पर वह पुनर्विचार करेगी. देश में यह पहला ऐसा मामला नहीं है।

कर्नाटक से पहले प्राइवेट सेक्टर में स्थानीय लोगों को आरक्षण देने के लिए आंध्र प्रदेश और हरियाणा में कोशिश की गई थी. वहीं, मध्य प्रदेश में भी सरकार ने ऐसा ही कहा था, लेकिन यह कोशिश रंग नहीं ला पाई थी। 2019 में आंध्र प्रदेश में पहली बार ऐसा कोई कानून बना था जहां 75 प्रतिशत स्थानीय लोगों को प्राइवेट नौकरियों में आरक्षण देने की बात कही गई थी। पर हाईकोर्ट ने इसे असंवैधानिक बताते हुए रद्द कर दिया था। फिलहाल, ये मामला सुप्रीम कोर्ट में है।

महाराष्ट्र में 2019 में शिवसेना-कांग्रेस और एनसीपी के गठबंधन की सरकार बनने के बाद प्राइवेट नौकरियों में स्थानीयों को 80 प्रतिशत नौकरियां देने का प्रस्ताव लाया गया था। सरकार सरकार इसे विधानसभा में भी लाना चाहती थी। लेकिन इसे लाया नहीं गया। कर्नाटक में कई बार प्राइवेट जॉब में कन्नड़ों के लिए आरक्षण तय करने की कोशिश हो चुकी है। सिद्धारमैया सरकार में ये तीसरी बार है जब ऐसी कोशिश हो रही है। इससे पहले 2014 और 2017 में भी सरकार कोशिश कर चुकी है। वहीं अक्टूबर 2020 में येदियुरप्पा की अगुवाई में बीजेपी सरकार ने प्राइवेट नौकरियों में ग्रुप सी और डी में 75 प्रतिशत आरक्षण स्थानीयों को देने का ऐलान किया था। हालांकि, ये लागू नहीं हो सका था। हरियाणा में 2020 में तब की मनोहर लाल खट्टर की सरकार ने प्राइवेट नौकरियों में स्थानीयों को 75 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए कानून पास किया था। हाईकोर्ट ने पिछले साल नवंबर में इस कानून को रद्द कर दिया। झारखंड में दिसंबर 2023 में हेमंत सोरेन की सरकार ने सरकारी नौकरियों की ग्रुप तीन और चार में स्थानीयों को 100 प्रतिशत आरक्षण देने के मकसद से बिल पास किया था।

इन्हें माननीय कहें या कलंक?

-निर्मल रानी-

विश्व के सबसे बड़े 'लोकतंत्र का मंदिर' कही जाने वाली भारतीय संसद को पंडित जवाहरलाल नेहरू से लेकर अटल बिहारी वाजपई तक ऐसे अनेकानेक सांसदों ने सुशोभित किया है जिनकी मधुर वाणी व विचारों का केवल पक्ष-विपक्ष ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया कायल थी। देश के भविष्य के लिये नीतियां निर्धारित करने वाले इन्हीं जनप्रतिनिधि सांसदों को 'माननीय' यूँ ही नहीं कहा जाता। यहां तक कि लोकसभा व राज्य सभा के सभापति व मंत्रीगण भी इन सांसदों को 'माननीय' कहकर सम्बोधित करते सुनाई देते हैं। परन्तु विगत कुछ वर्षों से जिस स्तर के लोग देश की संसद में निर्वाचित होकर आ रहे हैं और राजनैतिक पार्टियां उन्हें पार्टी प्रत्याशी बनाकर उनके निर्वाचित होने का रास्ता हमवार कर रही हैं उसे देखकर इन्हें माननीय कहना तो गोया 'माननीय' शब्द की ही तौहीन प्रतीत होने लगा है। जिन 'माननीयों' से सदन में शिष्टाचार, मृदुभाषी होने की उम्मीद की जानी चाहिये उन्हीं के मुंह से गली गलोच, धमकी, ओछी बातें सुनी जा रही हैं तथा अपने विपक्षियों को अपमानित करने की कोशिशें, झूठे व अनर्गल आरोप, साम्प्रदायिकता व जातिवाद फैलाना आदि देखा जा रहा है। यह 'कथित माननीय' संसद से लेकर सड़कों तक जहर उगलते देखे जा सकते हैं।

पिछले दोनों एक बार फिर अपने ऐसे ही विवादित व जहरीले बयानों के लिये कुख्यात 'माननीया' कंगना रनौत ने एक बार फिर ऐसा आपत्तिजनक बयान दे डाला कि इसबार तो उनकी अपनी भारतीय जनता पार्टी ने भी उनके बयान से खुद को अलग कर लिया तथा पार्टी ने उन्हें यह चेतावनी भी दे डाली कि नीतिगत मामलों पर बयान देने के लिए वे अधिकृत नहीं हैं। साथ ही पार्टी ने उन्हें सख़्त हिदायत भी दी कि वे भविष्य में इस प्रकार के कोई बयान न दें। कंगना रनौत ने गत दिनों एक समाचारपत्र को दिये गये साक्षात्कार में बांग्लादेश में पिछले दिनों हुई उथल पुथल व वहां हुये सत्ता परिवर्तन को भारत के किसान आंदोलन से जोड़ते हुये यहाँ तक कह दिया था कि -"यहाँ पर जो किसान आंदोलन हुए, वहाँ पर लाशें लटकी थीं, वहाँ रेप हो रहे थे..." इतना ही नहीं बल्कि उन्होंने यह भी कहा कि -"किसानों की बड़ी लंबी प्लानिंग थी, जैसे बांग्लादेश में हुआ। इस तरह के षड्यंत्र... आपको क्या लगता है किसानों...? चीन, अमेरिका... इस इस तरह की विदेशी शक्तियाँ यहां काम कर रही हैं। " कंगना के इस अति विवादित बयान के बाद न केवल किसानों बल्कि विपक्षी दलों की तरफ से भी जबरदस्त प्रतिक्रियायें आनी शुरू हो गयीं। खासकर कृषि बाहुल्य राज्य हरियाणा में जहाँ पहले ही भाजपा सत्ता विरोधी लहर का जबरदस्त सामना कर रही है, विधानसभा चुनाव का सामना करने जा रहे उस राज्य में भाजपा कंगना के इस आपत्तिजनक बयान से और भी असहज हो गयी है।

यही कंगना रनौत ही थीं जिन्होंने दिसंबर 2020 में महिंदर कौर नमक एक बुजुर्ग किसान आंदोलनकारी महिला व गुजरात की बलात्कार पीड़िता बिल्कीस बानो के चित्र एक साथ ट्वीट करते हुए यह व्यंग कसा था कि -"हा हा. ये वही दादी हैं, जिन्हें टाइम मैगजीन की 100 सबसे प्रभावशाली व्यक्तियों की लिस्ट में शामिल किया गया था....और ये 100 रुपये में उपलब्ध हैं।" उनकी इसी बदकलामी का जवाब सीआईएसएफ की कुलविंदर कौर नाम की महिला कॉन्स्टेबल ने इसी साल जून महीने में मोहाली एयरपोर्ट पर कंगना रनौत के गाल पर थप्पड़ जड़ कर तब दिया था जब वे मंडी से सांसद निर्वाचित होने के बाद दिल्ली जा रही थीं। कंगना के 'आंदोलनकारी 100 रुपये में उपलब्ध' वाले बयान से कुलविंदर कौर इसलिये नाराज थी क्योंकि उसकी मां भी 2020 में किसान आंदोलनकारियों में शामिल थीं। कंगना रनौत कभी राहुल गाँधी को नशेड़ी बता डालती हैं तो कभी शंकराचार्यों पर सवाल खड़े करने लगती हैं। कभी देश को स्वतंत्रता 1947 में नहीं बल्कि 2014 में मिली बताती हैं तो कभी देश का पहला प्रधानमंत्री पंडित नेहरू को नहीं बल्कि सुभाष चंद्र बोस को बता देती हैं। कभी अपनी वरिष्ठ अभिनेत्रियों को अपमानित करने वाली भाषा बोलती हैं। गोया उनकी बोल भाषा सुनकर तो लगता ही नहीं कि यह किसी ऐसे व्यक्ति के बोल हैं जो सांसद चुने जाने योग्य भी हो। पिछले कुछ वर्षों में देश के जिन 'माननीयों' द्वारा अपने कड़वे व विवादित बोल के चलते इस पवित्र सदन के सदस्य होने की गरिमा को तार तार किया गया है उनकी लंबी सूची है। मसलन, गत वर्ष पिछली संसद में अमरोहा से बहुजन समाज पार्टी के सांसद कुंवर दानिश अली को 21 सितंबर 23 को लोकसभा में चंद्रयान पर चल रही एक चर्चा के दौरान दिल्ली से भाजपा के तत्कालीन सांसद रमेश बिधूड़ी ने साम्प्रदायिक गालियां दीं और अभद्र भाषा का प्रयोग किया था।

NCR समाचार
संपादकीय कार्यालय
जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार
प्रात: 9:00 से सायं 9:00
फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षो से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अत: भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

संक्षिप्त खबरें

भविष्य में दुकान खोलना चाहते हैं तो शटर बंद रखें' कारोबारियों ने किया राष्ट्रव्यापी हड़ताल का एलान

नई दिल्ली। पाकिस्तान में कारोबारियों ने एक बार फिर राष्ट्रव्यापी हड़ताल का एलान किया है। एआरवाई न्यूज के अनुसार हड़ताल से पहले उनकी संघीय राजस्व ब्यूरो (एफबीए) के साथ जारी वार्ता गतिरोध के सामाप्त हुई।

अंजुमन-ए-ताजिरान के केंद्रीय अध्यक्ष काशिफ चौधरी ने सरकार की वार्ता को "नाटक" करार दिया और एलान किया कि 28 अगस्त को खैबर से कराची तक पूरी तरह से बंद रहेगा। काशिफ चौधरी के अनुसार, व्यापारी आईपीपी समझौतों की जांच और बिजली की लागत में कमी की मांग कर रहे हैं। हड़ताल को उस दिशा में पहला कदम बताते हुए उन्होंने कहा कि आर्थिक व्यवस्था को दुरुस्त करने की जरूरत है। अंजुमन-ए-ताजिरान के केंद्रीय अध्यक्ष ने कहा कि व्यापारी कर चुकाने से थक चुके हैं। ए

आरवाई न्यूज के अनुसार, उन्होंने कहा, "हर दुकानदार 28 अगस्त को अपना शटर बंद कर देगा जो भविष्य में शटर खोलना चाहता है।" गुजरांवाला, पेशावर, मुल्तान, फैसलाबाद, कराची और लाहौर समेत सभी प्रमुख शहरों के बंद से प्रभावित होने की आशंका है।

फेडरल बोर्ड ऑफ रेवेन्यू (ऋइफ) के अध्यक्ष राशिद महमूद लांगरियाल ने पहले व्यापारियों से वादा किया था कि उनकी "वैध" मांगों को स्वीकार किया जाएगा, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि ताजिर दोस्त योजना को बंद नहीं किया जाएगा। कराची, लाहौर, फैसलाबाद , मुल्तान, गुजरांवाला और पेशावर के व्यापारियों के साथ एक वर्चुअल कॉन्फ्रेंस के दौरान यह घोषणा करने वाले राशिद महमूद लांगरियाल के अनुसार व्यापारियों की सभी "वैध" मांगें पूरी की जाएंगी। एआरवाई न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, एफबीआर के अध्यक्ष ने स्पष्ट रूप से कहा कि ताजिर दोस्त योजना को वापस नहीं लिया जाएगा। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि एफबीआर के अध्यक्ष ने पाकिस्तान के व्यापारियों को एक बैठक के लिए बुलाया था, क्योंकि उन्होंने 28 अगस्त को राष्ट्रव्यापी हड़ताल की घोषणा की। एफबीआर के अध्यक्ष राशिद महमूद लांगरियाल के अनुसार, पाकिस्तान में खुदरा और थोक कर नहीं लगाए जाते हैं, उन्होंने यह भी कहा कि शक्तिशाली लोगों पर कमजोर लोगों की तुलना में अधिक कर लगाना अव्यावहारिक है।

डीएमके सांसद पर ईडी ने लगाया 908 करोड़ रुपये का जुर्माना, किस मामले में की गई कार्रवाई

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने बुधवार को बताया कि डीएमके सांसद एस जगतरक्षकण और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ विदेशी मुद्रा नियमों के उल्लंघन से संबंधित एक मामले में 908 करोड़ रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। संघीय एजेंसी ने एक बयान जारी किया जिसमें कहा गया कि सितंबर 2020 में जब्त की गई 89.19 करोड़ रुपये की संपत्ति को 26 अगस्त को विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत जारी एक स्थगन आदेश के बाद जब्त कर लिया गया है। 76 वर्षीय जगतरक्षकण अरक्कोणम लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं। एजेंसी ने कहा कि सांसद, तमिलनाडु के एक व्यवसायी, उनके परिवार के सदस्यों और संबंधित भारतीय इकाई के खिलाफ फेमा जांच शुरू की गई थी। इस जांच के बाद, सांसद और उनके परिवार के सदस्यों के नाम पर मौजूद विभिन्न चल और अचल संपत्तियों के लिए फेमा की धारा 37 ए के तहत 11 सितंबर, 2020 को जब्ती आदेश पारित हुआ। ईडी ने कहा, "फेमा की धारा 37ए के तहत जब्त की गई 89.19 करोड़ रुपये की संपत्ति को भी जब्त करने का आदेश दिया गया है और 26 अगस्त 2024 के न्यायिक निर्णय आदेश के तहत 908 करोड़ रुपये का जुमार्ना लगाया गया है।

एपल चालू वित्त वर्ष में 6 लाख रोजगार दे सकती है, टाटा का प्लांट शुरू होने से बढ़ेंगे अवसर

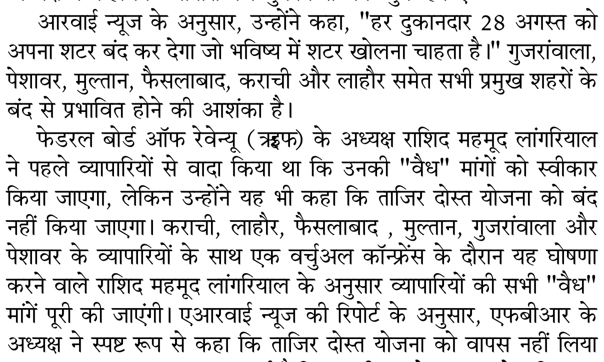

नई दिल्ली।नौकरी और रोजगार के मोर्चे पर अच्छी खबर है। एक अनुमान के मुताबिक दुनिया की अग्रणी मोबाइल कंपनी आने वाले समय में लाखों लोगों की भर्ती करेगी। खबर के मुताबिक एपल भारत में बड़े पैमाने पर विस्तार करने वाली है। वह उत्पादन क्षमता को आक्रामक तरीके से बढ़ाकर भारत में चालू वित्त वर्ष के दौरान 6 लाख रोजगार देगी। इससे चीन को जबरदस्त झटका लग सकता है।

6 लाख रोजगार में से मार्च के अंत तक दो लाख प्रत्यक्ष नौकरियां

एपल और उसके आपूर्तिकताओं की ओर से सरकार को दिए आंकड़ों के मुताबिक, 6 लाख रोजगार में से मार्च के अंत तक दो लाख प्रत्यक्ष नौकरियां होंगी, जिनमें 70 फीसदी महिलाएं होंगी। इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र हर प्रत्यक्ष नौकरी के लिए तीन अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा करता है। इस अनुमान के आधार पर एपल पांच से छह लाख रोजगार दे सकती है।

टाटा का प्लांट शुरू होने से मिलेंगी और नौकरियां

तमिलनाडु के होसुर में टाटा समूह की विनिर्माण सुविधाएं रोजगार को बढ़ावा देने के लिए तैयार हैं। इससे लगभग 50,000 नौकरी मिलने की उम्मीद है। आईफोन का व्यावसायिक उत्पादन अक्तूबर में शुरू होने वाला है। एपल ने चीन के मॉडल को भारत में शुरू किया है। इसने चीन में 25 वर्षों में 40 लाख रोजगार दिए थे। एपल विक्रेताओं व आपूर्तिकताओं ने पीएलआई योजना की शुरूआत के बाद 1.65 लाख प्रत्यक्ष रोजगार दिए?हैं।

जोमैटो ने पेटीएम के टिकटिंग व्यवसाय का अधिग्रहण किया पूरा, शेयर बाजार को फाइलिंग में दी जानकारी

नई दिल्ली। खाद्य वितरण कंपनी जोमैटो ने मनोरंजन टिकटिंग व्यवसाय के लिए पेटीएम की सहायक कंपनियों डब्ल्यूईपीएल और ओटीपीएल का अधिग्रहण पूरा कर लिया है। कंपनी ने एक्सचेंजों को भेजी गई फाइलिंग में यह जानकारी दी। 21 अगस्त को, दीपिंदर गोयल की अगुवाई वाली कंपनी ने पेटीएम की मनोरंजन शाखाओं के अधिग्रहण के लिए निश्चित समझौते किए। 21 अगस्त को अपने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग मे नोएडा स्थित पेटीएम ने भी इसकी की पुष्टि की थी। कंपनी ने एक्सचेंजों के साथ दायर एक विज्ञप्ति में कहा था कि यह सौदा, नकद-मुक्त, ऋण-मुक्त आधार पर 2,048 करोड़ रुपये का है। यह पेटीएम की ओर से मनोरंजन टिकटिंग कारोबार में बनाए गए "मूल्य का प्रमाण है"। यह कंपनी अपनी लाखों भारतीयों को सेवाएं प्रदान करती है। जोमैटो की पैतृक कंपनी ओसीएल ने अपनी सहायक कंपनियों, ऑर्बजेन टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड (ओटीपीएल) और वेस्टलैंड एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड (डब्ल्यूईपीएल) में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी जोमैटो को बेच दी है। ये कंपनियां क्रमशः टिकटन्यू और इनसाइडर प्लेटफॉर्म का संचालन करती हैं, जिसपर अब जोमैटो का स्वामित्व होगा। फिनटेक द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, मनोरंजन टिकट व्यवसाय से लगभग 280 मौजूदा कर्मचारी अब जोमैटो का हिस्सा होंगे। पेटीएम के अनुसार , कंपनी ने जमीन से मूवी टिकटिंग कारोबार का निर्माण किया और 2017 से 2018 तक कुल 268 करोड़ रुपये में टिकटन्यू और इनसाइडर का अधिग्रहण किया।

संतुलित नवाचार सुनिश्चित करने के लिए फिनटेक क्षेत्र में हो स्वनियमन, बोले आरबीआई गवर्नर

मुंबई फिनटेक सेक्टर में नवाचार और विवेकपूर्ण विनियमन के बीच संतुलन हासिल करने के लिए सेल्फ रेगुलशन लाने की जरूरत है। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बुधवार को मुंबई में आयोजित ग्लोबल फिनटेक फेस्ट के दौरान यह बात कही। कार्यक्रम के दौरान आरबीआई गवर्नर ने कहा कि भारत के फिनटेक क्षेत्र ने पिछले दो वर्षों में लगभग 6 बिलियन डॉलर आकर्षित किए हैं।

दास ने कहा कि खअट (जनधन, आधार और मोबाइल), वढक(यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस), वछक (यूनिफाइड लैंडिंग इंटरफेस) की नई तिकड़ी भारत की डिजिटल अवसंरचना की यात्रा में क्रांतिकारी साबित होगी। खुदरा भुगतान क्षेत्र में यूपीआई की क्रांतिकारी सफलता के बाद दास ने इस सप्ताह देश के ऋण पारिस्थितिकी तंत्र को बदलने के लिए 'उचित समय पर' यूएलआई की लॉन्चिंग का एलान किया था।

यूपीआई, रूपे को सही मायने में वैश्विक बनाने के प्रयास जारीः आरबीआई गवर्नर... आरबीआई गवर्नर ने कहा, हम अब वढक और फ्श्ढं८ को वास्तव में वैश्विक बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।" दास ने कहा कि भविष्य में सीमा पार भुगतान प्रणाली सहित वित्तीय अवसंरचना का विस्तार करने पर आरबीआई फोकस करेगा। दास ने कहा कि इस दिशा में भूटान, नेपाल, श्रीलंका, सिंगापुर, संयुक्त

अरब अमीरात (यूएई), मॉरीशस, नामीबिया, पेरू, फ्रांस और कुछ अन्य देशों के साथ यूपीआई नेटवर्क के जरिये रुपे कार्ड और भुगतान स्वीकार करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

उन्होंने कहा कि ये प्रयास दुनियाभर में भारत की पहल को अपनाने के लिए सहयोगी प्रयासों को रेखांकित करते हैं। एकीकृत भुगतान प्रणाली यूपीआई मोबाइल फोन के जरिये अंतर-बैंक लेनदेन की सुविधा देती है जबकि रुपे घरेलू रूप से विकसित एक वैश्विक कार्ड भुगतान नेटवर्क है। दास ने कहा कि भारत अपनी प्रौद्योगिकी प्रतिभा और विकसित वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) पारिस्थितिकी के सहारे डिजिटल नवाचार और फिनटेक स्टार्टअप का वैश्विक केंद्र बनने, रणनीतिक साझेदारी बनाने और उसे मजबूत करने, अंतरराष्ट्रीय सहयोग की प्रतिबद्धता को सशक्त करने और उत्कृष्ट संस्थानों को विकसित करने की क्षमता रखता है।

दास ने कहा कि फिनटेक क्षेत्र ने पिछले दो वर्षों में लगभग छह अरब डॉलर का निवेश आकर्षित किया है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि भारत अब एक तेजी से बढ़ती आर्थिक शक्ति है। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था में पैदा हो रहे नए अवसरों का लाभ उठाने और जोखिमों को कम करने के लिए वित्तीय संस्थानों और फिनटेक को तेजी से एक मजबूत ढांचा अपनाना चाहिए।

पांचवें जीएफएफ 2024 का आयोजन हो रहा मुंबई में

पांचवें ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ) 2024 का आयोजन मुंबई में किया जा रहा है। जिसमें दुनिया भर की फिनटेक कंपनियां हिस्सा ले रही हैं। जीएफएफ के पांचवें संस्करण में फिनटेक की परिवर्तकारी भूमिका पर ध्यान केंद्रीत किया जाएगा। ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में "बिल्डिंग ब्रिजेज फॉर दी नेक्स्ट डिकेड ऑफ फाइनेंस" नाम से रिपोर्ट पेश की गई। रिपोर्ट के अनुसार 2024 की दूसरी तिमाही में ग्लोबल फिनटेक क्षेत्र की फंडिंग 7-10 बिलियन डॉलर पर स्थिर है। नए उत्पादों और इनोवेशन के साथ ग्लोबल फिनटेक का राजस्व 2030 तक 25 प्रतिशत वृद्धि के साथ 1.5 ट्रिलियन डॉलर पहुंचने की उम्मीद है, यह 2023 में 320 अरब डॉलर रहा था।

फिनटेक कंपनियों व यूनिकॉर्न के मामले में भारत दुनिया में तीसरे नंबर पर

भारत के फिनटेक क्षेत्र पर नजर डाले तो रिपोर्ट में भारत फिनटेक कंपनियों और यूनिकॉर्न की संख्या की दृष्टि से तीसरा स्थान रखता है। भारतीय फिनटेक कंपनियों की 2023 में डेढ़ गुना वृद्धि हुई। रिपोर्ट में 2030 तक भारतीय फिनटेक कंपनियों का राजस्व 35 से 40 प्रतिशत बढ़कर (डीपीआई एक्सपोर्ट के साथ) 50-60 बिलियन डॉलर होने का अनुमान जताया गया है। फिनटेक में निवेशक को लेकर भी बदलाव इस रिपोर्ट में देखने को मिला है। बीटूबी यानी बिजनेस टू बिजनेस क्षेत्र के निवेश में 6 प्रतिशत की वृद्धि रही और यह 2023-24 में 65 प्रतिशत बढ़ा है। ग्लोबल फिनटेक फेस्ट के दौरान भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के सचिव (आर्थिक संबंध) दम्मू रवि, जीएफएफ 2024 के अध्यक्ष, इंफोसिस के सह-संस्थापक और एक्सिलर वेंचर्स के अध्यक्ष क्रिस गोपालकृष्णन और एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल) के सीईओ रितेश शुक्ला भी मौजूद रहे।

भारत में साइबर हमले अधिक, इस पर ध्यान देने की जरूरत

रिपोर्ट में भारत के लिए एक चिंताजनक बात सामने आई है, जिसमें भारत दूसरा ऐसा देश है जहां साइबर अटैक यानी साइबर हमले अधिक होते हैं। देश जिस तेजी डिजिटल क्रांती की ओर बढ़ रहा है, उसमें साइबर सुरक्षा पर अधिक ध्यान देने की बात कही गई है। इसमें सरकार द्वारा बनाई जाने वाली पॉलिसियों से लेकर फिनटेक कंपनियों द्वारा साइबर सुरक्षा पर निवेश और ध्यान दोनों देने की जरूरत इस रिपोर्ट में बताई गई है। इसकी सबसे बड़ी वजह लोगों में डिजिटल साक्षरता नहीं होना है। हाल ही में यूपीआई पर साइबर हमला किया गया। जिसमें छोटे बैंकों सहित सामान्य लेने देन पर बुरी तरह प्रभावित हुआ। भारतीय रिजर्व बैंक और बाजार नियामक सेबी ने भी साइबर सुरक्षा पर ध्यान देने को कहा है।

आम लोगों को डिजिटल साक्षरता बढ़ाने पर जोर

सम्मेलन में विदेश मंत्रालय के सचिव (आर्थिक संबंध) दम्मू रवि ने संबोधित करते हुए कहा कि मैं मानता हूं कि फिनटेक कंपनियों और सरकारी पॉलिसी के बीच काफी अंतर है, हमें इस अंतर को भरना होगा। आनेवाले समय भारत के लिए महत्वपूर्ण होगा क्योंकि हम इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत आईटी क्षेत्र की अगुवाई कर रहा है और आनेवाला समय डेटाक्रांती को होगा। जिसका लाभ हमें उठाना होगा। उन्होंने इस बात पर चिंता जताई कि जिस तेजी से देश में डिजिटलाइजेशन बढ़ रहा है, लेकिन उस तेजी से डिजिटल साक्षरता नहीं बढ़ी है। इसलिए हमें इस ओर ध्यान देना होगा। सरकार और फिनटेक कंपनियों को देश में इस गेप को भरने की जरूरत है। भारत ने पिछले कुछ सालों में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर में तेजी से बदलाव आया है। जिसमें यूपीआई ने इसमें बड़ी भूमिका निभाई है। यह किफायती और आसानी से पेमेंट करने वाला प्लेटफॉर्म बना है।

अपनी किताबों पर दोनों नातिन की बजाय भारत के बच्चों से प्रतिक्रिया लेना पसंद

नई दिल्ली। लेखिका और समाजसेवी सुधा मूर्ति का कहना है कि जब बच्चों के लिए लिखी उनकी पुस्तकों पर गहराई वाली प्रतिक्रिया की बात आती है तो वह लंदन में रहने वाली अपनी नातिनों की बजाय बेंगलुरु और अन्य भारतीय शहरों के युवा पाठकों को चुनती हैं।

सुधा मूर्ति की पुस्तकों ग्रैंडपेरेंट्स बैग ऑफ स्टोरीज(2020) और ह्यग्रैंडमांज बैग ऑफ स्टोरीज (2015) के सीक्वल के रूप में उनकी नई किताब ग्रैंडपाज बैग ऑफ स्टोरीज हाल में आई है।

सुधा मूर्ति के अनुसार, उनकी दोनों नातिन जो अभी किशोरावस्था में कदम रख रही हैं, अपनी नानी की किताब को बहुत ही सामान्य मानती हैं और उन्हें अंग्रेजी की क्लासिक किताबें पढ़ने का शौक है उन्होंने पीटीआई-भाषा को दिए साक्षात्कार में कहा, ह्यह्यमैं उनसे (नातिनों से) उतनी बार नहीं मिल पाती, जितना दूसरे बच्चों से मिलती हूं। और वे भारतीय परिस्थितियों से इतना जुड़ाव नहीं महसूस कर पातीं, जबकि भारत में मेरे बच्चे बहुत ज्यादा जुड़ाव महसूस कर सकते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि भारत में पले-बढ़े बच्चे मुझे मेरी नातिनों की तुलना में ज्यादा गहराई वाली प्रतिक्रिया देते हैं। सुधा मूर्ति की बेटी अक्षता हैं और उनके दामाद ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक हैं। अक्षता और सुनक की दो बेटियां अनुष्का और कृष्णा हैं। इसी महीने 74 साल की हुई सुधा मूर्ति के लिए लेखन का अर्थ है प्रसन्नता। वह अब तक 46 किताब लिख चुकी हैं। हालांकि वह इसे पर्याप्त नहीं मानतीं। उनकी नई किताब में उनके पति और उद्योगपति एनआर नारायण मूर्ति से प्रेरित पात्र अज्जा(नाना) को एक कहानीकार के रूप में प्रस्तुत किया गया है। सुधा मूर्ति बच्चों और किशोर पाठकों के बीच काफी लोकप्रिय हैं।

वह कहती हैं, मैं कहानी लिखते समय बच्चा बन जाती हूं और उनकी तरह ही सोचती हूं। एक बच्चे को कहानी में क्या पसंद हैः हास्य, अच्छी बातें.... और दुखद अंत तो बिल्कुल नहीं। कर्नाटक के हुबली में 1950 में एक मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मीं सुधा मूर्ति ने अपने पति के साथ मिलकर आईटी कंपनी इंफोसिस की शुरूआत की थी। इंफोसिस फाउंडेशन की पूर्व अध्यक्ष सुधा मूर्ति को इस साल मार्च में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति ने राज्यसभा सदस्य मनोनीत किया था।

2 औद्योगिक स्मार्ट शहर स्थापित करने को मंजूरी अश्विनी वैष्णव बोले- 28,602 करोड़ रुपये होंगे खर्च

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को 28,602 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश के साथ घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए 10 राज्यों में 12 नए औद्योगिक शहर बनाने को मंजूरी दी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को इसकी जानकारी दी।

10 राज्यों में फैले और छह प्रमुख गलियारों के साथ रणनीतिक रूप से नियोजित ये परियोजनाएं भारत की विनिर्माण क्षमताओं और आर्थिक विकास को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण छलांग साबित होंगे। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विणी वैष्णव ने बताया कि ये औद्योगिक क्षेत्र उत्तराखंड के खुरपिया, पंजाब में राजपुरा-पटियाला, महाराष्ट्र में दिघी, केरल में पलक्कड़, यूपी में आगरा और प्रयागराज, बिहार में गया, तेलंगाना में जहीराबाद, एपी में ओरवाकल और कोप्पर्थी और राजस्थान में जोधपुर-पाली में स्थित होंगे। यह कदम देश के औद्योगिक परिदृश्य को बदल देगा, औद्योगिक नोड्स और शहरों का एक मजबूत नेटवर्क तैयार करेगा जो आर्थिक विकास और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को काफी बढ़ावा देगा। उन्हें वैश्विक मानकों के ग्रीनफील्ड स्मार्ट शहरों के रूप में विकसित किया जाएगा।

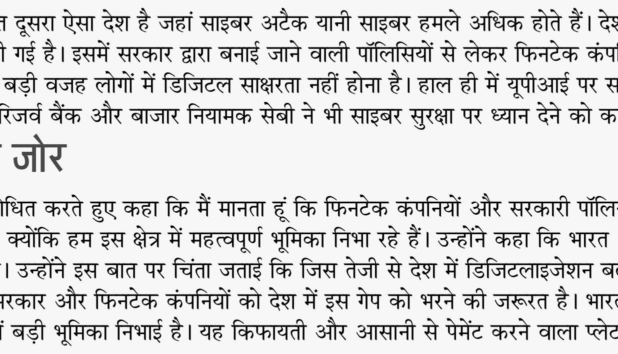

केंद्रीय मंत्री ने कैबिनेट के फैसले की जानकारी देते हुए कहा, "दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि शहर उन्नत बुनियादी ढांचे से सुसज्जित हैं जो टिकाऊ और कुशल औद्योगिक संचालन का समर्थन करते हैं।

एनआईसीडीपी से रोजगार के महत्वपूर्ण अवसर पैदा होने की उम्मीद है, जिसमें अनुमानित 1 मिलियन प्रत्यक्ष नौकरियां और नियोजित औद्योगीकरण के माध्यम से 3 मिलियन तक अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होंगी। इन परियोजनाओं से लगभग 1.52 लाख करोड़ रुपये की निवेश क्षमता पैदा होगी।

पूर्वोत्तर क्षेत्र में 15 गीगावाट पनबिजली परियोजनाओं के लिए 4,136 करोड़ रुपय... केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को पूर्वोत्तर राज्यों को अगले आठ साल में कुल 15,000 मेगावाट (15 गीगावाट) क्षमता की पनबिजली परियोजनाएं विकसित करने के लिए 4,136 करोड़ रुपये की इक्विटी सहायता को मंजूरी दे दी। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में बिजली मंत्रालय के पूर्वोत्तर क्षेत्र की राज्य सरकारों को केंद्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इन राज्यों को यह सहायता राज्य सरकार और केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों के बीच संयुक्त उद्यम के जरिये पनबिजली परियोजनाओं के विकास में उनकी इक्विटी भागीदारी के लिए दी जाएगी। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल के निर्णयों की जानकारी देते हुए कहा कि इस योजना का परिव्यय 4,136 करोड़ रुपये है और इसे 2024-25 से 2031-32 तक क्रियान्वित किया जाएगा। बयान में कहा गया है कि इस योजना के तहत कुल 15,000 मेगावाट की पनबिजली क्षमता के लिए समर्थन दिया जाएगा। इस योजना को बिजली मंत्रालय के कुल परिव्यय से पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए 10 प्रतिशत सकल बजटीय सहायता (जीबीएस) के माध्यम से वित्तपोषित किया जाएगा।

पूर्वोत्तर क्षेत्र की सरकारों के इक्विटी हिस्से के लिए अनुदान कुल परियोजना इक्विटी के 24 प्रतिशत तक सीमित होगा। यह प्रति परियोजना अधिकतम 750 करोड़ रुपये होगा। यदि जरूरत हुई तो प्रत्येक परियोजना के लिए 750 करोड़ रुपये की सीमा पर अलग-अलग मामलों के आधार पर पुनर्विचार किया जाएगा।

संयुक्त उद्यम में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और राज्य सरकार का इक्विटी अनुपात अनुदान वितरण के समय बनाए रखा जाएगा। केंद्रीय वित्तीय सहायता केवल व्यावहारिक पनबिजली परियोजनाओं तक ही सीमित होगी। बयान में कहा गया है कि इस योजना के साथ पनबिजली विकास में राज्य सरकारों की भागीदारी को प्रोत्साहन मिलेगा और जोखिम तथा जिम्मेदारियों को समानता के आधार पर साझा किया जाएगा।

53 करोड़ खातों में जमा है 2.31 लाख करोड़ रुपये, जन धन योजना के 10 वर्ष पूरे होने पर पीएम ने दी बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) के 10 वर्ष पूरे हो गए हैं। शुरूआत के बाद से एक दशक में कुल 53.13 करोड़ पीएमजेडीवाई खाते खोले गए हैं, जिसमें से 55.6 प्रतिशत (29.56 करोड़) जन-धन खाताधारक महिलाएं हैं और 66.6 प्रतिशत (35.37 करोड़) जन-धन खाते ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में हैं। वित्त मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। उधर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी जनधन योजना के सफलतापूर्वक 10 वर्ष पूरे करने पर लोगों को बधाई दी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीएम ने कहा, "आज देश के लिए एक ऐतिहासिक दिन है- #10ीं१२डाखंल्लउँल्ल. इस अवसर पर मैं सभी लाभार्थियों को शुभकामनाएं देता हूं। इस योजना को सफल बनाने के लिए दिन-रात एक करने वाले सभी लोगों को भी बहुत-बहुत बधाई। जन धन योजना करोड़ों देशवासियों, विशेषकर हमारे गरीब भाई-बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उन्हें सम्मान के साथ जीवन जीने का अवसर देने में सफल रही है।

15 अगस्त 2014 को किया गया जनधन योजना का एलान... वित्त मंत्रालय की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार पीएमजेडीवाई खातों के तहत कुल जमा राशि 2,31,236 करोड़ रुपये है। 14 अगस्त 2024 तक खातों में 3.6 गुना वृद्धि के साथ जमा राशि में लगभग 15 गुना वृद्धि हुई। वित्त मंत्रालय के अनुसार, 14 अगस्त 2024 तक प्रति खाता औसत जमा राशि 4,352 रुपये थी। 15 अगस्त के बाद प्रति खाता जमा राशि में 4 गुना वृद्धि हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त 2014 को अपने स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में पीएमजेडीवाई की घोषणा की।

प्रधानमंत्री ने इस अवसर को गरीबों को दुष्चक्र से मुक्ति दिलाने का उत्सव बताया था। पीएमजेडीवाई के तहत 36.06 करोड़ से अधिक रूपे डेबिट कार्ड जारी किए गए हैं। 89.67 लाख पॉइंट-ऑफ-सेल (ढङ्गर/ढङ्गर) मशीनों की स्थापना और यूपीआई जैसी मोबाइल-आधारित भुगतान प्रणालियों की शुरूआत के साथ, डिजिटल लेनदेन की कुल संख्या वित्तीय वर्ष (ऋ) 18-19 में 2,338 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 23-24 में 16,443 करोड़ हो गई है। यूपीआई वित्तीय लेनदेन की कुल संख्या वित्त वर्ष 2018-19 में 535 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 13,113 करोड़ हो गई है। इसी तरह, ढङ्गर और ई-कॉमर्स पर फ्श्ढं८ कार्ड लेनदेन की कुल संख्या वित्त वर्ष 2017-18 में 67 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 96.78 करोड़ हो गई है।

पीएमजेडीवाई वित्तीय समावेशन के लिए राष्ट्रीय मिशन... पीएमजेडीवाई वित्तीय समावेशन के लिए राष्ट्रीय मिशन है , जिसका उद्देश्य किफायती तरीके से बैंकिंग, बचत और जमा खाते, धन प्रेषण, ऋण, बीमा और पेंशन जैसी वित्तीय सेवाओं तक पहुँच सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर, केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक संदेश में कहा, "वित्तीय समावेशन और सशक्तिकरण को प्राप्त करने के लिए औपचारिक बैंकिंग सेवाओं तक सार्वभौमिक और सस्ती पहुँच आवश्यक है। यह गरीबों को आर्थिक मुख्यधारा में एकीकृत करता है और हाशिए पर पड़े समुदायों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा, " पीएम जन धन योजना ने बैंकिंग सेवाओं से वंचित लोगों को सार्वभौमिक, सस्ती और औपचारिक वित्तीय सेवाएं- जिसमें बैंक खाते, छोटी बचत योजनाएं, बीमा और ऋण जैसी सुविधाएं शामिल हैं- प्रदान करके पिछले एक दशक में देश के बैंकिंग और वित्तीय परिदृश्य को बदल दिया है। उन्होंने कहा, "इस पहल की सफलता इस बात में झलकती है कि जन धन खाते खोलने के माध्यम से 53 करोड़ लोगों को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली में लाया गया है। इन बैंक खातों में 2.3 लाख करोड़ रुपये की जमा राशि जमा हुई है, और इसके परिणामस्वरूप 36 करोड़ से अधिक निःशुल्क फ्श्ढं८ कार्ड जारी किए गए हैं, जो 2 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा कवर भी प्रदान करते हैं।

67 प्रतिशत खाते ग्रामीण और अर्द्धशहरी क्षेत्रों में... सीतारमण ने कहा, "उल्लेखनीय रूप से, खाता खोलने या रखरखाव को कोई शुल्क देय नहीं है और न्यूनतम शेष राशि बनाए रखने की कोई आवश्यकता नहीं है।" उन्होने कहा, "यह जानकर खुशी हुई कि 67 प्रतिशत खाते ग्रामीण या अर्ध-शहरी क्षेत्रों में खोले गए हैं, और 55 प्रतिशत खाते महिलाओं द्वारा खोले गए हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा, "जन धन-मोबाइल-आधार को जोड़कर बनाई गई सहमति-आधारित पाइपलाइन वित्तीय समावेशन पारिस्थितिकी तंत्र के सबसे महत्वपूर्ण स्तंभों में से एक रही है। इसने पात्र लाभार्थियों को सरकारी कल्याण योजनाओं के त्वरित, निर्बाध और पारदर्शी हस्तांतरण को सक्षम किया है और डिजिटल भुगतान को बढ़ावा दिया है।

एक नजर

विनेश फोगाट ने राजनीतिक डेब्यू को लेकर कही बड़ी बात

बोलीं- मुझे चुनाव से कोई मतलब नहीं

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेसलर विनेश फोगाट जबसे पेरिस से भारत लौटीं हैं उनके राजनीति से जुड़ने की अफवाहें आ रही हैं। विनेश ने अब तक इस मुद्दे पर चुप्पी साध रखी है। शनिवार को शंभू बॉर्डर पर किसान आंदोलन में पहुंचीं। विनेश से यहां भी राजनीति को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि उन्हें चुनावों से कोई लेना देना नहीं है।

विनेश फोगाट से चुनाव लड़ने को लेकर किया सवाल – विनेश फोगाट से पूछा गया कि अगर कांग्रेस उन्हें टिकट देती है तो क्या वह हरियाणा लोकसभा में चुनाव लड़ेंगी। जवाब देते हुए विनेश ने कहा, 'मैं चुनाव लड़ने को लेकर कुछ नहीं कहूंगी। मैं राजनीति के बारे में बात नहीं करूंगी। मैं अपने परिवार के पास आई हूं। अगर आप इसके बारे में बात करेंगे तो इनकी लड़ाई और संघर्ष को बर्बाद कर रहे हैं। आज फोकस मुझ पर नहीं है। '

विनेश बोलीं – मैं पूरे देश की हूं – उन्होंने आगे कहा, 'मैं आपसे अपील कर रही हूं। मैं एथलीट हूं। मैं पूरे देश की हूं। किस प्रदेश में चुनाव हो रहे हैं इससे मेरा कोई मतलब नहीं होता है। मैं बस इतना जानती हूं कि मेरे देश के किसान मुश्किल में हैं। उनकी परेशानी को सरकार को खत्म करना चाहिए। यह सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए।' विनेश फोगाट ने आगे कहा, हर कोई मजबूरी में आंदोलन करता है। जब लंबा आंदोलन चलता है तो लोगों में उम्मीद आ जाती है। अपने लोग सड़क पर बैठेंगे तो देश तरक्की कैसे करेगा? मुझे लगता है कि अपने हक के लिए सड़क पर आना चाहिए।

पेरिस से खाली हाथ लौटीं विनेश फोगाट – पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 50 किग्रा वर्ग के फाइनल में पहुंचीं थीं। हालांकि तय मानक से 100 ग्राम ज्यादा वजन होने के कारण विनेश को डिस्क्वालिफाई कर दिया गया था। वह पेरिस से से खाली हाथ लौटीं। इस घटना के बाद विनेश ने कुश्ती से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। उन्होंनेकोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट (ष्टस्) से संयुक्त सिल्वर मेडल देने की भी अपील की थी लेकिन यह अपील खारिज कर दी गई।

सूर्यकुमार यादव दलीप ट्रॉफी से पहले चोटिल

फील्डिंग के दौरान हाथ में चोट लगी, बुची बाबू टूर्नामेंट खेल रहे हैं

नईदिल्ली, एजेंसी। दलीप ट्रॉफी के जरिए भारतीय टेस्ट टीम में वापसी की राह तलाश रहे सूर्यकुमार यादव चोटिल हो गए हैं। शनिवार को बुची बाबू टूर्नामेंट में तमिलनाडु के खिलाफ फील्डिंग के दौरान उनके हाथ में चोट लग गई, हालांकि चोट कितनी गंभीर है यह अभी पता नहीं चला है। वे दलीप ट्रॉफी में हिस्सा ले पाएंगे या नहीं, इस बारे में भी ज्यादा जानकारी नहीं है। मुंबई के लिए यह मैच कुछ खास नहीं रहा और टीम तमिलनाडु के 379 रन के जवाब में अपनी पहली पारी में 156 रन पर ऑलआउट हो गई। सूर्यकुमार ने इस पारी में 38 गेंदों पर 30 रन बनाए। तमिलनाडु ने अपनी दूसरी पारी में 286 रन बनाए और मुंबई को 510 रनों का लक्ष्य दिया है।

फरवरी-2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया – सूर्यकुमार यादव ने डेढ़ साल पहले फरवरी 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डेब्यू किया था। उन्होंने सिर्फ यही टेस्ट मैच खेला है। सूर्या ने डेब्यू टेस्ट की पहली पारी में महज 8 रन बनाए थे। टीम इंडिया ने यह मैच पारी और 132 रन से जीता था।

रुबीना ने निशानेबाजी में कांस्य पदक जीता

पेरिस, एजेंसी। भारतीय महिला निशानेबाज रुबीना फ्रांसिस ने शनिवार को पेरिस पैरालंपिक 2024 खेलों की निशानेबाजी स्पर्धा में कांस्य पदक जीत लिया।

रुबीना ने आज खेले गए पी2 महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच1 स्पर्धा के फाइनल मैच में 211.1 का स्कोर बनाया और कांस्य पदक अपने नाम कर लिया। रुबीना पिस्टल स्पर्धा में पदक जीतने वाली पहली भारतीय पैरा निशानेबाज एथलीट बन गयी है।

फाइनल मैच में ईरान की सारेह जवनमर्दी ने 236.8 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया जबकि तुर्की की आयसेल ओजगन 231.1 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहीं और रजत पदक जीता।

20 शॉट के बाद चौथे निशानेबाज के बाहर हो जाने के बाद रूबीना फ्रांसिस का पोडियम स्थान पक्का हो गया और वह 193 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। हालांकि उन्होंने

अपने अंतिम दो शॉट में 9.2 और 8.9 का स्कोर किया जिससे आयसेल ओजगन आगे निकल गईं।

रुबीना फ्रांसिस ने टोक्यो 2020 में इसी स्पर्धा में हिस्सा लिया था और फाइनल में जगह बनाई थी। हालांकि वह 128.5 के कुल स्कोर के साथ सातवें स्थान पर रही थीं।

रुबीना ने पेरू के लीमा में पैरा विश्व चैंपियनशिप 2023 में रजत पदक जीता और इसके बाद चीन के हांगझोऊ में एशियाई पैरा खेलों में कांस्य पदक जीता।

उल्लेखनीय है कि भारत का यह पांचवां पैरालंपिक पदक है और निशानेबाजी में चौथा पदक है। अवनि लेखरा ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल शूटिंग में एसएच1 स्पर्धा में अपने खिताब का बचाव करते हुए स्वर्ण पदक जीता जबकि मोना अग्रवाल ने इसी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। मनीष नरवाल ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच1 में रजत पदक जीता।

मुर्मु, मोदी, मांडविया ने रुबीना को बधाई दी

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु , प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं खेल मंत्री डा. मनसुख मांडविया ने शनिवार को महिला निशानेबाज रुबीना फ्रांसिस को पेरिस पैरालंपिक 2024 खेलों की पी2 महिलाओं की 10 मीटर पिस्टल एसएच1 स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर बधाई दी।

श्रीमती मुर्मु ने आज रुबीना को पेरिस पैरालंपिक खेलों की निशानेबाजी स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक्स पर लिखा 'पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर रुबीना फ्रांसिस को हार्दिक बधाई। वह पिस्टल स्पधाओं में पैरा शूटिंग पदक जीतने वाली भारत की पहली महिला बन गई हैं। रुबीना की जीत निशानेबाजी में भारत के बेहतरीन

प्रदर्शन में इजाफा करती है क्योंकि इन खेलों में यह देश के लिए चौथा पदक है। उनकी सफलता सभी को प्रेरित करेगी, खासकर दिव्यांगजनों को।'

श्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा 'भारत के लिए एक और गौरवपूर्ण क्षण, जब रुबीना ने पैरालंपिक 2024 में पी2-महिलाओं की 10मीटर एयर पिस्टल एसएच1 स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। उनके असाधारण ध्यान, दृढ़ संकल्प और दृढ़ता ने बेहतरीन परिणाम दिए हैं। रुबीना फ्रांसिस आपने शूटिंग रेंज को गौरव के मंच में बदल दिया है।'

डा. मांडविया ने भी रुबीना फ्रांसिस को कांस्य पदक जीतने पर बधाई दी।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा 'पैरालंपिक2024 में पी2 महिलाओं की 10मीटर एयर पिस्टल एसएच1 में कांस्य पदक हासिल करने पर बहुत-बहुत बधाई। इस जीत को और भी खास बनाने वाली बात यह है कि यह आपको पिस्टल स्पधाओं में पैरा शूटिंग पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला और शूटिंग स्पधाओं में पदक जीतने वाली तीसरी भारतीय महिला बनाती है। अभ्यास से लेकर पोडियम तक का आपका सफर सभी के लिए प्रेरणादायी है।'

चंडीगढ़ के खिलाड़ी निक्किल कुमार का ऑस्ट्रेलियाई दौरे के लिए भारत की अंडर-19 टीम में चयन

चंडीगढ़, एजेंसी। यूटीसीए, चंडीगढ़ के अंडर-19 ऑल राउंडर, बाएं हाथ के बल्लेबाज और दाएं हाथ के मीडियम पेसर निखिल कुमार को भारत की अंडर-19 टीम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए एक दिवसीय और चार दिवसीय दोनों टीमों में चुना गया है। यूटीसीए, चंडीगढ़ के अध्यक्ष संजय टंडन ने कहाकि यह हम सभी चंडीगढ़वासियों के लिए गौरव का क्षण है। संजय टंडन ने ऑल राउंडर निखिल कुमार को शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिया कि वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी एक दिवसीय और चार दिवसीय श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। तीन एक दिवसीय श्रृंखला 21 सितंबर से पुडुचेरी, भारत में ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम के खिलाफ शुरू होगी। 2 चार दिवसीय श्रृंखला 24 अक्टूबर को चेन्नई, तमिलनाडु में शुरू होगी।

चंडीगढ़ के ऑल राउंडर अंडर-19 खिलाड़ी निखिल कुमार ने हाल ही में गुजरात के अहमदाबाद में संपन्न इंटर एनसीए मैचों में अर्धशतक के साथ कुल 122 रन बनाए और कुल 9 विकेट लिए। यूटीसीए, चंडीगढ़ के अंडर-19 ऑल राउंडर, बाएं हाथ के बल्लेबाज और दाएं हाथ के मीडियम पेसर निखिल कुमार को भारत की अंडर-19 टीम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए एक दिवसीय और चार दिवसीय दोनों टीमों में चुना गया है।

संजय टंडन ने ऑलराउंडर निखिल कुमार को शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिया कि वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी एक दिवसीय और चार दिवसीय श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। तीन एक दिवसीय श्रृंखला 21 सितंबर से पुडुचेरी, भारत में ऑस्ट्रेलिया अंडर -19 टीम के खिलाफ शुरू होगी। 2 चार दिवसीय श्रृंखला 24 अक्टूबर को चेन्नई, तमिलनाडु में शुरू होगी। चंडीगढ़ के ऑलराउंडर अंडर-19 खिलाड़ी निखिल कुमार ने हाल ही में गुजरात के अहमदाबाद में संपन्न इंटर एनसीए मैचों में अर्धशतक के साथ कुल 122 रन बनाए और कुल 9 विकेट लिए।

यूएस ओपन

युकी-ओलिवेटी तीसरे दौर में, बालाजी को मिली हार; रोहन बोपन्ना प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भांबरी और ओलिवेटी की जोड़ी ने अमेरिका के क्राजिसेक और नीदरलैंड के जीन जूलियन रोजर की 15वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी को 4-6, 6-3, 7-5 से हराया। भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना पुरुष और मिश्रित युगल वर्ग में आगे बढ़ने में सफल रहे।

भारत के युकी भांबरी और फ्रांस के अल्बानो ओलिवेटी की जोड़ी ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके ऑस्टिन क्राजिस्क और जीन जूलियन रोजर को हराकर वर्ष के आखिरी ग्रैंडस्लैम यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल के तीसरे दौर में जगह बनाई। भांबरी और ओलिवेटी की जोड़ी ने अमेरिका के क्राजिसेक और नीदरलैंड के जीन जूलियन रोजर की 15वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी को 4-6, 6-3, 7-5 से हराया।

यह केवल दूसरा अवसर है जब भांबरी किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के तीसरे दौर में पहुंचे हैं। इससे पहले वह 2014 में ऑस्ट्रेलियाई

ओपन में भी इसी चरण में पहुंचे थे। हालांकि, भारत के एक अन्य खिलाड़ी एन श्रीराम बालाजी और अर्जेंटीना के उनके जोड़ीदार गुइडो आंद्रेओज़ी दूसरे दौर में न्यूजीलैंड के माइकल वीनस और ग्रेट ब्रिटेन के नील स्कूपस्की से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। भारत और अर्जेंटीना की जोड़ी दूसरे दौर के मैच में 6-7 (4), 4-6 से हार गई। वीनस और स्कूपस्की को सात ब्रेक प्वाइंट मिले जिसमें से उन्होंने एक को भुनाया। बालाजी और आंद्रेओज़ी सर्विस ब्रेक के अपने एकमात्र अवसर को भुनाने में असफल रहे।

बोपन्ना पुरुष युगल और मिश्रित वर्ग में आगे बढ़े – भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना पुरुष और मिश्रित युगल वर्ग में आगे बढ़ने में सफल रहे। 44 वर्षीय बोपन्ना ने इंडोनिशिया के अलदिता सुत्जादी के साथ मिलकर डेमी शुअर्स और टिम पिट्स को पहले दौर के मैच में 7-6 (7), 7-6 (5) से हराने में सफल रहे। इसके बाद बोपन्ना मैथ्यू एब्डेन के साथ मिलकर पुरुष युगल वर्ग में रोबर्टो कारबेल्स तथा फेडेरिको कोरिया को दूसरे दौर के मैच में 6-2, 6-4 से हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचे। इस जोड़ी का सामना अब अगले दौर में अर्जेंटीना की जोड़ी मैक्सिमो गोंजालेस और आंद्रेस मोलटेनी से होगा।

नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने रोमांचक मुकाबले में सेंट्रल दिल्ली किंग्स पर 9 रन से जीत दर्ज की

नई दिल्ली, एजेंसी। अरुण जेटली स्टेडियम में चल रहे अदाणी दिल्ली प्रीमियर लीग टी20 में शुक्रवार रात को नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने सेंट्रल दिल्ली

किंग्स को वर्षा बाधित रोमांचक मुकाबले में 9 रन से हरा दिया। बारिश के कारण मैच में ओवरों की संख्या घटाकर 10-10 कर दी गयी। 10 ओवर में 101 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने ध्रुव कौशिक और हितेन दलाल से पारी की शुरुआत की। ध्रुव को पहले ही ओवर में 8 रन पर मनन भारद्वाज ने आउट कर दिया। सौरव डागर और कप्तान जोंटी सिद्धू जल्दी आउट हो गए क्योंकि सेंट्रल दिल्ली किंग्स पांच ओवर में 40/5 पर संघर्ष कर रहा था। नियमित अंतराल पर विकेट गिरने के कारण, सेंट्रल दिल्ली किंग्स को रन रेट बनाए रखना मुश्किल हो गया। लक्ष्य थरेजा 16 गेंदों पर 24 रन बनाकर नाबाद रहे. उनकी पारी में दो चौके और एक छक्का शामिल था। सेंट्रल दिल्ली किंग्स 10 ओवर में 91/7 रन ही बना सकी। इससे पहले पारी में सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बारिश के कारण मैच 10 ओवर का कर दिया गया । नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स के लिए वैभव कांडपाल और सार्थक रंजन ने पारी की शुरुआत की। दोनों ने शानदार शुरुआत की और दोनों सलामी बल्लेबाजों ने विपक्षी गेंदबाजी का डटकर सामना किया।

सेंट्रल दिल्ली किंग्स को पहली सफलता वैभव कांडपाल के रूप में मिली जो 8 गेंदों पर 12 रन बनाकर सुमित कुमार की गेंद पर आउट हो गए। पावरप्ले के अंत में, नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स का स्कोर 36/1 था। चौथे ओवर में यजस शर्मा 6 गेंदों पर 23 रन बनाकर केशव डबास की गेंद पर आउट हुए। सुमित कुमार ने अपना दूसरा विकेट लिया जब उन्होंने फॉर्म में चल रहे बल्लेबाज सार्थक रंजन को 18 गेंदों पर 29 रन पर आउट किया। उनकी पारी में तीन चौके और दो छक्के शामिल थे। यश डबास को 14 रन पर रजनीश दादर ने आउट किया। पारी के अंत में नियमित अंतराल पर विकेट गिरने के साथ, नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने निर्धारित 10 ओवरों में कुल 100/8 रन बनाए। सेंट्रल दिल्ली किंग्स के लिए सुमित कुमार, केशव डबास और रजनीश दादर ने दो-दो विकेट लिए।

पैरालंपिक 2024

निशानेबाज स्वरूप को लगा झटका, फाइनल में जगह बनाने से चूके, 14वें स्थान पर रहे

पेरिस, एजेंसी। टोक्यो पैरालंपिक में भी स्वरूप कांस्य पदक से चूक गए थे। शनिवार को भी वह 18 निशानेबाजों में 613.4 अंक ही बना सके। दक्षिण कोरिया के पार्क 624.4 अंक से क्वालिफिकेशन में शीर्ष पर रहे और स्वरूप से 10.5 अंक आगे रहे। भारतीय पैरा निशानेबाज स्वरूप महावीर पुरुष 10 मीटर एयर राइफल एसएच1 क्वालिफिकेशन में 613.4 अंक लेकर 14वें स्थान पर रहे और फाइनल में जगह नहीं बना सके। इस स्पर्धा में शीर्ष आठ निशानेबाज ही फाइनल के लिए क्वालिफाई करते हैं, लेकिन स्वरूप ऐसा करने से चूक गए। स्वरूप पदक के दावेदार थे। हालांकि, उनके हाथ निराशा लगी।

टोक्यो में भी पदक से चूक गए थे स्वरूप

टोक्यो पैरालंपिक में भी स्वरूप कांस्य पदक से चूक गए थे। शनिवार को भी वह 18 निशानेबाजों में 613.4 अंक ही बना सके। दक्षिण कोरिया के पार्क 624.4 अंक से क्वालिफिकेशन में शीर्ष पर रहे और स्वरूप से पूरे 10.5 अंक आगे रहे।

बचपन में पोलियो से हो गए थे पीड़ित

कोल्हापुर के इस निशानेबाज को बचपन में पोलियो का पता चला था जिससे उनके दोनों पैर में लकवा मार गया था। उन्होंने 101.8, 103.0, 101.7, 101.8, 102.4, 102.7 के स्कोर से 613.4 अंक बनाये। एसएच1 वर्ग में वो पैरा निशानेबाज हिस्सा लेते हैं जो बिना किसी परेशानी के पिस्टल संभालते हुए व्हीलचेयर या चेयर पर बैठकर या खड़े होकर निशाना लगा सकते हैं।

लगातार 100 पारियों में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बैटर हैं रोहित शर्मा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय वनडे और टेस्ट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने अपने इंटरनेशनल क्रिकेट करियर में कई शानदार रिकॉर्ड्स अपने नाम किए हैं और उनका सफर फिलहाल जारी है। रोहित शर्मा ने वनडे प्रारूप में एक ऐसा रिकॉर्ड अपने नाम किया हुआ है जो अपने आप में अनोखा है। वनडे की लगातार 100 पारियों में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में रोहित शर्मा पहले स्थान पर हैं। रोहित के अलावा दुनिया के कुछ अन्य बल्लेबाज भी इस रिकॉर्ड लिस्ट में हैं जिसमें विराट कोहली और बाबर आजम जैसे प्लेयर भी मौजूद हैं। जानते हैं आखिर इस रिकॉर्ड की टॉप 7 की लिस्ट में कौन-कौन खिलाड़ी शामिल हैं।

रोहित ने लगातार 100 वनडे पारियों में लगाए थे 25 शतक

रोहित शर्मा ने 2014 से लेकर 2020 के दौरान वनडे में लगातार 100 पारियां खेली थी और इस दौरान उन्होंने 25 शतक लगाए थे। वहीं इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर विराट कोहली हैं जिन्होंने 2014 से 2019 के बीच वनडे की लगातार 100 इनिंग में 24 शतकीय पारी खेली थी। इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर साउथ अफ्रीका पूर्व दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स हैं जिन्होंने 2009 से 2015 के बीच वनडे की 100 लगातार पारियों में 20 सेंचुरी जड़ी थी।

चौथे स्थान पर हैं बाबर आजम

वनडे की लगातार 10 पारियों में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर ही साउथ अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज हाशिम अमला हैं जिन्होंने 2008 से 2015 के बीच 100 पारियों में 20 शतक लगाए थे। इस लिस्ट में अमला और एबी संयुक्त रूप से तीसरे नंबर पर हैं। वहीं बाबर आजम ने 2015 से लेकर 2023 के बीच लगातार 100 पारियों में 19 शतक लगाकर चौथे स्थान पर हैं। इस लिस्ट में बाबर के साथ चौथे नंबर पर डेविड वॉर्नर भी हैं जिन्होंने साल 2015 से लेकर 2023 के बीच लगातार 100 वनडे पारियों में 19 शतक लगाए थे। लिस्ट में पांचवें नंबर पर सचिन तेंदुलकर हैं जिन्होंने 1998 से 2002 के बीज 100 वनडे पारियों में 18 शतक लगाए थे।

वनडे प्रारूप में लगातार 100 पारियों में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी

25 - रोहित शर्मा (2014 से 2020)
24 - विराट कोहली (2014 से 2019)
20 - एबी डिविलियर्स (2009 से 2015)
20 - हाशिम अमला (2008 से 2015)
19 - बाबरआजम (2015 से 2023)
19 - डेविड वॉर्नर (2015 से 2023)
18 - सचिन तेंदुलकर (1998 से 2002)

पंचतत्वों पर आधारित खानपान रखे स्वस्थ

पंचतत्व अर्थात् पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश। हमें अपने खानपान में प्रतिदिन इन पांचों तत्वों का भी सेवन करना चाहिए। ऐसा होने पर हम अधिकाधिक स्वस्थ व सक्रिय रह सकेंगे।

वायु – सांस के माध्यम से हर प्राणी वायु ग्रहण करता है। बाकी तत्वों को कुछ समय या कुछ दिन के लिए छोड़ा जा सकता है, पर वायु को नहीं। जो लोग अनशन या उपवास करते हैं, वे भी अन्न, फल, सब्जी या जल आदि छोड़ देते हैं, पर वायुसेवन नहीं। एक समय आहार लेने वाले संन्यासी भी वायुसेवन तो प्रतिक्षण करते ही हैं। अर्थात् पंचतत्व में से वायु प्राणियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

यह वायु व्यक्ति को शुद्ध एवं प्राकृतिक रूप में पर्याप्त मात्रा में मिले, यह भी आवश्यक है। जो लोग बड़े शहरों में या उद्योगों के पास रहते हैं, उन्हें शुद्ध वायु नहीं मिल पाती। इसीलिए इन दिनों नये-नये रोग लगातार बढ़ रहे हैं। अब तो बड़े नगरों में शुद्ध ऑक्सीजन के बूथ खुलने लगे हैं, जहां पैसे देकर व्यक्ति दस-पन्द्रह मिनट शुद्ध प्राणवायु ले सकता है। जैसे आजकल हर व्यक्ति अपने साथ साफ पानी की बोतल रखने लगा है, लगता है कुछ समय बाद लोग प्राणवायु के छोटे सिलेंडर भी साथ लेकर चला करेंगे। ताजी और शुद्ध प्राणवायु प्राप्त करने की नि:शुल्क विधि प्रात:कालीन भ्रमण है। सूर्योदय होने पर पेड़ों द्वारा रात में उत्सर्जित कार्बन डायआक्साइड वायुमंडल में चली जाती है। ऐसे शीतल और शांत वातावरण में अकेले या सपरिवार घूमना शुद्ध वायु ग्रहण करने का सबसे सरल उपाय है।

केवल घूमना ही नहीं, तो इस समय कुछ आसन, व्यायाम और प्राणायाम करना भी बहुत लाभदायक है। सुबह की ही तरह शाम का भ्रमण भी बहुत लाभकारी है। इन दोनों समय पर दिन और रात का मिलन होता है। इसके सदुपयोग से हम अपने शरीर तथा मन को स्वस्थ रख सकते हैं। बच्चों और युवाओं को तो शाम के समय पढ़ने की बजाय खेलना ही चाहिए।

चाहे कोई स्वयं वाहन न चलाता हो, पर प्रदूषित वायु सेवन करना तो उसकी भी मजबूरी ही है। इसलिए जहां सार्वजनिक यातायात व्यवस्था का बहुत अच्छा होना जरूरी है, वहां दस-बीस कदम जाने के लिए वाहन निकालने की आदत भी छोड़नी होगी। पेड़ों को कटने से बचाकर तथा परिवार के हर सदस्य के नाम पर एक पेड़ लगाकर हम प्रदूषण नियंत्रण में सहयोग दे सकते हैं।

जल– वायु की ही तरह जल भी व्यक्ति की प्राथमिक आवश्यकता है। किसी समय बहता पानी निर्मला कहकर नदियों का जल सर्वाधिक शुद्ध माना जाता था, पर अब नगरों के सीवर, कारखानों के अपशिष्ट, समय-समय उसमें विसर्जित की जाने वाली रासायनिक रंगों से पुती मूर्तियों तथा अन्य कूड़े करकट के कारण नदियां आचमन योग्य भी नहीं रह गयी हैं। अब तो सब जगह कुछ घंटों के लिए सरकारी पानी मिलता है। वह कितना शुद्ध होता है, कहना कठिन है। पानी साफ और भरपूर मिले, इसके लिए निजी बोरिंग कराने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जिनके लिए यह संभव नहीं है, उन्होंने भी घरों में फिल्टर लगा लिये हैं। इनसे एक लीटर पानी साफ होने के चक्कर में चार लीटर पानी नाली में बह जाता है। शहरीकरण का अर्थ ही है, बिजली और पानी का अत्यधिक प्रयोग। अत: जल का स्तर लगातार नीचे जा रहा है।

विद्वानों का मत है कि अगला विश्व युद्ध जल के कारण होगा। इसका सत्य तो भविष्य बताएगा पर नलों पर हर दिन डिब्बे और कनस्तर लिये लोगों को झगड़ते हुए कोई भी देख सकता है। मंगल आदि ग्रहों पर जाने वाले यान भी वहां सबसे पहले पानी की ही तलाश कर रहे हैं। इसके बाद भी लोगों का ध्यान इस ओर नहीं है। जो कार दो बाल्टी पानी में धोई जा सकती है, उसे दो हजार लीटर साफ पानी से धोते हुए लोग प्राय: मिल जाते हैं। हम वर्षा जल का संरक्षण कर तथा पानी को व्यर्थ न जाने देकर भी इस दिशा में अपना व्यक्तिगत सहयोग दे सकते हैं। हम साफ पानी पिएं, यह तो आवश्यक है ही पर कितना पिएं, इस बारे में अलग-अलग मत हैं। फिर भी एक व्यस्क व्यक्ति को दिन भर में आठ-दस गिलास पानी तो पीना ही चाहिए। सुबह उठकर कुल्ला-मंजन के बाद तांबे के साफ पात्र में रखा पानी भरपेट पीना बहुत लाभ देता है। तांबा जल की अधिकांश अशुद्धियां दूर कर देता है। सर्दियों में पानी को गुनगुना कर लें, तो और अच्छा रहेगा।

आकाश– आकाश की पहचान खालीपन या शून्यता है। घटाकाश और मठाकाश जैसी कल्पनाएं इसी में से आई हैं। आकाश में कोई भी चीज फेकें, खाली होने के कारण वह मना नहीं करता। वायु और अंतरिक्ष यान इसीलिए आकाश में निर्द्वन्द उड़ते हैं। किसी पात्र के खाली होने का अर्थ है कि उसमें आकाश तत्व विद्यमान है पर जब उसमें कोई वस्तु डालते हैं, तो वह हट जाता है। ऐसी शून्यता हम अपने पेट को बिल्कुल खाली रखकर प्राप्त कर सकते हैं। अत: प्रात: शौचादि से निवृत्त होने के बाद लगभग दो घंटे तक पेट को अवकाश दें। इससे जहां भोजन पचाने वाली इंद्रियों को आराम तथा अपनी टूट-फूट ठीक करने का समय मिलेगा, वहां हमें आकाश तत्व भी प्राप्त होगा। व्रत और उपवास आकाश तत्व की प्राप्ति का अवसर कुछ अधिक समय तक प्रदान करते हैं। इनका भरपूर उपयोग करना चाहिए पर इस नाम पर दिन में कई बार पेट में गरिष्ठ चीजें ठूंसते रहना शुद्ध पाखंड है।

पृथ्वी– पृथ्वी हमें अन्न, दाल और सब्जियां आदि देती है। अत: इनके सेवन से हमें पृथ्वी तत्व की प्राप्ति होती है पर इन्हें कच्चा नहीं खा सकते। इन्हें आग पर पकाकर तथा आवश्यकतानुसार कुछ अन्य मिर्च-मसाले डालकर प्रयोग किया जाता है। इनका सेवन कितना और कितनी बार करें, इसका कोई मापदंड नहीं है। शारीरिक परिश्रम करने वाले किसान या मजदूर तथा कार्यालय में बैठकर काम करने वाले की आवश्यकता अलग-अलग होगी। उन्हें उसी अनुसार इनका सेवन करना चाहिए। ऐसा न होने पर जहां एक ओर तोंद वाले, तो दूसरी ओर दुबले-पतले लोग सर्वत्र घूमते मिलते हैं।

अग्नि–

अग्नि का स्रोत सूर्य है। सर्दियों में तो सीधे धूप में लेटना या बैठकर काम करना अच्छा लगता है। गर्मियों में भी अपने काम के सिलसिले में घूमते-फिरते धूप लगती रहती है। इससे अग्नि तत्व अपने आप ही मिल जाता है। जो लोग दिन भर वातानुकूलित वातावरण अर्थात् एसी वाले घर, कार्यालय और कार में रहते हैं, उनके शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। इसलिए थोड़े से परिश्रम या मौसम बदलने मात्र से ही ये लोग बीमार होकर बिस्तर पकड़ लेते हैं। भीषण गर्मियों में जहां लू से बचना आवश्यक है, वहां धूप से डरना भी अनुचित है।

जहां तक खानपान की बात है, तो सूर्य की ऊर्जा से पके हुए फल और सलाद आदि के सेवन से अग्नि तत्व भरपूर मात्रा में प्राप्त होता है पर इनका सेवन सूर्यकाल में ही करना चाहिए। अर्थात् सूर्यास्त के बाद इन्हें खाना ठीक नहीं है। इसी तर्ज पर कुछ लोग यह भी कहते हैं कि पृथ्वी तत्व वाले जिन पदार्थों को खाने से पूर्व आग पर चढ़ाना पड़ता है, उन्हें सूर्य की उपस्थिति में नहीं खाना चाहिए। यद्यपि बहुत से लोग अपनी धार्मिक आस्था या वृद्धावस्था के कारण सूर्यास्त के बाद अन्न नहीं खाते। उनका कहना है कि सूर्यास्त के बाद शरीर की पाचनक्रिया मंद हो जाती है। अत: उस समय भारी भोजन ठीक नहीं है। विचार भिन्नता के कारण इस विषय को स्वतंत्र छोड़ देना ही उचित है। ये कुछ ऐसी बातें हैं, जिन्हें समय-समय पर कुछ बुजुर्गों के मुंह से सुना है। इसमें से कुछ का प्रयोग करने से लाभ भी हुआ है। यद्यपि आज की भागदौड़ वाले जीवन में सब नियमों का पालन संभव नहीं होता। फिर भी जितना हो सके, उतना पालन करके देखें।

आंखों पर दें ध्यान

आंखें अनमोल हैं, इसलिए इनकी सेहत का बदलते मौसम के अनुसार ध्यान रखना आवश्यक है

- आंखों में सूखापन की समस्या सर्दियों में बढ़ सकती है। सूखेपन से बचाव के लिए डॉक्टर के परामर्श से आर्टीफिशियल टीयर ड्रॉप का इस्तेमाल करें।
- इस मौसम में एलर्जी की शिकायत भी सभव है। इससे बचने के लिए दिन में दो बार आंखों को साफ पानी से धोएं। इन्हें मलें या रगड़ें नहीं।
- चेहरे के साथ आंख के आसपास व पलक की त्वचा को सूखेपन से बचाएं, लेकिन ध्यान रहे कि कोई भी मॉइश्चराइजर या कोल्ड क्रीम आंख के अंदर न जाए।
- काला चश्मा लगाकर ही धूप में बैठें।
- नेत्रों को चश्मे के जरिये ठंडी हवाओं से बचाएं।

पेट दर्द के घरेलू उपचार

अधिकतर बीमारियों की वजह होती है असंयमित खान-पान। गलत खान-पान के कारण कभी-कभी पेट में दर्द होने लगता है। आमतौर पर पेट दर्द का एक मुख्य कारण अपच, मल सूखना, गैस बनना यानी वात प्रकोप होना और लगातार कब्ज बना रहना भी है। पेट दर्द को दूर करने के लिए कुछ घरेलू उपाय हैं, जो दर्द तो दूर करते हैं, साथ ही साथ पेट की क्रियाओं को भी ठीक करते हैं।

– पेट दर्द मे हींग का प्रयोग लाभकारी होता है। 2 ग्राम हींग थोड़े पानी के साथ पीसकर पेस्ट बनाएं। नाभी पर और उसके आस-पास यह पेस्ट लगाएं।

–अजवाइन को तवे पर सेक लें और काले नमक के साथ पीसकर पाउडर बनाएं। 2-3 ग्राम गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लेने से पेट का दर्द दूर होता है।

–जीरे को तवे पर सेकें और 2-3 ग्राम की मात्रा गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लें। इसे चबाकर खाने से भी लाभ होता है।

–पुदीने और नींबू का रस एक-एक चम्मच लें। अब इसमें आधा चम्मच अदरक का रस और थोड़ा सा काला नमक मिलाकर उपयोग करें। दिन में 3 बार इस्तेमाल करें, पेट दर्द में आराम मिलेगा।

–सूखी अदरक मुंह में रखकर चूसने से भी पेट दर्द में राहत मिलती है।

–बिना दूध की चाय पीने से भी कुछ लोग पेट दर्द में आराम महसूस करते हैं।

–अदरक का रस नाभी स्थल पर लगाने और हल्की मालिश करने से पेट दर्द में लाभ होता है।

–अगर पेट दर्द एसिडिटी से हो रहा हो तो पानी में थोड़ा सा मीठा सोडा डालकर पीने से फायदा होता है।

–पेट दर्द निवारक चूर्ण बनाएं। इसके लिए भुना हुआ जीरा, काली मिर्च, सौंठ, लहसुन, धनिया, हींग, सूखी पुदीना पत्ती सबकी बराबर मात्रा लेकर बारीक चूर्ण बनाएं। इसमें थोड़ा सा काला नमक भी मिलाएं। खाने के बाद एक चम्मच थोड़े से गर्म पानी के साथ लें। पेट दर्द में आशातीत लाभकारी है।

–एक चम्मच शुद्ध घी में हरे धनिये का रस मिलाकर लेने से पेट की व्याधि दूर होती है।

–अदरक का रस और अरंडी का तेल प्रत्येक एक-एक चम्मच मिलाकर दिन में 3 बार लेने से पेट दर्द दूर होता है।

–अदरक का रस एक चम्मच, नींबू का रस 2 चम्मच लेकर उसमें थोड़ी सी शक्कदर मिलाकर प्रयोग करें। पेट दर्द में लाभ होगा। दिन में 2-3 बार ले सकते हैं।

–अनार पेट दर्द मे फायदेमंद है। अनार के बीज निकालें। थोड़ी मात्रा में नमक और काली मिर्च का पाउडर डालें। और दिन में दो बार लेते रहें।

–मेथी के बीज पानी में भिगोएं। पीसकर पेस्ट बनाएं। और इस पेस्ट को 200 ग्राम दही में मिलाकर दिन में दो बार लेने से पेट के विकार नष्ट होते हैं।

–इसबगोल के बीज दूध में 4 घटे भिगोएं। रात को सोते समय लेते रहने से पेट में मरोड़ का दर्द और पेचिश ठीक होती है।

–सौंफ में पेट का दर्द दूर करने के गुण होते है। 15 ग्राम सौंफ रात भर एक गिलास पानी में भिगोएं। छानकर सुबह खाली पेट पीयें। बहुत गुणकारी उपचार है।

–आयुर्वेद के अनुसार हींग दर्द निवारक और पित्तवर्द्धक होती है। छाती और पेट दर्द में हींग का सेवन बेहद लाभकारी होता है। छोटे बच्चों के पेट में दर्द होने पर एकदम थोड़ी सी हींग को एक चम्मच पानी में घोलकर पका लें। फिर बच्चे की नाभी के चारों लगा दें। कुछ देर बाद दर्द दूर हो जाता है।

–नींबू के रस में काला नमक, जीरा, अजवायन चूर्ण मिलाकर दिन में तीन बार पीने से पेट दर्द से आराम मिलता है।

मुझे नींद नहीं आती, आपने अक्सर लोगों को यह शिकायत करते सुना होगा। नींद एक जैविक प्रक्रिया है। हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त नींद बहुत ही जरूरी है। पर्याप्त नींद नहीं लेने से हमारी कार्यक्षमता पर भी बुरा असर पड़ता है। अनिद्रा के शिकार लोगों को अक्सर दिन में इधर-उधर झपकियां लेते देखा जा सकता है।

होम्योपैथी का सहारा ले सकते हैं

अनिद्रा के रोगी

अनिद्रा आजकल एक महामारी की तरह फैलती जा रही है। एक अनुमान के मुताबिक आज विश्व में हर पांचवां व्यक्ति अनिद्रा का शिकार है। अनिद्रा का अर्थ है नींद में व्यवधान, नींद उचटना या कम नींद आना। यह दो प्रकार की होती है। पहले प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों से जिन्होंने कभी अच्छी, चैन की नींद का आनंद नहीं लिया हो तथा ये लोग तनाव, घबराहट या अन्य किसी असहनीय पीड़ा से पीड़ित न हो। पहली प्रकार की अनिद्रा से पीड़ित लोगों की नाड़ी की गति तेज तथा शरीर का तापमान अधिक होता है। इनकी बाह्य धमनियां प्राय: संकुचित होती हैं। ये लोग प्राय: हिलते-डुलते रहते हैं। दूसरे प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों की अनिद्रा से है जो किसी न किसी बीमारी से पीड़ित होते हैं जैसे पेट में दर्द, पैरों में बेचैनी, थकान, स्पाइनल कॉर्ड में दर्द आदि। इन बीमारियों से नींद की प्रारंभिक अवस्था में बाधा पहुंचती है।

दूसरे प्रकार की अनिद्रा साइकेट्रीक, साइकोसिस तथा साइकोन्यूरोसिस के मरीजों में आमतौर पर देखी जा सकती है। डर तथा चिंता भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं। डिप्रेशन तथा मेनियक डिप्रेशन से भी अनिद्रा की शिकायत हो सकती है इससे सोने पर एक बार तो नींद आ जाती है परन्तु सुबह जल्दी आंख खुल जाती है तथा बाद में रोगी सो नहीं पाता। सन्निपात तथा कोई काल्पनिक डर भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं।

चिकित्सा की होम्योपैथिक शाखा के अंतर्गत अनेक ऐसी दवाईयां हैं जिनका प्रयोग अनिद्रा के उपचार के लिए किया जाता है। मरीज के लक्षणों के आधार पर कोई भी दवा उसे दी जा सकती है।

आर्सेनिक एलबम 30– यह दवा उन मरीजों को दी जाती है जो किसी मानसिक बेचैनी के कारण करवटें बदलते रहते हैं। वह शारीरिक रूप से इतना कमजोर होता है कि उसका चलना-फिरना भी मुश्किल होता है। मरीज को निरंतर मृत्यु का भय बना रहता है। वह इलाज के प्रति निराश हो चुका होता है। ऐसे रोगी को बार-बार थोड़े पानी की प्यास लगती रहती है।

केनाबिस इंडिका 30– यह उन रोगियों के लिए उपयुक्त होती है जो भय, भ्रांति तथा मानसिक दुर्बलता के शिकार होते हैं। ऐसे रोगी अक्सर मरे हुए लोगों को सपने में देखते हैं। उन्हें लगता है कि वह पागल हो जाएंगे। ऐसा रोगी लगातार बोलता रहता है और सिर हिलाता रहता है। अक्सर बोलते-बोलते वह यह भी भूल जाता है कि उसे आगे क्या बोलना है। विनम्र स्वभाव का व्यक्ति यदि उद्दण्ड स्वभाव हो जाए तो उसे यह दवा दी जाती है।

हायोसाइमस नाइगर 200– इसमें मरीज बहुत बातूनी और ईर्ष्यालु होता है। इस प्रकार का रोगी बहुत डरता है। उसे हर बात में डर लगता है जैसे अकेले रहने का डर, विष खिलाने का डर, किसी षड़यंत्र का डर आदि। बच्चों में नींद न आना, नींद आते ही डर जाना, बिस्तर से निकलने या भागने की कोशिश करना जैसे लक्षण होने पर यह दवा दी जाती है।

कैफिया क्रूडा 200– यह दवा उन रोगियों के लिए उचित है जिन्हें रात को नींद नहीं आती। वे अक्सर भविष्य के बारे में चिंता करते रहते हैं। ऐसे रोगी अचानक ही हंसने या रोने लगते हैं ऐसे रोगियों को बहुत अधिक चिंता, बातचीत या मानसिक परिश्रम करने में सिर में तेज दर्द होता है।

एकोनाइटम नैपेलस 30– इसमें रोगी अक्सर बैचेन रहता है जिससे उसे नींद नहीं आती। उसे इतना डर लगता है कि वह बेहोश भी हो जाता है। स्थिति गिंभीर होने पर रोगी को मरने का डर लगने लगता है। रोगी अक्सर डर के कारण घर से नहीं निकलता, भीड़भाड़ वाली जगहों से भी बचता है। उसे बार-बार पानी की प्यास भी लगती है।

इग्नेशिया अमारा 200– यह दवा उन रोगियों को दी जाती है जो शोक, भय या दुख की वजह से एकाएक बेहोश हो जाते हैं। उसे तम्बाकू या धुंआ सहन नहीं होता। उसके सिर में भी दर्द होता है। प्रेम या काम में निराशा से उत्पन्न अनिद्रा के लिए भी यही दवा कारगर होती है।

पोर्स फ्लोरा इन्कार्नेटा (क्यू)– वृद्धों तथा बच्चों में अनिद्रा दूर करने के लिए यह दवा कारगर सिद्ध होती है। यह दवा उन रोगियों की दी जाती है। जिन्हें तनाव और अत्यधिक मानसिक कार्य के कारण नींद नहीं आ पाती या सिर दर्द और आंखों में दर्द के कारण नींद नहीं आती।

किसी भी दवा के चुनाव से पहले रोगी के लक्षण पहचानना जरूरी होता है तथा किसी भी दवा के प्रयोग से पहले किसी विशेषज्ञ से सलाह लेना भी जरूरी होता है।

कौन बनेगा करोड़पति सपनों और आकांक्षाओं की एक साझा यात्रा

रियलिटी क्विज टेलीविजन शो कौन बनेगा करोड़पति का 16वां सीजन जल्द शुरू होने वाला है। दिग्गज बॉलीवुड मेगास्टार अमिताभ बच्चन इस शो की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। कौन बनेगा करोड़पति 16 का प्रीमियर 12 अगस्त को होगा। इसमें प्रतियोगी को पुरस्कार राशि हासिल करने के लिए अपने ज्ञान और बुद्धि की कुशलता को साबित करना होगा। इस बार शो को और रोचक बनाया गया है। इस सीजन में सुपर सवाल नाम से एक नया सेगमेंट शामिल किया जाएगा। यह नया स्पेशल सेगमेंट केबीसी में पांचवें प्रश्न के बाद आएगा। यह प्रतियोगियों को बिना लाइफ-लाइन विकल्प के अपनी पुरस्कार राशि को दोगुना करने की अनुमति देगा, जिससे खेल में एक उच्च जोखिम वाला मोड़ जुड़ जाएगा। शो के बारे में बात करते हुए, बिग बी ने एक बयान में कहा, कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) एक गेम शो से कहीं अधिक है। यह सपनों और आकांक्षाओं की एक साझा यात्रा है, जिसमें लाखों दर्शक हॉट सीट पर बैठे प्रतियोगियों का समर्थन करते हैं। केबीसी की मेजबानी मुझे अपने प्रशंसकों से जोड़े रखती है, जिन्हें मैं अपना परिवार मानता हूं। उन्होंने आगे कहा कि जीवन के सभी क्षेत्रों के प्रतियोगियों से मिलना, जिनमें से प्रत्येक के पास कठिनाइयों से भरी हुई अनूठी कहानियां हैं।

"नारायण"

जब से तेरी ओर,
कदम बढ़ाया है।
हर नर में मैंने,
नारायण पाया है।।

अज्ञानी हूं मै,
मुझे ज्ञान से भर दो।
अहंकार शून्य प्रेम,
समुंद्र सामान भर दो।।

खुद को तुझे,
समर्पित करती हूं।
मैं अपना हर कार्य
तुझे अर्पण करती हूं।।

चाहे किसी मुकाम पर जाऊं
मेरे मुख पर सदा तेरा नाम रहे
कुछ मिले ना मिले,
इस जीवन में।

राधेश्याम बस तेरा
ध्यान रहे।।

श्रुति सक्सेना
मुरादाबाद

तृप्ति के हाथ लगी बायोपिक? अदा कर सकती हैं परवीन बाबी का रोल

फिल्म एनिमल के बाद से तृप्ति डिमरी के सितारे बुलंदी पर हैं। इस फिल्म के बाद उन्हें टैग मिला है भाभी 2। बीते दिनों वह फिल्म बैड न्यूज में नजर आईं। इसके अलावा आने वाले दिनों में अभिनेत्री भूल भुलैया 3 में नजर आएंगी। इस बीच मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि तृप्ति के हाथ एक बायोपिक लग गई है। बायोपिक भी अपने दौर की दिग्गज अदाकारा की है।

सबसे आगे चल रहा तृप्ति का नाम फिल्मफेयर की रिपोर्ट के मुताबिक तृप्ति डिमरी परवीन बाबी की बायोपिक में नजर आ सकती हैं, उनके नाम पर चर्चा चल रही है। वह लीड रोल करती नजर आ सकती हैं। मीडिया रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि इस किरदार के लिए उन्हें मजबूत दावेदार माना जा रहा है। हालांकि, अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पहले इस किरदार को अदा करने को लेकर उर्वशी रौतेला का नाम सामने आ रहा था। लेकिन, अब तृप्ति के नाम की चर्चा है। इस किताब पर बायोपिक बनने की चर्चा परवीन बाबी की बायोपिक को लेकर भी लंबे वक्त से चर्चा है। लेखिका करिश्मा उपाध्याय द्वारा लिखित उनकी जीवनी, परवीन बाबी- ए लाइफ कई वर्षों से लोगों को मानसिक स्वास्थ्य पर बातचीत करने के लिए प्रेरित कर रही है। फिल्मफेयर की रिपोर्ट के अनुसार अब इस किताब पर फिल्म बनने की तैयारी है। परवीन बाबी 70 और 80 के दशक की लोकप्रिय अदाकारा रही हैं। उन्होंने दीवार, अमर अकबर एंथनी, मजबूर, त्रिमूर्ति और खट्टा मीठा सहित कई फिल्मों में काम किया है।

इन फिल्मो में नजर आएंगी तृप्ति

अभिनेत्री तृप्ति के करियर की बात करें तो उन्होंने पोस्टर बॉयज से डेब्यू किया था। फिर वे बुलबुल और कला जैसी फिल्मों में दिखीं। हालांकि, एनिमल के बाद उनकी लोकप्रियता में ज्यादा इजाफा हुआ है। अब उन्हें कार्तिक आर्यन की हॉरर कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 3 में देखा जाएगा इसके अलावा राजकुमार राव की विक्की विद्या का वो वाला वीडियो भी तृप्ति की अपकमिंग फिल्म है।

'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' से सम्मानित हुए शाहरुख खान

बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान के नाम एक और उपलब्धि जुड़ चुकी है। 10 अगस्त को अभिनेता को 'लोकार्नो फिल्म फेस्टिवल' के 77वें संस्करण में 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' तथाकथित 'पार्डो अला कैरियरा' से सम्मानित किया गया है। शाहरुख इस पुरस्कार से सम्मानित होने वाले पहले भारतीय बन चुके हैं। इस दौरान अभिनेता ने अपने आकर्षण से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

चार्मिंग लुक में नजर आए शाहरुख

फेस्टिवल में शाहरुख खान स्लीक ब्लैक ब्लेजर और मैचिंग ट्राउजर पहने नजर आए। उनका ये चार्मिंग लुक देखकर लोग मंत्रमुग्ध हो गए। शाहरुख के लुक को उनके लंबे बालों ने और भी शानदार बना दिया। हालांकि, फेस्टिवल का मुख्य आकर्षण उनका भाषण था। न्यूज पोर्टल मुताबिक, शाहरुख खान ने अपने स्वागत के लिए आभार व्यक्त करते हुए इसकी शुरुआत की। उन्होंने अपना सिग्नेचर पोज करते हुए कहा, 'आप सभी का इतनी बड़ी बाहों से मेरा स्वागत करने के लिए धन्यवाद।' अपने भाषण के दौरान अभिनेता ने फेस्टिवल के स्थान की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'यह लोकार्नो का एक बहुत ही सुंदर, बहुत ही सांस्कृतिक, बहुत ही कलात्मक और बेहद गर्म शहर है।' अभिनेता ने आगे कहा, 'इतने सारे लोग एक छोटे से चौक में ठसाठस भरे हुए हैं और इतनी गर्मी है। यह बिल्कुल भारत में अपने घर जैसा है।'

इब्राहिम अली के साथ रिश्ते में हैं पलक तिवारी? मां श्वेता ने बताया सच

श्वेता तिवारी टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री हैं। वहीं, उनकी बेटी पलक तिवारी ने भी मां के नक्शेकदम पर चलने की ठानी है। पलक, सलमान खान जैसे सुपरस्टार के साथ अपना बॉलीवुड डेब्यू कर चुकी हैं। इसी बीच वह अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी जबर्दस्त सुर्खियां बटोरती हैं। पलक का नाम सैफ अली खान और उनकी एक्स वाइफ अमृता सिंह के बेटे इब्राहिम अली खान से जोड़ा जा रहा है। दोनों को कई अवसरों पर एक साथ भी देखा जा चुका है। वहीं, अब इन चर्चाओं पर खुद पलक की मां श्वेता तिवारी ने चुप्पी तोड़ी है। अभिनेत्री अपने बयान से प्रशंसकों का खासा ध्यान आकर्षित कर रही हैं। अपनी बेटी के कथित रोमांस की अफवाहों पर प्रतिक्रिया देते हुए श्वेता तिवारी ने हाल ही में कहा, पलक अभी मजबूत हैं, लेकिन कल, कुछ टिप्पणी या लेख उनके आत्मविश्वास को ठेस पहुंचा सकते हैं। श्वेता ने जोड़ा, वह अभी भी बच्ची हैं। कभी-कभी चीजें इतनी क्रूर हो जाती हैं, जैसे उनका हर दूसरे लड़के के साथ अफेयर हो। मुझे भी नहीं पता कि वह ये सब कब तक बर्दाश्त करेंगी। श्वेता ने कहा कि यहां तक कि पलक अपनी डेटिंग की अफवाहों को लेकर भी हैरान हैं। श्वेता ने जोड़ा, वह इसका मजाक उड़ाती हैं, लेकिन कई बार चीजें उन्हें परेशान भी कर सकती हैं। श्वेता ने पलक के पतले शरीर के बारे में नकारात्मकता को भी संबोधित किया और कहा, यह उन्हें परेशान भी नहीं करता है। पलक तिवारी ने 2023 में सलमान खान और पूजा हेगड़े अभिनीत फिल्म किसी का भाई किसी की जान से अपने अभिनय की शुरुआत की। काम के साथ-साथ वह अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी जबर्दस्त सुर्खियां बटोरती हैं। पलक के प्रशंसक उनके अगले प्रोजेक्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

कॉमेडी नहीं हिंसक है टॉम एंड जेरी

अक्षय कुमार इंडस्ट्री के सबसे लोकप्रिय एक्शन सितारों में से एक हैं। खिलाड़ी कुमार ने अपने दशकों लंबे करियर के दौरान कई एक्शन फिल्मों में काम किया है। अभिनेता अब अपनी अगली फिल्म खेल खेल में की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। अक्षय इसके प्रमोशन में जुटे हुए हैं। इसी बीच उन्होंने लोकप्रिय कार्टून फेंचाइजी टॉम एंड जेरी को लेकर चौंकाने वाला बयान दिया है, जिसे जानकर प्रशंसक दंग रह गए हैं। एक हालिया इंटरव्यू में खेल खेल में से अक्षय कुमार के को-स्टार फरदीन खान ने टॉम एंड जेरी को अपना पसंदीदा कॉमेडी कार्टून बताया। हालांकि, इस पर अक्षय ने उन्हें रोकते हुए कहा, नहीं, नहीं। टॉम एंड जेरी कॉमेडी नहीं है। इसमें एक्शन है, हिंसा है। अपनी फिल्मों में एक्शन के लिए कार्टून टॉम एंड जेरी से प्रेरणा लेने की बात को साझा करते हुए अक्षय ने कहा, मैं आपको एक रहस्य बताऊंगा। मैंने कई सारे जो एक्शन सीन किए हैं, उन्हें मैंने टॉम एंड जेरी से लिया है। वह पूरा हेलीकॉप्टर सीन, मैंने टॉम एंड जेरी से लिया है।

अक्षय ने यह भी साझा किया कि उन्होंने नेशनल ज्योग्राफिक से भी प्रेरणा ली है। अभिनेता ने जोड़ा, और एक और बात मैंने एक्शन सीन के लिए नेशनल ज्योग्राफिक से भी काफी प्रेरणा ली है, जहां आपको शानदार एक्शन देखने को मिलता है। टॉम एंड जेरी का एक्शन जिस तरह का है वह अविश्वसनीय है। अक्षय कुमार के प्रशंसक खेल खेल में की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में अभिनेता के अलावा वाणी कपूर, तापसी पन्नू, एमी विर्क, प्रज्ञा जयसवाल और आदित्य सील जैसे सितारे मुख्य भूमिका में हैं। यह मुदस्सर अजीज द्वारा निर्देशित और भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अश्विन वर्दे, विपुल डी. शाह, राजेश बहल, शशिकांत सिन्हा और अजय राय द्वारा निर्मित है। फिल्म 15 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

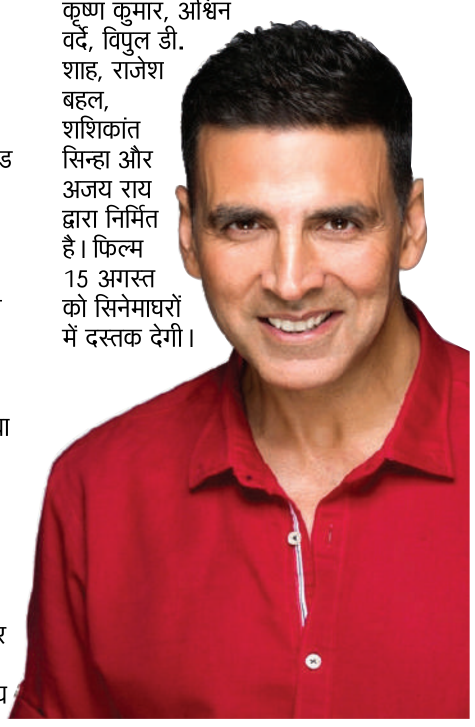

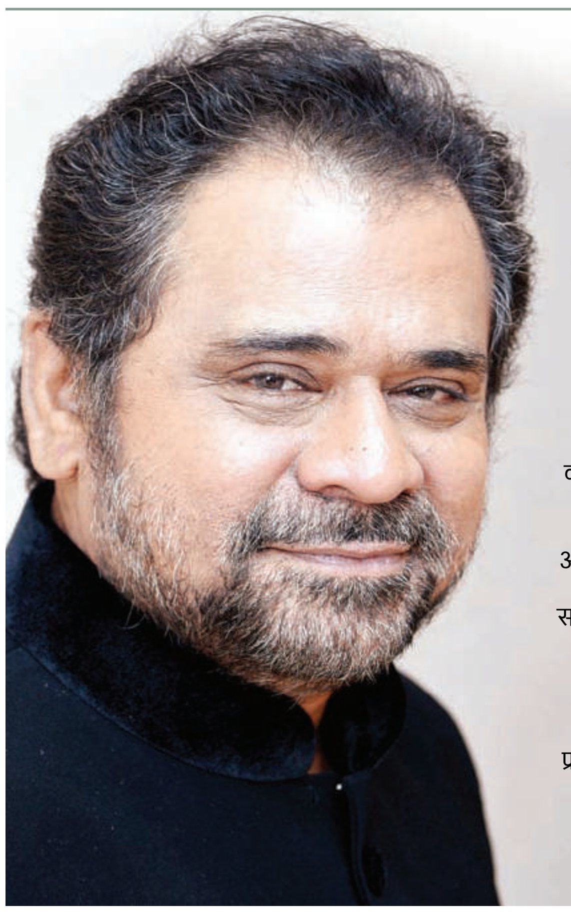

अनीस बज्मी ने शुरू की महिला किरदारों की कास्टिंग, इस महीने शुरू होगी नो एंट्री 2 की शूटिंग

हिट कॉमेडी नो एंट्री के प्रशंसित निर्देशक अनीस बज्मी अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट नो एंट्री 2 की तैयारी कर रहे हैं। भूल भुलैया 3 के सफल समापन के बाद, बज्मी ने इस बहुप्रतीक्षित सीक्वल के लिए मुख्य अभिनेत्री की तलाश शुरू कर दी है। 2005 में रिलीज हुई मूल फिल्म में सलमान खान, अनिल कपूर, फरदीन खान और ईशा देओल जैसे कलाकारों ने अभिनय किया था, जिसमें लारा दत्ता, सेलिना जेटली और बिपाशा बसु का उल्लेखनीय प्रदर्शन था। जैसे ही बज्मी नो एंट्री 2 के लिए मंच तैयार कर रहे हैं, वह प्रशंसकों को प्रसन्न करने के लिए हास्य और मनोरंजन का एक और दौर देने का वादा करते हैं।

महिला किरदारों की कास्टिंग शुरू

वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अर्जुन कपूर की दोहरी भूमिकाओं वाली फिल्म नो एंट्री 2 का निर्माण दिसंबर 2024 तक शुरू होने वाला है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो अनीस बज़्मी और निर्माता बोनी कपूर अगस्त के मध्य में नो एंट्री 2 के लिए कास्टिंग शुरू करने की योजना बना रहे हैं। यह फिल्म मनोरंजन को दोगुना करने का वादा करती है, जिसमें इसके मुख्य कलाकार दोहरी भूमिका निभाएंगे, और इसमें सात महिला किरदारों का एक महत्वपूर्ण समूह भी शामिल होगा।

दिसंबर 2024 में शुरू होगी शूटिंग

रिपोर्ट से यह भी पता चला है कि अनीस बज्मी नो एंट्री 2 को लेकर बेहद उत्साहित हैं और बेसब्री से शूटिंग शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं। उनका मानना है कि यह फिल्म हाल के वर्षों में उनके द्वारा बनाई गई सबसे मजेदार पटकथाओं में से एक है। बज्मी के अनुसार, नो एंट्री 2 उनके बेहतरीन कामों में से एक है। निर्देशक, दिसंबर 2024 में प्रोडक्शन शुरू होने पर इस फिल्म को फ्लोर पर ले जाने के लिए उत्साहित है।

2025 में रिलीज होगी नो एंट्री 2

अनीस बज्मी एक लेखक और निर्देशक के रूप में नो एंट्री 2 पर काम करेंगे। वरुण धवन, अर्जुन कपूर और दिलजीत दोसांझ ने फिल्म की स्क्रिप्ट पर सहमति जता दी है और तीनों फिल्म के लिए उत्साहित भी हैं।

सामंथा रुथ प्रभु की आने वाली फिल्में और वेब सीरीज

इन दिनों सामंथा अपनी आगामी कई फिल्मों और सीरीज को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। सामंथा रुथ प्रभु एक भारतीय अभिनेत्री हैं, जो मुख्य रूप से तेलुगु और तमिल सिनेमा में काम करती हैं। इन दिनों सामंथा अपनी आगामी वेब सीरीज सिटाडेल-हनी बनी के प्रमोशन में व्यस्त हैं। सिटाडेल- हनी बनी एक एक्शन वेब सीरीज है, जो 7 नवंबर से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। बंगाराम की घोषणा सामंथा के जन्मदिन पर की गई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जवान निर्देशक एटली की फिल्म में सामंथा और अल्लू अर्जुन की जोड़ी साथ में देखने को मिलेगी। वेब सीरीज सिटाडेल- हनी बनी और इन फिल्मों के अलावा भी सामंथा की कई फिल्में पाइपलाइन में हैं।

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 8888883968, 9811111715 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **संपादक : मो इस्माईल खान** RNI No. DLHIN/2010/37009